डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार | 01 अगस्त 2025 | वर्ष-31, अंक- 285, पृष्ठ-12 | श्रावण शुक्ल पक्ष 08, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में
अभिनंदन और
जोहार

दिनांक: 31 जुलाई और 1 अगस्त 2025

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 358699 (IPRD) 2025-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

भीमचूल्हा में कोयल नदी से जल लेकर श्रद्धालु दंपत्ति ने किया गृहप्रवेश अनुष्ठान

मोहम्मदगंज (पलामू)। ऐतिहासिक पर्यटक स्थल भीमचूल्हा में स्थित कोयल नदी से गुरुवार को डाली गांव निवासी अरविंद पासवान दंपत्ति ने गृहप्रवेश के लिए पवित्र जल उठाकर धार्मिक अनुष्ठान पूरा किया। पुरोहित की मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-पाठ किया गया। मंदिर में भगवान शिव और भीमबलि की परिक्रमा की गई। पूरे क्षेत्र में गाजे-बाजे और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सेवक सत्येंद्र कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि अब यह स्थल विवाह, रोका, छेका जैसे मांगलिक कार्यों के साथ गृहप्रवेश के लिए भी लोकप्रिय होता जा रहा है। श्रद्धालुओं की आस्था ने इस स्थान को धार्मिक केंद्र में तब्दील कर दिया है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। गढ़वा रोड जंक्शन और तोलरा स्टेशन के बीच गुरहा कला गांव के पास गुरुवार सुबह एक मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गुरहा कला निवासी तेजू राम के नाती राहुल कुमार (20) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, राहुल हेडफोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी उसी ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी से वह टकरा गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही राजकीय रेल पुलिस और रेहला थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

पंप चालू करने के दौरान बिजली के करंट से बुजुर्ग की मौत

विश्रामपुर। पलामू थाना क्षेत्र के गौरा गांव निवासी अमरनाथ विश्वकर्मा (60 वर्ष) की गुरुवार सुबह करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, मृतक नहाने के लिए घर से निकले थे और पानी के लिए विद्युत पंप चालू करने का प्रयास कर रहे थे। पंप में लगे तार को बांस के डंडे से पोल पर चढ़ाते वक्त वे अचानक विद्युत प्रवाह में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन उन्हें विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है। समाजसेवी संजय बैठा की देखरेख में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

धोबडीहा में किराना दुकान से डेढ़ लाख की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर (पलामू)। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के धोबडीहा गांव में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने एक किराना दुकान से करीब 1.50 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। पीड़ित दुकानदार जीवन कुमार गिरी ने बताया कि सुबह उन्हें पड़ोसियों ने सूचना दी कि उनकी दुकान का शटर खुला है। दुकानदार जब दुकान पहुंचे तो देखा कि काउंटर बॉक्स पूरी तरह से खाली था। घटना की सूचना तत्काल लेस्लीगंज थाना को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस घटना से स्थानीय क्षेत्र में दहशत और असुरक्षा का माहौल बन गया है। दुकानदार ने चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी और नकदी की बरामदगी की मांग की है। पुलिस फिलहाल सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान के आधार पर जांच कर रही है।

भीमबराज से मुख्य नहर में छोड़ा गया 1400 क्यूसेक पानी

मोहम्मदगंज (पलामू)। भीमबराज जलाशय से गुरुवार को मुख्य नहर में 1400 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे नबीनगर क्षेत्र को भी 900 क्यूसेक पानी की आपूर्ति मिल रही है। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश ने जानकारी दी कि दायीं मुख्य नहर में जलप्रवाह निरंतर और नियंत्रित रूप से हो रहा है। स्थिति पर सहायक अभियंता सुलेंद्र कुमार, जेई निर्भय कुमार, शुभम राज और सौरभ पटेल लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कोयल नदी में बाढ़ या अन्य अवरोध उत्पन्न नहीं होते, तब तक जलप्रवाह जारी रहेगा। किसानों की जरूरत के अनुसार जल की मात्रा को घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। इस वर्ष भीमबराज क्षेत्र में अच्छी वर्षा होने से खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध रहने की उम्मीद जताई गई है।

राजहरा में मुसहर परिवारों के लिए आधार कार्ड शिविर आयोजित

सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में प्रशासन का सराहनीय कदम

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार (पलामू)। प्रखंड के राजहरा गांव में गुरुवार को वंचित मुसहर परिवारों के आधार कार्ड बनवाने के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर बीडीओ रेणु बाला, पंचायत मुखिया चंदन कुमार और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में उन लोगों का आधार कार्ड बनाया गया, जो अब तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहे हैं। बीडीओ रेणु बाला ने कहा कि अब इन परिवारों को आवास योजना, राशन कार्ड, स्कूल में नामांकन, और अन्य सभी सरकारी सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। बीडीओ ने बताया कि आधार कार्ड बनने के बाद, बच्चों को सरकारी स्कूलों में नामांकित कर शिक्षा से जोड़ा जाएगा और उन्हें मध्याह्न भोजन योजना, वर्दी, छात्रवृत्ति आदि योजनाओं का भी लाभ मिलेगा प्रशासन का यह प्रयास समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है। इस शिविर के सफल आयोजन से सामाजिक समावेशन और समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

एसटीडी डिग्री कॉलेज में मनायी गयी संत तुलसीदास की 528वीं जयंती

गोस्वामी तुलसीदास के आदर्शों व रचनाओं पर अतिथियों ने डाला प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। रेहला : संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के सभागार हॉल में गुरुवार को संत गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयंती समारोह धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य कृष्ण कुमार चौबे ने की, जबकि संचालन प्रो. राकेश कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य चौबे ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे न केवल रामचरितमानस के रचयिता थे, बल्कि अवधि और ब्रज भाषा में कई रचनाएं लिखी हैं। उन्होंने मानस में भगवान राम को विराट रूप में देखा और शक्ति की सजीव अनुभूति की। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम मिश्रा ने कहा कि तुलसीदास ने रामचरितमानस जैसी कालजयी रचना कर भगवान राम के आदर्शों को सरल भाषा में जन-जन तक पहुँचाया। इस मौके पर रंजन दुबे, डॉ. सुनील यादव, टी.पी. तिवारी, अजय ओझा, ज्योति कुमारी, संतोष शुक्ला, शबनम निशा, आशा कुमारी, डॉ. कुमारी संगीता, वृंदा कुमारी, चंद्र प्रकाश चौबे, प्रधान सहायक अमित कुमार, जितेंद्र पाठक, आशीष पांडेय, दिलीप चौबे, सुनील कुमार, रामेश्वर राम, गुंजन पासवान, सुधीर यादव, विनय कुमार, दिनेश साहू, समेत संगीता कुमारी, गुंजा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अमृता कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, प्रतिमा कुमारी, शोभा कुमारी आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन संत तुलसीदास की वाणी के पाठ से किया गया।

साझेदार पर लगाया फर्म की मशीन चोरी से बेचने का आरोप, एफआईआर दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र के देवरी ओपी अंतर्गत एवी इंटरप्राइजेज फर्म के एक साझेदार विशाल कुमार ने दूसरे साझेदार अभिषेक कुमार विश्वकर्मा पर फर्म की मशीनें चोरी-छिपे बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में विशाल कुमार ने हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कांड संख्या 188/25, दिनांक 29.07.2025 को दर्ज केस में धारा 303 (2), 314/316(2), 318(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज हुआ है। विशाल कुमार के अनुसार, उन्होंने जब अचानक फर्म जाकर देखा तो मशीनें नदारद थीं। पूछताछ करने पर अभिषेक ने जवाब दिया, ह्लमशीनें बेच दी हैं, जो करना हो कर लो ह्व विशाल ने दस्तावेजों की प्रति भी ओपी प्रभारी को सौंपी है। ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक विवाद में युवती ने लगाई फांसी

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय स्थित दर्जी मोहल्ला की एक 19 वर्षीय युवती रेशमी खातून ने गुरुवार को पारिवारिक विवाद में आत्महत्या कर ली। मृतिका प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता मो. सत्तार खलीफा उर्फ पेंटर जिलानी की पुत्री थी। सूत्रों के अनुसार, रेशमी का अपनी भाभी से किसी मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी के चलते उसने गुस्से में आकर अपने कमरे में फांसी लगा ली। परिजन उसे तत्काल विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के परिजन शव को घर ले जाकर दफनाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इसी बीच पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया। थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने बताया कि घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

लटपौरी पंचायत सचिवालय तक संपर्क पथ का नहीं हुआ निर्माण

बरसात में कीचड़ और जलजमाव से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज (पलामू)। सरकार की पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत करने की मंशा को उस समय झटका लगता है जब कादलकुर्मी-दंगवार वाया जपला मुख्य पथ से लटपौरी पंचायत सचिवालय तक संपर्क सड़क का निर्माण अब तक नहीं हो पाया है। केवल 200 फीट में पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह के कार्यकाल में पीसीसी पथ बना था, लेकिन बाकी हिस्सा आज भी कच्चा और कीचड़भरा है। बरसात के दिनों में हालात और बिगड़ जाते हैं। मुखिया उमेश राम ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए प्राक्कलन तैयार कर जिला परिषद को भेजा गया है। यदि 15वां वित्त आयोग मद से आवंटन मिलता है, तो निर्माण कार्य कराया जाएगा। विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने भी शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है।

नाग बाबा से सोनबरसा मोड़ बना डेंजर जोन

तेज रफ्तार और तकनीकी खामियों से हो रहे सड़क हादसे

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कादलकुर्मी-दंगवार वाया जपला मुख्य पथ के नाग बाबा मंदिर से सोनबरसा मोड़ तक का हिस्सा हादसों का डेंजर जोन बन गया है। मंगलवार की देर शाम ऑटो और बाइक की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हुए हादसों में 4 लोगों की मौत और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसों की बड़ी वजहें स्पीड ब्रेकर का अभाव, संकेतकों की कमी, तथा ओवरस्पीडिंग बताई जा रही हैं। माली रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज या अंडरपास का निर्माण न होना भी प्रमुख कारणों में शामिल है। जब भी फाटक खुलता है, तो वाहन चालक एक-दूसरे को ओवरटेक करने की होड़ में नियंत्रण खो बैठते हैं। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण में तकनीकी त्रुटि और यातायात नियमों के पालन की कमी को हादसों की जड़ बताया है। सभी ने स्पीड ब्रेकर, संकेतक और ओवरब्रिज की मांग की है, ताकि इस क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके।

जागरूकता

हुसैनाबाद में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर एसडीओ की समीक्षा बैठक

जनजागरूकता व विभागीय समन्वय से 100 दवा सेवन का लक्ष्य

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। आगामी 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक चलने वाले फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने हेतु गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय हुसैनाबाद में एसडीओ ओमप्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ग्रामीणों को दवा सेवन के लिए प्रेरित करें। मुखिया और ग्रामसभा की भूमिका को विशेष महत्व देते हुए, दवा सेवन को जन आंदोलन बनाने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए प्राइवेट अस्पतालों, स्कूलों, नेहरू युवा केंद्र के वालंटियरों, और अन्य स्टेकहोल्डरों का सहयोग लिया जाएगा। प्रभात फेरी, रात्रि चौपाल और बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग दवा लें और फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को सफल बनाया जा सके। मीडिया से सहयोग की अपील करते हुए एसडीओ ने कहा कि जनसंचार के माध्यम से ही ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों तक जानकारी पहुंच सकती है। बैठक में प्रमुख रूप से प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनेश कुमार, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विभूति कुमार गुप्ता, लेखा प्रबंधक प्रेम मणि सुधांशु, डाटा प्रबंधक रणजीत कुमार मेहता, अनिल कुमार गुप्ता, पीरामल फाउंडेशन के धीरेन्द्र कुमार, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य बाजार में जलजमाव बना परेशानी का कारण

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार में जल-जमाव की गंभीर समस्या से आम लोग और राहगीर दोनों ही परेशान हैं। खासकर सोना कॉम्प्लेक्स के समीप यह स्थिति अधिक गंभीर है, जहां दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे डस्ट भर दिए जाने से नाले पूरी तरह जाम हो चुके हैं। बताया गया कि आंबेडकर चौक से जेपी चौक तक सड़क किनारे बनाए गए नालों में दुकानदारों ने जानबूझकर कचरा व मलबा भर दिया है, जिससे बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। इससे बाजार में आवागमन बाधित हो रहा है और लोगों को कीचड़, दुर्गंध और फिसलन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत ने लाखों रुपये की लागत से सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक लगवाए थे, ताकि जल निकासी में सहूलियत हो सके, परंतु दुकानदारों द्वारा अपने दुकान के सामने डस्ट भरकर इन ब्लॉकों को ढंक दिया गया, जिससे समस्या और बढ़ गई है। मधुशाला रोड और अन्य इलाकों में भी वर्षों से सड़कों की हालत जर्जर है, जिसकी मरम्मत नहीं की गई है।

न्यूज | बॉक्स

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत खेत जुताई के दौरान हुआ हादसा

नीलाम्बर-पीताम्बरपुर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के भलमंडा गांव में खेत जुताई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। कीचड़ में फंसे ट्रैक्टर को निकालने के प्रयास में ट्रैक्टर पलट गया, जिससे उसके चपेट में आकर 50 वर्षीय अनुज सिंह की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भकासी गांव निवासी अनुज सिंह पिता भुनेश्वर सिंह ने अपना ट्रैक्टर कुलदीप साव के खेत में जुताई के लिए भेजा था। ट्रैक्टर चालक विजय यादव ने खेत में कीचड़ में धंसे ट्रैक्टर की सूचना अनुज सिंह को दी। अनुज मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर निकालने का प्रयास करने लगे। जेसीबी मंगाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन उसके पहुंचने में देर हो रही थी। इस बीच खुद ही ट्रैक्टर निकालने का प्रयास करने पर ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में अनुज सिंह ट्रैक्टर के नीचे कीचड़ में दब गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस मामले में कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छह सूत्री मांगों को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों का धरना, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

उंटारी। रोड प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना की अध्यक्षता प्रमुख अलका कुमारी ने की, जबकि संचालन मुखिया रामबचन राम ने किया। धरना में प्रमुख मांगों में 15वें वित्त आयोग की राशि का अविलंब भुगतान, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त करने हेतु अनुशंसित विभागीय शक्तियों का हस्तांतरण, जिला योजना समिति की नियमित बैठक और वार्ड सदस्यों को सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता देने जैसी बातें शामिल रहीं। धरना के उपरांत मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन बीडीओ श्रवण कुमार भगत को सौंपा गया। कार्यक्रम में जिप सदस्य अरविंद सिंह, विजय रविदास, मुखिया संघ अध्यक्ष अशोक सिंह समेत बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि और वार्ड सदस्य शामिल रहे।

उद्यान विभाग की पहल से खिले किसानों के चेहरे

हुसैनाबाद (पलामू)। उद्यान विभाग की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से हुसैनाबाद, हैदरनगर और मोहम्मदगंज प्रखंडों के किसानों के चेहरे पर रौनक लौट आई है। बुधवार को विभागीय अधिकारियों और फील्ड स्टाफ द्वारा ओल, अदरक और अमरूद की खेती का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में विकास कुमार सहित उद्यान मित्र कृष्णा बैठा, रामसुंदर प्रसाद मेहता और विश्वनाथ मेहता शामिल थे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खजुराहो और जमुआ (हुसैनाबाद), कुकही (हैदरनगर) और मोहम्मदगंज गांव में किसानों ने इन फसलों की सफल खेती की है। खेतों में पौधों की बढ़वार देखकर स्पष्ट संकेत मिले कि इस बार इन फसलों से अच्छी पैदावार होगी। किसानों ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा समय पर उचित मार्गदर्शन और बीज-पौध की आपूर्ति से उन्हें नई राह मिली है। किसान सुजीत कुमार मेहता, अखिलेश मेहता और प्रमोद मेहता ने विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस सहयोग से उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव की आशा है। कृष्णा बैठा, रामसुंदर मेहता और विश्वनाथ मेहता जैसे उद्यान मित्रों की सक्रिय भूमिका और किसानों से सीधा संवाद इस योजना को जमीन पर सफल बना रहा है। किसानों ने कहा कि यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित हो रही है।

'मलय डेम आना': लोकगायक दिनेश मोहक के गीत ने बढ़ाई पर्यटन की रौनक

सतबरवा। पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत मुरमा मलय डैम इन दिनों न केवल अपने नैसर्गिक सौंदर्य से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि संगीत प्रेमियों के लिए भी एक नया सांस्कृतिक ठिकाना बन गया है। इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी वजह है स्थानीय लोकगायक दिनेश मोहक यादव का नया वीडियो गीत 'मलय डेम आना', जो इस समय सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। पटना से आई टीम ने मलय डैम की हरी-भरी वादियों, ओवरफ्लो के दृश्य और आसपास के प्राकृतिक वातावरण को कैप्चर कर इसे गीत के रूप में प्रस्तुत किया है। ₹मलय डेम आना₹ गीत को दिनेश_मोहक_ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है, और यह रिलीज होते ही युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया है। इंस्टाग्राम पर यह सॉन्ग रील ट्रेंड में भी शामिल हो गया है। इस वीडियो में स्थानीय कलाकारों ने भी दमदार प्रस्तुति दी है, जिससे दर्शकों को गीत के साथ-साथ स्थान की संस्कृति का भी अनुभव होता है। मलय डैम में हर दिन सैकड़ों पर्यटक पहुंच रहे हैं और ₹मलय डेम आना₹ गीत का आनंद प्राकृतिक छटा के साथ ले रहे हैं। लोकगायक दिनेश मोहक यादव का यह प्रयास संगीत के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने का उदाहरण बन रहा है। उनका मानना है कि 'स्थानीय स्थलों की पहचान को यदि कला से जोड़ा जाए तो वह न केवल लोगों को जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगा।'

वर्ष-31, अंक- 285, पृष्ठ-10 | श्रावण शुक्ल पक्ष 08, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शुक्रवार
01 अगस्त 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

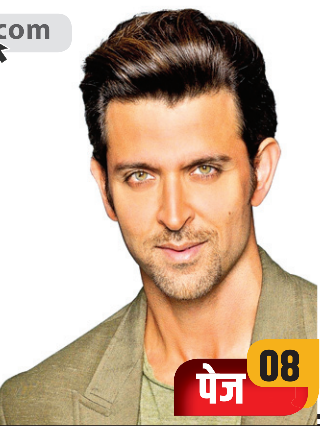

कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह की दो टूक : विश्वविद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं, होगी एफआईआर

- प्रभारी कुलपति रहते नहीं लिया कोई नीतिगत निर्णय, नियमित कुलपति नियुक्त करने की वकालत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बुधवार को मीडिया को स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और संबंधित लोगों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की संपत्ति भविष्य की धरोहर है और उसकी रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि एनपीयू में 2021 में सोलर पैनल क्रय के लिए आई राशि से वर्ष 2025 में जेम पोर्टल के माध्यम से 20 सोलर पैनल खरीदे गए। हालांकि, आपूर्तिकर्ता कंपनी को अब तक कोई भुगतान नहीं किया गया है। इस मामले में प्रक्रियागत समीक्षा की जा रही है।

कुलपति डॉ. सिंह ने अपने पूर्ववर्ती कार्यकाल को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जब वे रांची विश्वविद्यालय और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति थे, तब उन्होंने किसी भी प्रकार का नीतिगत निर्णय नहीं लिया। उन्होंने केवल ज़रूरी सुझाव दिए, जैसे छात्रावास की व्यवस्था, मैनपावर की जरूरत और सुरक्षा संबंधी सुझाव। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "प्रभारी कुलपति" की अवधारणा से अकादमिक और प्रशासनिक कार्यों में अस्थिरता आती है। उन्होंने राजभवन से आग्रह किया कि भविष्य में किसी भी विश्वविद्यालय में प्रभारी कुलपति की जगह नियमित कुलपति की नियुक्ति की जाए। डॉ. सिंह ने कहा, "विश्वविद्यालय को यदि सही मायनों में सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, तो यहां के प्रत्येक शिक्षक और कर्मचारी को ईमानदारी से योगदान देना होगा। जो लोग अपने पद का उपयोग विश्वविद्यालय के हित के विरुद्ध कर रहे हैं, वे न केवल संस्था से बल्कि अपनी अगली पीढ़ी से भी अन्याय कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि पीढ़ियों के भविष्य को गढ़ने वाली संस्था है और इसमें सभी की समान भागीदारी अपेक्षित है। मौके पर कुलपति के पीआरओ डॉ. विनीता दीक्षित, डीएसडब्ल्यू एसके पांडेय व डॉ. विमल कुमार सिंह मौजूद रहे।

एक नजर

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए जाएंगे सभी जरूरी कदम

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत की ओर से अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री गोयल की ओर से यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी लगाने की घोषणा के बाद कही गई है। संसद को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की "डेड इकोनॉमी" वाली टिप्पणी को भी खारिज करते हुए कहा कि भारत 10 वर्षों में 11वीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के अनुसार, इंटरनेशनल एजेंसी भारत को विश्व अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखती हैं।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा-

डॉक्टर चिकित्सकीय दक्षता हासिल करने के साथ संवेदनशील इंसान बनें

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को झारखंड के देवघर स्थित एम्स के प्रथम दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉक्टरों का आह्वान किया कि वे चिकित्सकीय दक्षता हासिल करने के साथ संवेदनशील इंसान बनें। राष्ट्रपति ने कहा कि इस बात की गारंटी मानी जाती है कि एम्स जैसे संस्थान से मेडिकल की डिग्री हासिल करने वाले कुशल डॉक्टर बनते हैं। डिग्री लेने वाले छात्रों को संकल्प लेना चाहिए कि एक डॉक्टर के रूप में मरीजों और उनके परिजनों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहेंगे। डॉक्टरों को केवल क्लिनिकल स्किल्स तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनमें सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार और संवेदनशील संवाद की क्षमता भी होनी चाहिए।

दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने वाले 48 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। राष्ट्रपति ने इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार छात्रों को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक सहित एक छात्र को रैंक के आधार पर विशेष डिग्री प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा, "डॉक्टरों को समाज में ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाता है। कुछ डॉक्टर ऐसे होते हैं जिनसे परामर्श के बाद मरीज और उनके परिजन बेहतर महसूस करते हैं। आपके पास अनगिनत लोगों के जीवन को छूने और उजाले से भरने की शक्ति होती है।"

उन्होंने एम्स देवघर की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि संस्थान ने पांच आदिवासी गांवों को गोद लिया है। "यह दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा उन तक भी पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत है।" राष्ट्रपति ने अपने झारखंड और एम्स देवघर से विशेष जुड़ाव को याद करते हुए कहा, "यह मेरा परम सौभाग्य है कि भगवान शंकर की असीम अनुकंपा से मुझे फिर देवघर आने का अवसर मिला। 2018 में जब एम्स का शिलान्यास हुआ था, तब मैं राज्यपाल के रूप में उपस्थित थी, और आज, बतौर राष्ट्रपति, पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। श्रावणी मेले के दौरान इस समारोह के आयोजन को उन्होंने "ईश्वर की कृपा" बताया और बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग व शक्तिपीठ को नमन किया। शेष पेज 09 पर...

रांची पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सीएम हेमंत सोरेन ने किया स्वागत

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजभवन पहुंची, जहां रात्रि विश्राम किया
- आज आईआईटी-आईएसएम धनबाद के 45 वें दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति को मुख्यमंत्री की ओर से पुष्पगुच्छ के साथ प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया। रांची एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजभवन पहुंच गईं हैं, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगी।

इस दौरान राजभवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

सुबह 9.30 बजे धनबाद के लिए रवाना होगी राष्ट्रपति : रात्रि विश्राम के बाद राष्ट्रपति शुक्रवार की सुबह 9.30 बजे, राजभवन से धनबाद के लिए रांची एयरपोर्ट से रवाना होंगी। जानकारी के मुताबिक, सुबह 10 बजे रांची एयरपोर्ट से पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेंगी। फिर 11.40 बजे दुर्गापुर एयरपोर्ट से उड़ान भरकर राष्ट्रपति धनबाद एयरपोर्ट पहुंचेगी। यहां दोपहर 12 बजे वह धनबाद के आईआईटी-आईएसएम कैंपस पहुंचेगी। यहां गोल्ड मेडलिस्ट 33 छात्रों, मेंबर्स और सिनेटर्स के साथ फोटो सेशन होगा। इसके बाद अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर के अधीन आदिवासी महिलाओं द्वारा कम्युनिटी इनोवेशन से जुड़े एक्जीबिशन का अवलोकन करेंगी। फिर 12.20 बजे से 1.20 बजे तक आईआईटी शेष पेज 09 पर...

गैंगस्टरों की अवैध कमाई पर पुलिस का शिकंजा

अपराध व नक्सल से जुड़े लोगों के खिलाफ जांच अभियान तेज : आईजी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अब अपराध से कमाई गई संपत्ति सुरक्षित नहीं रहेगी। पलामू जोन के तीन जिलों — पलामू, गढ़वा और लातेहार — में सक्रिय आपराधिक गिरोहों और गैंगस्टरों की संपत्ति को जांच के बाद जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इसके लिए पुलिस ने विशेष जांच टीम यानी एसआईटी का गठन किया है। यह टीम ना सिर्फ गैंगस्टरों की संपत्ति की जांच करेगी, बल्कि उनके रिश्तेदारों और करीबी सहयोगियों की संपत्ति को भी खंगालेगी। पुलिस ने अमन साहू, आज़ाद सरकार, सुजीत सिन्हा और डब्लू सिंह जैसे कई नामी गैंगस्टरों को अपनी रडार पर लिया है। इन अपराधियों के साथ-साथ उनके करीबियों की सूची तैयार की जा रही है। सूची के आधार पर सभी को नोटिस भेजे जाएंगे और उनसे उनकी चल-अचल संपत्ति की जानकारी मांगी जाएगी। इसके बाद यह जांच की जाएगी कि संपत्ति किस स्रोत से अर्जित की गई है। यदि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो संपत्ति जब्त कर ली जाएगी।

- पलामू, गढ़वा और लातेहार में एसआईटी की कार्रवाई, संपत्ति जब्ती की तैयारी

पुलिस सिर्फ गैंगस्टरों पर ही नहीं, बल्कि टॉप नक्सली कमांडरों पर भी नजर रख रही है। उनकी संपत्ति की जांच के लिए भी अलग एसआईटी टीमें बनाई गई हैं, जो लगातार छापेमारी कर रही हैं और रिकॉर्ड जुटा रही हैं। पलामू जोन के आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि अपराध और नक्सल से जुड़े लोगों के खिलाफ जांच और जब्ती अभियान तेज किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित जिलों के एसपी को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस अब आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर गिरोहों के नेटवर्क और लेन-देन की भी जांच कर रही है। कई मामलों में डिजिटल सबूत भी जुटाए जा रहे हैं।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज से

- स्पीकर ने सभी दलों से सदन के संचालन में सहयोग की अपील की

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज 1 अगस्त से शुरू हो रहा है। सत्र को सुचारु और व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने गुरुवार को विधानसभा में सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक शेष पेज 09 पर...

झारखंड को मिली बड़ी सौगात

डांगोपोसी-जारोली रेल लाइन की मंजूरी से खुलेगा औद्योगिक विकास और रोजगार का रास्ता

उदय चंद्र सिंह

रांची। झारखंड के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन साबित हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने झारखंड से जुड़ी एक महत्वपूर्ण रेल परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना के तहत डांगोपोसी से जारोली तक तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी, जिसकी कुल अनुमानित लागत 2,491 करोड़ रुपए है। यह परियोजना झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले को सीधे प्रभावित करेगी और राज्य की औद्योगिक और खनिज आधारित गतिविधियों को नई गति देगी। डांगोपोसी क्षेत्र लौह अयस्क खनन और भारी माल ढुलाई के लिए जाना जाता है, और अब इस नई लाइन के जरिए माल परिवहन अधिक तेज, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल हो सकेगा। डांगोपोसी-जारोली सेक्शन की मौजूदा दोहरी लाइन में अब तीसरी और चौथी लाइन जुड़ने से ट्रैफिक दबाव कम होगा और परिचालन क्षमता में भारी इजाफा होगा। इस परियोजना से मालगाड़ियों के संचालन में सुगमता आएगी, जिससे क्षेत्र के खनिज, कोयला और अन्य उत्पादों की ढुलाई में तेजी आएगी। शेष पेज 09 पर...

इंडिया

सड़कों पर अवैध दुकानें बन रहीं हैं पलायन और रोड रेज का कारण

झारखंड ही नहीं देश की बड़ी समस्या सडकों पर कब्जा कर लगने वाली दुकानें है जो न सिर्फ ट्रैफिक को बाधित करती हैं बल्कि उस जगह की पहचान को भी बिगाड़ती हैं । अक्सर इसे बेरोजगारी से जोड़ा जाता है और जब इन अवैध दुकानदारों को हटाया जाता है तो वे पुनर्वास की मांग करते हैं और रांची में ओवरब्रिज के नीचे गांधी मार्केट, कचहरी रोड में अटल वेंडर के बाद लालपुर और मोराबादी में करोड़ों की लागत से वेंडर मार्केट बनवाए गए पर समस्या का अंत नहीं हुआ क्योंकि सडकों पर दुकान लगाने की प्रवृति पर रोक नहीं लगी । जाम के लिए कुख्यात रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर बनने के बाद जाम से तो मुक्ति मिली पर फिर उसके इर्द गिर्द नए दुकानदारों ने कब्जा करना शुरू कर दिया है जबकि पडोसी ओडिशा में या दक्षिण के अनेक राज्यों सहित देश के अनेक स्वच्छ शहरों में इन्हें शुरू में ही रोक दिया जाता है । विदेशों में जहां आबादी कम है वहां से लेकर भारत के अच्छे शहरों में बहुत ही करीने से सजी दुकानें और सड़कें एक व्यवस्थित शहर या देश के रूप में हमारे ही देशवासियों को आकर्षित करती हैं और वे पढ़ाई या नौकरी के बाद वापस भारत नहीं लौटना चाहते क्योंकि सडकों के किनारे लगीं दुकानें और बेतरतीब भीड़ न सिर्फ समय बर्बाद करतीं हैं बल्कि झुंझलाहट भी पैदा करती हैं जिससे सडकों पर लड़ाई करना या उलझना आम बात है जिससे आज की युवा पीढ़ी बचना चाहती है । राजधानी दिल्ली में हॉर्न बजाने को लेकर मारपीट हो गई और कुछ वर्षों में भारत में 'रोड रेज' की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। केंद्रीय सड़क एंव परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मार्च 2022 में संसद में बताया था कि साल 2019 में देश में 'रोड रेज' और लापरवाही से गाड़ी चलाने के डेढ़ लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे। 2020 में इनकी संख्या बढ़कर 1,83,000 हजार पर पहुंच गई थी। साल 2021 में इन मामलों की संख्या और ज्यादा बढ़कर 2,15,000 हजार हो गई। सड़क पर वाहन चलाते समय कोई गलत मोड़ लेने पर या टक्कर होने पर लोग आक्रामक हो जाते हैं इसके अलावा, दूसरे चालकों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना भी झगड़े की वजह बन जाता है।यातायात नियम तोड़ना, गलत तरीके से ओवरटेकिंग करना, गलत साइड में गाड़ी चलाना, लगातार हॉर्न बजाना भी कई वाहन चालकों को परेशान कर देता है और वे हिंसक हो जाते हैं। इसके अलावा, अगर वाहन चालक किसी और कारण से तनाव में है या नशे की हालत में हैं तो रोड रेज होने की संभावना और भी बढ़ जाती है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

नीति आयोग के संपूर्णता अभियान की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने की कर्मियों की सराहना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला प्रशासन द्वारा नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के अंतर्गत जुलाई से सितंबर 2024 तक हुए कार्यों की समीक्षा हेतु एक बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, वित्तीय समावेशन, कृषि व कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त समीरा एस ने की, जिन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों की रैंकिंग में पलामू की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने बताया कि निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर जिले में योजनाओं को लागू किया गया है, जिसका सीधा लाभ जनता को मिला है। समारोह में विश्रामपुर और हुसैनाबाद विधायक प्रतिनिधि, बीडीओ, जिला पदाधिकारी, डीआरडीए निदेशक, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

किराया वृद्धि पर गरजीं पूर्व महापौर अरुणा शंकर, बोलीं– जाऊंगी उच्च न्यायालय

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम द्वारा दुकानों के किराए में 15 प्रति स्क्वायर फीट तक बढ़ोतरी के संकेत के बाद शहर की राजनीति गर्मा गई है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि मेरे कार्यकाल में कभी किराया नहीं बढ़ाया गया था और न ही आगे बढ़ाने दूंगी। उन्होंने कहा कि मुख्य चौधराना बाजार के दुकानदारों की ओर से पूर्व में माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिसमें कोर्ट ने आदेश दिया था कि नगर विकास विभाग किराएदारों से बातचीत कर उचित किराया तय करे। लेकिन अभी तक उस आदेश का अनुपालन नहीं किया गया है।

अरुणा शंकर ने आरोप लगाया कि निगम द्वारा जिन दुकानों का किराया वसूला जा रहा है, उनका कोई रखरखाव नहीं किया जा रहा। दुकानदार खुद अपनी दुकानों की मरम्मत कराते हैं, जबकि यह जिम्मेदारी निगम की है। उन्होंने कहा कि अगर निगम मनमाने तरीके से किराया बढ़ाने की कोशिश करता है तो वे स्वयं उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाएंगी। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण शहर की सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। दो वर्षों से कोई भी सड़क मरम्मत या नाली सफाई नहीं करवाई गई है। पहले नगर निगम को इन बुनियादी कामों पर ध्यान देना चाहिए, फिर किराया बढ़ाने की सोचना चाहिए। अंत में उन्होंने नगर निगम से आग्रह किया कि वह शहर के व्यापारियों को तंग न करे, अन्यथा वे व्यापारी समुदाय के साथ कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हैं।

सांसद विष्णु दयाल राम ने चियांकी एयरपोर्ट को लेकर उठाई आवाज

- राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण नहीं शुरू हो पा रहीं उड़ानें

नई दिल्ली/मेदिनीनगर। लोकसभा में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने नियम 377 के तहत चियांकी एयरपोर्ट के विस्तार और उड़ान संचालन की माँग उठाई। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट को उड़ान योजना में शामिल किया गया है, लेकिन राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण तकनीकी बिडिंग पूरी नहीं हो पा रही है।

उन्होंने बताया कि अब एयरपोर्ट की

सुरक्षा चाहरदीवारी पूरी हो चुकी है, परंतु राज्य सरकार अन्य ज़रूरी कार्यवाही नहीं कर रही है, जिससे लोगों को हवाई यात्रा की सुविधा नहीं मिल पा रही। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री से इस मामले में शीघ्र हस्तक्षेप की अपील की।

सड़क मरम्मत के दौरान लाइसेंसी पिस्टल लहराई, हथियार जब्त

- मेदिनीनगर में सड़क पर हुआ हंगामा, वीडियो बना सबूत बना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हनुमान नगर रोड नंबर-2 पर सड़क मरम्मत के दौरान उस वक्त हंगामा हो गया जब राजू रंजन सिंह ने अपने पड़ोसी प्रमोद गुप्ता पर लाइसेंसी पिस्टल तान दी। घटना उस समय हुई जब

बारिश के पानी से भरी सड़क की सफाई और मिट्टी भराई का काम हो रहा था।

इस दौरान कहासुनी हुई और गुस्से में आकर राजू रंजन ने पिस्टल निकाल ली। प्रमोद गुप्ता ने इसका वीडियो बना लिया और पुलिस को सौंपा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राजू रंजन सिंह की पिस्टल और 18 गोलियां जब्त कर लीं। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर हथियार लहराना गंभीर अपराध है और इसकी जांच जारी है।

वाहन चेकिंग अभियान में 13 बाइक जब्त, 31,050 का चालान वसूला गया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 31 जुलाई को जिला परिवहन कार्यालय पलामू और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कचहरी चौक पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस अभियान के दौरान 13 दोपहिया वाहनों को जब्त किया गया, जिनमें से अधिकांश चालक हेलमेट नहीं पहन रहे थे या उनके पास लाइसेंस नहीं था। कुछ मामलों में ट्रिपल राइडिंग भी देखी गई।

वाहनों को शहर थाना परिसर में सुरक्षित रूप से रखा गया है। जिला

परिवहन कार्यालय की ओर से जारी चालान में 10 दोपहिया वाहनों पर कुल 19,150 और 6 ई-रिक्शा पर 11,900 का फाइन लगाया गया है। इस प्रकार कुल 31,050 का चालान वसूला गया।

यातायात पुलिस ने बताया कि यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनज़र चलाया गया और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों को राहत तीन महीने की पेंशन एकमुश्त जारी

- मैयां सम्मान योजना के तहत भी 87 करोड़ की राशि का भुगतान शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लंबे इंतजार के बाद जिले के वृद्ध, विधवा और दिव्यांग पेंशनधारियों को जून माह तक की बकाया पेंशन की राशि एकमुश्त जारी कर दी गई है। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है।

मार्च 2024 के बाद से केंद्र सरकार द्वारा आवंटन नहीं मिलने के कारण अप्रैल, मई और जून की राशि अटकी हुई थी। अब फंड मिलने के बाद सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा 87 करोड़ की राशि का वितरण किया जा रहा है।

जिले में राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के अंतर्गत 75,890, विधवा पेंशन योजना में 10,951 और दिव्यांग पेंशन योजना में 1,482 लाभार्थी पंजीकृत हैं।

इसके साथ ही राज्य सरकार की मैयां सम्मान योजना के अंतर्गत 3.48 लाख महिलाओं के खातों में भी जुलाई माह की पेंशन राशि ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय से पेंशन नहीं मिलने के कारण परेशान लाभार्थियों ने अब राहत की सांस ली है। प्रशासन का कहना है कि आगे पेंशन भुगतान नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

जल संकट से मिलेगी राहत, फेज-2 पेयजल योजना रफ्तार पर

- ₹165 करोड़ की योजना से 1.23 लाख लोगों को मिलेगा लाभ, 2027 तक पानी संकट से मुक्ति की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के लोगों को जल्द ही जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है। वर्षों से लंबित पेयजल आपूर्ति योजना फेज-2 अब तेज़ी से प्रगति पर है। एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा 165 करोड़ की लागत से तैयार की जा रही इस योजना के अंतर्गत निगम क्षेत्र के 24,000 से अधिक घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य है। इससे लगभग 1.23 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। योजना का क्रियान्वयन आरके इंजीनियरिंग सर्विसेज द्वारा जुडको के तकनीकी पर्यवेक्षण में किया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र में चार स्थानों पर जलापूर्ति टंकी का निर्माण कार्य चालू है। वहीं हाउसिंग कॉलोनी मैदान में 17 मिलियन लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाला वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है। नगर निगम के पुराने हिस्सों में अब तक जलापूर्ति की स्थिति दयनीय रही है, जबकि 2017 में हुए परिसीमन के बाद जुड़े नए क्षेत्रों में आज तक नियमित जल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। योजना के पूर्ण होने पर इन उपेक्षित इलाकों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी उम्मीदें अब फिर से जागी हैं। कई बार योजना का काम शुरू होकर अधूरा रह गया था, जिससे लोगों का विश्वास टूटने लगा था। परंतु इस बार निर्माण कार्य की गति और सरकार की सक्रियता से संकेत मिलते हैं कि 2027 की शुरुआत तक जल संकट का स्थायी समाधान मिल सकता है।

पति की खोज में दर-दर भटक रही महिला ने डीआईजी से लगाई गुहार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के नवाजयपुर गांव की रहने वाली सोनी देवी ने बुधवार को पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम से मिलकर अपने लापता पति विरेंद्र भुइंया की सकुशल वापसी की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि उनके पति को गाँव के ही एक व्यक्ति वीरेन साव पांच साल पहले यह कहकर केरल ले गया था कि उन्हें टावर में नौकरी दिलवाएगा। लेकिन उसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला। सोनी देवी ने इस बाबत स्थानीय थाना में भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने डीआईजी से रोते हुए कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है और हर दिन वह अपने पति की चिंता में जीवन काट रही हैं। डीआईजी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पलामू एसपी और संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस महिला को जल्द न्याय मिलना चाहिए।

तुलसी और प्रेमचंद की जयंती पर चिंतन के विविध आयामों पर हुआ सारगर्भित विमर्श

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गणेशलाल अग्रवाल महाविद्यालय, मेदिनीनगर में हिंदी विभाग द्वारा कवि तुलसीदास और कथाकार प्रेमचंद की जयंती पर "चिंतन के विविध आयाम" विषय पर एक भव्य साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई. जे. खलखो ने की, जबकि आयोजन की सूत्रधार हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विभा शंकर रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में इतिहास विभाग के डॉ. राघवेंद्र सिंह ने अपने वक्तव्य में गोदान उपन्यास की चर्चा करते हुए हिंदी और अंग्रेज़ी साहित्य की तुलना में प्रेमचंद की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कविता पाठ से अपने विचारों की शुरुआत की और कहा कि "हर परिस्थिति में प्रेमचंद को पढ़ना आवश्यक है।"

प्राचार्य डॉ. आई. जे. खलखो ने प्रेमचंद को सामाजिक यथार्थ का महान लेखक बताया और कहा कि उन्होंने किसानों, दलितों और शोषितों की पीड़ा को अपनी रचनाओं में गहराई से उकेरा। उन्होंने प्रेमचंद को कृषक जीवन की कारुणिक महागाथा रचने वाला सशक्त कथाकार कहा।

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विभा शंकर ने अपने भाषण में कहा कि तुलसीदास और प्रेमचंद दो युगों के प्रतिनिधि रचनाकार हैं। एक ने रामराज्य की कल्पना से आदर्श समाज का निर्माण किया, तो दूसरे ने गोदान और कफन जैसी रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की हकीकत को सामने रखा। उन्होंने कहा कि तुलसीदास की भक्ति चेतना और प्रेमचंद की सामाजिक चेतना दोनों ही भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं।

इस अवसर पर डॉ. अरुना खाखा, डॉ. माधुरी, डॉ. आयना, डॉ. भावना सिंह, डॉ. संजय बाड़ा, डॉ. विकास टोपनो सहित अन्य विभागों के शिक्षकगण उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता दिखाई। छात्र कौशल मिश्रा ने प्रेमचंद के साहित्य को समाज का दर्पण बताया। छात्रा सोनम ने उनकी कहानियों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जबकि छात्रा मोनिका ने प्रेमचंद के साहित्य में निहित स्त्री विमर्श को विश्लेषित किया। छात्र गोविंद मेहता ने तुलसी और प्रेमचंद की प्रासंगिकता पर प्रेरणादायक वक्तव्य दिया। छात्र रंजन यादव ने मुंशी प्रेमचंद के बताए मार्ग का अनुसरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मयूरेश ने किया और धन्यवाद ज्ञापन छात्र रंजन यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में खरीफ कार्यशाला का सफल समापन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला कृषि विभाग, पलामू द्वारा क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र चियांकी स्थित सभागार में जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा देवी मौजूद थीं। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से जल संरक्षण और मृदा संरक्षण को खेती के साथ जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि इन तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी पैदावार और आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं।

पशुपालन और मत्स्य पालन पर भी फोकस : कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं जैसे बकरी पालन, सूकर पालन, जोड़ा बैल योजना आदि की जानकारी दी। साथ ही बरसात के मौसम में मवेशियों में फैलने वाले रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण और पोषण के महत्व पर चर्चा की। वहीं, जिला मत्स्य पदाधिकारी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, बीज उत्पादन और बायोफ्लॉक तकनीक की विस्तृत जानकारी किसानों को दी। उन्होंने बताया कि जिन किसानों के पास जलाशय हैं और जो मत्स्य पालन में रुचि रखते हैं, उनके लिए विभाग एक सप्ताह का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

वैज्ञानिकों और प्रतिनिधियों ने दिए सुझाव : कार्यक्रम में उपस्थित चैनपुर के जिला परिषद सदस्य प्रमोद सिंह ने कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी को ग्राम स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता जताई। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार ने बीज चयन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्पादन का 30% हिस्सा सही बीज के चयन पर निर्भर करता है। उन्होंने बीज उपचार और वैज्ञानिक विधि से खेती करने की सलाह किसानों को दी। कार्यक्रम में जिले के प्रगतिशील किसान, एफपीओ बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव, जिला उद्यान पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, तकनीकी प्रबंधक, और सहायक तकनीकी प्रबंधक सहित सभी संबंधित अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्देश्य खरीफ फसलों की तैयारी को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किसानों के बीच पहुंचाना और उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़कर सतत कृषि विकास को बढ़ावा देना था।

हर 15 दिन पर होगा थाना दिवस, भूमि विवादों का होगा त्वरित समाधान

मेदिनीनगर। पलामू जिला प्रशासन ने भूमि विवादों के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक 15 दिनों पर थाना दिवस आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को पत्र जारी किया है। थाना दिवस में भूमि विवाद, अतिक्रमण और संपत्ति विवाद से संबंधित शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए अंचल और थाना कार्यालय मिलकर कार्य करेंगे।

रजवाडीह स्कूल में तुलसीदास और पंडित रामदीन पाण्डेय की जयंती मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रजवाडीह मध्य विद्यालय में 31 जुलाई को गोस्वामी तुलसीदास और प्रसिद्ध शिक्षाविद पंडित रामदीन पाण्डेय की संयुक्त जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे कारगिल योद्धा और सेना मेडल से सम्मानित अवकाशप्राप्त सुबेदार मेजर गया नंद पाण्डेय। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक हरिवंश प्रभात, सुबेदार सुनील कुमार सिंह और अन्य शिक्षाविद मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत मां सरस्वती और दोनों विभूतियों की तस्वीर पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों को शॉल और पुष्प देकर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ताओं ने तुलसीदास को सनातन धर्म का प्रवर्तक और पंडित रामदीन पाण्डेय को शिक्षा-जागरण का दीपक बताया। कवि हरिवंश प्रभात ने दो प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत कर माहौल को साहित्यिक बना दिया। विद्यालय परिसर में दोनों विभूतियों के नाम से एक-एक पौधा लगाया।

शिक्षक संजय कुमार सिंह को विदाई पर मिला सम्मान, बोले– 'शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता'

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राजकीयकृत सर्वोदय बालिका मध्य विद्यालय, नावाटोली में प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन शिक्षक श्यामलाल उराँव ने किया।

मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी महेंद्र प्रजापति ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते। वे समाज के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत बने रहते हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि संजय कुमार सिंह एक ऐसे शिक्षक रहे जिन पर आँख बंद

कर विश्वास किया जा सकता है। शिक्षक-सह-कवि राकेश कुमार ने कहा कि संजय सिंह ने न केवल शिक्षकों के हक की लड़ाई लड़ी बल्कि ईमानदारी और संघर्ष से अपनी पहचान बनाई। चैनपुर निकासी व्ययन पदाधिकारी सत्येंद्र तिवारी ने भी उन्हें एक ईमानदार और कर्मठ शिक्षक बताया।

संजय कुमार सिंह ने अपने भावुक संबोधन में कहा कि वे जो कुछ भी कर पाए, वह सभी सहयोगियों के समर्थन और विश्वास के कारण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और टीम भावना से काम करने का प्रयास किया और भविष्य में भी सामाजिक कार्यों से जुड़े रहने की इच्छा जताई।

कार्यक्रम में जिले भर के शिक्षकों, पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और उन्हें सम्मानित किया।

एमकेडीएवी स्कूल में तुलसीदास और प्रेमचंद की जयंती मनाई गई, छात्र-छात्राओं ने दी प्रस्तुतियां

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल में 31 जुलाई को गोस्वामी तुलसीदास और कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य आलोक कुमार ने दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण से की।

कक्षा नवम की छात्राओं श्रुति और अनन्या ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तुलसी और प्रेमचंद से जुड़ी जानकारी साझा की। वहीं, प्रथम 'अ' की छात्रा अन्वी तिवारी ने राम स्तुति पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं ने तुलसीदास की रचनात्मकता और प्रेमचंद की सामाजिक चेतना पर भाषण दिए। प्राचार्य आलोक कुमार ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस आज भी हर घर में पूजनीय है और प्रेमचंद की गोदान जैसी कृतियां आज भी सामाजिक यथार्थ की अभिव्यक्ति हैं। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं की छात्राएं आस्मिका और आकृति ने किया। कार्यक्रम संयोजक शिक्षक कन्हैया राय थे। शिक्षकों ने भी दोनों महान साहित्यकारों की शिक्षाओं को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए खुशदिल सिंह हुए सम्मानित

गढ़वा जिला कार्यक्रम में उपायुक्त ने किया सम्मानित, शिक्षा क्षेत्र में मिली पहचान

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान (जुलाई-सितंबर 2024) में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक खुशदिल सिंह को सम्मानित किया गया है। गढ़वा जिला मुख्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान उपायुक्त ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। यह सम्मान शिक्षा में उनके समर्पण और नवाचार के लिए दिया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद खुशदिल सिंह ने कहा, 'यह केवल मेरी नहीं, बल्कि पूरे स्कूल और टीम की मेहनत का फल है। मैं शिक्षा के क्षेत्र में और भी बेहतर काम करने का प्रयास करता रहूंगा।'

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई तुलसीदास जयंती

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को गोस्वामी तुलसीदास जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ की। विद्यालय में सुलेख, चित्रकला, निबंध, और रामचरितमानस पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 3 से 10 तक के छात्रों ने भाग लिया। गुरु-शिष्य संवाद, भ्रातृप्रेम, और राम-शबरी मिलन की संगीतमय झांकियां दर्शकों को भावविभोर कर गईं। वरिष्ठ आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव ने तुलसीदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म श्रावण शुक्ल सप्तमी को हुआ था। कार्यक्रम का समापन 'श्रीरामचंद्र कृपालु भजु मन' आरती और प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

रंगदारी मांगने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

● केतार के रविंद्र पासवान पर कई मामलों में केस दर्ज, नौकरी के नाम पर भी ठगी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

केतार। थाना क्षेत्र के पाचाडुमर गांव निवासी रविंद्र पासवान को रंगदारी मांगने के आरोप में केतार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बुधवार की रात उसे कांडी थाना क्षेत्र के मोखापी मोड़ से पकड़ा गया, जब वह अपने दोस्तों के साथ बाबा धाम देवघर जाने की तैयारी में था। केतार पुलिस ने बताया कि रविंद्र पासवान पर महिला लाभुक से डोभा निर्माण योजना के एवज में रंगदारी मांगने का आरोप है। उसने धमकी दी थी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो योजना रद्द करवा देगा। इसके आधार पर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि रविंद्र के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी शामिल है। केतार थाना सहित अन्य जिलों के थानों में भी इसके खिलाफ केस दर्ज हैं। थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने कहा कि सभी मामलों की जांच की जा रही है और दोष सिद्ध होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दूरदराज के जिलों में भी कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी की है।

बांसडीह में एक माह से अंधेरा, ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया

केतार। प्रखंड के परसोडीह पंचायत अंतर्गत बांसडीह कला गांव के पूर्वी टोला में एक माह से विद्युत ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा है, जिससे 75 घरों में अंधेरा पसरा हुआ है। ग्रामीण अभय कुमार, अमरेश कुमार, अनिल पासवान, सनी कुमार और रामस्वरूप राम ने बताया कि गांव जंगल से सटा है और अंधेरे में जहरीले जीव-जंतु घरों में घुस आते हैं। बिजली नहीं होने से खेती-बाड़ी और बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। मोबाइल चार्जिंग जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए ग्रामीणों को दूसरे टोले में जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफॉर्मर लगाया जाए। इस संबंध में विद्युत विभाग के एसडीओ प्रदीप सिंह ने कहा कि आवेदन मिलने पर ट्रांसफॉर्मर बदला जाएगा।

विधायक पर पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही का हमलाः 'जनता को मिला धोखा, विकास शून्य'

भवनाथपुर। भवनाथपुर स्थित अपने आवास पर गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने वर्तमान विधायक अनंत प्रताप देव पर कड़े शब्दों में निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन विधायक एक भी ठोस विकास योजना धरातल पर नहीं ला सके हैं। शाही ने आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में स्वीकृत सड़कों और योजनाओं को जानबूझकर रोका गया, फिर उन्हीं का दोबारा शिलान्यास कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया गया। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 16 नवंबर 2023 को अरसली उत्तर टोला, कैलान, कोण मंडरा के लिए 12 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण का टेंडर हो चुका था और काम शुरू भी हो गया था, लेकिन झामुमो समर्थित लोगों ने इसे रुकवा दिया और अब फिर से शिलान्यास कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भवनाथपुर-केतार मुख्य सड़क और महुआधाम मार्ग पर भी यही स्थिति है। शाही ने यह भी कहा कि नौडीहा, जोगियाबीर और सगमा की सड़क योजनाएं विधायक के हस्तक्षेप से ठप हैं। पूर्व विधायक ने तंज कसते हुए कहा कि विधायक एक ह्लमुखियाह्व की तरह व्यवहार कर रहे हैं और मनरेगा जैसी योजनाओं में सिर्फ तालाब, मेडबंदी और कुएं की अनुशंसा तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका दरकिनार कर बीडीओ, बीपीओ और कर्मियों पर तीन प्रतिशत कमीशन के लिए दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने क्रशर प्लांट मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दावा किया कि विधायक ने ठेकेदार से चार फॉर्च्यूनर गाड़ियों की डील की है। प्रेस वार्ता में भाजपा नेता संजय यादव, सुनील सिंह, विपिन चौबे, अरुण गुप्ता, ललू ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिक्षक को दी गई सम्मानजनक विदाई, विद्यालय विकास में निभाई अग्रणी भूमिका

खरौंधी। (गढ़वा) उच्च विद्यालय चौरिया में शिक्षक अवधेश प्रसाद चौधरी के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। गोरखनाथ चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि अवधेश चौधरी ने न केवल शिक्षक के रूप में बल्कि विद्यालय सचिव के रूप में भी पांच वर्षों तक योगदान दिया। वे विद्यालय के विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने विद्यालय भवन निर्माण के लिए अपनी जमीन भी दान में दी, जो अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि चौधरी के प्रयासों से विद्यालय ने प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक का सफर तय किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ₹शिक्षा शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा उतना दहाड़ेगा।₹ कार्यक्रम में कई शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं, इसी अवसर पर कन्या मध्य विद्यालय तोरेलावा की शिक्षिका पुष्पा पाठक को भी सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

बालिका मध्य विद्यालय की शिक्षिका को भावभीनी विदाई

खरौंधी। बालिका मध्य विद्यालय तोरेलावा की शिक्षिका पुष्पा देवी गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गईं। उन्होंने 4 जनवरी 2004 को विद्यालय में योगदान दिया था और तब से अब तक विद्यालय में शिक्षण कार्य में अपनी सेवा दी। उनके सम्मान में विद्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी विष्णु प्रसाद यादव, सरयू पाठक, राजीव पासवान, रूपेश पासवान, सचिदानंद पाठक, मनोज पाठक, राजीव कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। विदाई कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नीरज कुमार दुबे ने किया और अध्यक्षता रामबदन बेनेदर ने की। सभी वक्ताओं ने पुष्पा देवी के कार्यकाल की सराहना की और उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में शिक्षकों और छात्रों ने मिलकर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

छात्रों से प्रमाणपत्र देने के बदले वसूले गए पैसे का वीडियो वायरल

छाताकुड़ के 10+2 उच्च विद्यालय में घूसखोरी का आरोप, बीईईओ ने कहा- जांच के बाद होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। प्रखंड के 10+2 उच्च विद्यालय छाताकुड़ में छात्रों से मूल प्रमाणपत्र के बदले पैसे वसूलने का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। परती गांव के छात्रों अमित सिंह और फुल्टुस चेरो ने आरोप लगाया है कि सहायक शिक्षक अनुज कुमार ने उनसे दसवीं कक्षा का मूल प्रमाणपत्र देने के लिए 200 रुपये की मांग की। उन्होंने कथित रूप से पैसे देने के बाद ही प्रमाणपत्र प्राप्त किया। वायरल वीडियो में छात्रों द्वारा पैसे दिए जाने की पुष्टि होती है। जब इस संबंध में अनुज कुमार से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह पैसे पंजीकरण शुल्क के बकाया के रूप में लिए गए। वहीं, प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव कुमार ने कहा कि वे उस समय विद्यालय में उपस्थित नहीं थे और उन्होंने केवल प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया था। बीईईओ कानन कुमार पात्रा ने कहा, ₹यह सरकारी आचार संहिता 1969 का उल्लंघन है। मामले की गहराई से जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।₹ यह मामला छात्रों के अधिकारों का हनन दशार्ता है और शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

सेवानिवृत्त शिक्षक दुर्गेश कुमार दुबे को विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

कांडी। जमा दो उच्च विद्यालय, कांडी में गुरुवार को एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार की ओर से सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक दुर्गेश कुमार दुबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कांडी थाना के एएसआई मनोज कुमार उपस्थित थे। सेवानिवृत्त शिक्षक को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय के प्रधानाध्यापक निरंजन साहू, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। अपने संबोधन में दुर्गेश कुमार दुबे भावुक होते हुए बोले कि 14 मार्च २००२ को मैंने इस विद्यालय में सेवा प्रारंभ की थी। इस दौरान मैंने विद्यार्थियों के शैक्षिक और नैतिक विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया। छात्रों से मेरा संबंध सदैव पुत्रवत रहा। प्रधानाध्यापक निरंजन साहू ने अपने वक्तव्य में कहा कि दुबे एक निष्ठावान और समर्पित शिक्षक रहे हैं। इस भावुक अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विदाई गीत ने समूचे वातावरण को भावनाओं से भर दिया। पूरा विद्यालय परिसर एक आत्मीय और श्रद्धासुमन भरे दृश्य में डूब गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक मुरलीधर सिंह, महेंद्र मिस्त्री, वरिष्ठ शिक्षक रामप्रसाद पाठक, मुकेश कुमार चतुर्वेदी, सूरजकांत, सत्येंद्र कुमार मेहता, उमेश कुमार प्रसाद, उपेंद्र राम, बृजेंद्र बहादुर सिंह, नरेंद्र कुमार मिश्रा, राजेंद्र मौर्य सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस ने पकड़ा अवैध बालू लदे ट्रैक्टर, चालक मौके से फरार

▶ शरदा गांव में कार्रवाई, खनन विभाग को भेजा गया मामला

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। पुलिस ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जब ट्रैक्टर शरदा गांव की ओर कनहर नदी से बालू लेकर आ रहा था। थाना प्रभारी जनार्दन रावत ने बताया कि पुलिस दल द्वारा पीछा किए जाने पर ट्रैक्टर चालक वाहन को जंगल की ओर ले भागा। जब पुलिस का दबाव बढ़ा तो वह ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त किए गए ट्रैक्टर को थाना लाया गया है और मामले की सूचना जिला खनन विभाग को भेज दी गई है। विभागीय कार्रवाई के बाद आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज की गतिविधियों पर विधायक ने उठाए सवाल

पर्यावरणीय खतरे, सीएसआर में पारदर्शिता की कमी व आपदा प्रबंधन को लेकर उपायुक्त से कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने जिले में संचालित ग्रासिम इंडस्ट्रीज की औद्योगिक गतिविधियों को लेकर पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारियों के मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर कंपनी की गतिविधियों की स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने आरोप लगाया कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के नाम पर केवल प्रचार किया जा रहा है, जबकि क्षेत्र में इसका कोई ठोस लाभ नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि अब तक कोई सामाजिक ऑडिट या पारदर्शी रिपोर्टिंग नहीं की गई है। कंपनी के आसपास 5 किलोमीटर के क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर रसायनिक उत्सर्जन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और मानव एवं पशु जीवन दोनों खतरे में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्लोरीन और हाइड्रोक्लोरिक एसिड जैसे खतरनाक रसायनों के सुरक्षित भंडारण और निपटान की प्रक्रिया सार्वजनिक नहीं की गई है, न ही किसी प्रकार का ऑन-साइट या ऑफ-साइट डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। विधायक ने प्रशासन से मांग की है कि कंपनी द्वारा उपयोग किए जा रहे रसायनों की सूची सार्वजनिक की जाए। उरफमद की वार्षिक खर्च रिपोर्ट प्रखंड स्तर पर साझा की जाए।पर्यावरणीय प्रभावों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। स्थायी निगरानी समिति का गठन कर कंपनी की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कंपनी ने अपनी सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ा, तो यह क्षेत्र भविष्य में एक गंभीर औद्योगिक संकट की ओर बढ़ सकता है। विधायक ने यह भी कहा कि जनता अब जागरूक है और सिर्फ विज्ञापनों से जिम्मेदारी नहीं टाली जा सकती।

झारखण्ड सरकार
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

77वीं औपबंधिक सूची जिलाः–पलामू

क्र0	आवेदनकर्ता का विवरण	काण्ड/वाद संख्या	झारखण्ड आन्दोलन के सेनानी पुस्तक में नाम अंकित है अथवा नही	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
1.	1. आवेदन क्रमांक–431/25 2. आवेदक–सुरेन्द्र कुमार 3. पिता–स्व0 गुप्तेश्वर साव 4. ग्राम–कसियाडीह पोस्ट–कसियाडीह 5. थाना–सतबरवा प्रखण्ड–सतबरवा 6. लिंग–पुरूष आयु–53 वर्ष 7. पहचान चिह्न–अंकित नहीं	मनिका थाना काण्ड सं0–42/92 जी0आर0 सं0–618/92	पृ0–70 क्र0–03(06)	कारण :– दिनांक 17.12.1992 को आजसू कार्यकर्त्ताओं द्वारा नाजायज मजमा लगाकर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप।	2(ix)
2.	1. आवेदन क्रमांक–431/25 2. आवेदक–नवल किशोर प्रसाद 3. पिता–कृष्णा प्रसाद साहू 4. ग्राम–चक पोस्ट–चक 5. थाना–मनातु प्रखण्ड–मनातु 6. लिंग–पुरूष आयु–49 वर्ष 7. पहचान चिह्न–अंकित नहीं	मनिका थाना काण्ड सं0–42/92 जी0आर0 सं0–618/92	पृ0–70 क्र0–03(04)	कारण :– दिनांक 17.12.1992 को आजसू कार्यकर्त्ताओं द्वारा नाजायज मजमा लगाकर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप।	2(ix)
3.	1. आवेदन क्रमांक–433/25 2. आवेदक–मनीष कुमार (आश्रित पुत्र) 3. पिता–स्व0 शिवकुमार साहु (आंदोलनकारी) 4. ग्राम–कमारू पोस्ट–बकोरिया 5. थाना–सतबरवा प्रखण्ड–सतबरवा 6. लिंग–पुरूष आयु–24 वर्ष 7. पहचान चिह्न–दाहिने हाथ के अंगूली में तिल का निशान।	मनिका थाना काण्ड सं0–42/92 जी0आर0 सं0–618/92	नहीं	कारण :– दिनांक 17.12.1992 को आजसू कार्यकर्त्ताओं द्वारा नाजायज मजमा लगाकर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप।	2(ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।
2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुष्टिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आशय का शपथ पत्र अवश्य रूप से उपलब्ध करावें।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 358622 (Home)25-26*D

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
कार्यालय - भूमि संरक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
E-Mail ID- scogarhwa@gmail.com

कृषको, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य को अनुदानित दर पर पम्प सेट एवं छोटे कृषि उपकरण बैंक वितरण की योजना

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग), झारखण्ड, रॉची, राज्यादेश सं0 35 दिनांक 23.07.2025 के आलोक में गढ़वा जिले के कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य के लिए अनुदानित दर पर पम्पसेट एवं पाईप तथा छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना की योजना।

पम्पसेट एवं पाईप वितरण की योजना

मनरेगा अंतर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित छोटे और सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूह तथा साथ ही साथ भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा गत वित्तीय वर्षो में तालाब जीर्णोद्वार योजना एवं जलनिधि योजना के तहत् निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वित पानी पंचायत के सदस्यों एवं अन्य जल श्रोत से लाभान्वित कृषकों को भी उक्त योजना के तहत् पम्पसेट (1.5–3.0 H.P.तथा 3.5–5.0 H.P.) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm) तथा 1.0 एच0पी0 सोलर पम्प सेट (Troly Mounted Movable Type) उपलब्ध कराया जायेगा।

क0	पम्पसेट के प्रकार	लक्ष्य	90% अनुदान
1	पम्पसेट 1.5–3.0 H.P. एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)	144	अधिकतम रू0 20,000.00 (बीस हजार रूपये मात्र)
2	पम्पसेट 3.5–5.0 H.P.) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)	19	अधिकतम रू0 30,000.00 (तिस हजार रूपये मात्र)
3	1.0 एच0पी0 सोलर पम्पसेट (Troly Mounted Movable Type)	11	अधिकतम रू0 90,000.00 (नब्बे हजार रूपये मात्र)

जिन कृषकों को पूर्व में कृषि विभाग (निदेशक समेती/भूमि संरक्षण निदेशालय/कृषि निदेशालय/उद्यान निदेशालय) द्वारा सिंचाई पम्प का लाभ प्राप्त कराया जा चूका है उनकी पात्रता इस योजना के लिए मान्य नही होगी। मनरेगा अन्तर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के कार्यालय में अपना नाम सूचीबद्व करायेगें।

छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना

1	मिनी ट्रैक्टर/रीपर उनके सहायक कृषि यंत्र एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र	OSP-06	80प्रतिशत या अधिकतम 500000.00 रूपया
2	पावर टीलर/ रीपर उनके सहायक कृषि यंत्र एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्र	OSP-12	80प्रतिशत या अधिकतम 160000.00 रूपया

छोटे कृषि उपकरण बैंक हेतु लाभुक की पात्रताः–

1. झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी, जिला–गढ़वा द्वारा गठित महिला स्वंय सहायता समूह/महिला सखी मंडल/कृषक समूह जिनमें कम–से–कम 10 से 12 सदस्य होना अनिवार्य है।
2. छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना में वैसे महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल एवं कृषक समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी, जिनके सदस्यों में से कम–से–कम एक सदस्य के पास ट्रैक्टर/वाहन (LMV) चालन का वैध लाइसेंस होगा एवं समूह के पास खेती योग्य 10 एकड़ से अधिक भूमि होगी।
3. महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स के द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना एवं व्यक्तिगत कृषकों द्वारा कृषि उपकरणों के क्रय हेतु कुल वास्तविक लागत का 20 प्रति त अं दान की रा ि समूह/कृषक द्वारा बैंक खाते में जमा होने का साक्ष्य आवेदन के साथ देंगे। चयन उपरांत समूह को कृषि यंत्र के क्रय हेतु यंत्रों का पैकेज उपलब्ध कराना होगा।
4. इस योजनान्तर्गत कुल वित्तीय लक्ष्य का न्यूनतम 50 प्रति त महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल क्षेत्र के माननीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत किया जायेगा।
5. जिन महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स को पूर्व में कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना या अन्य किसी योजना (केन्द्र प्रायोजित योजना या राज्य योजना) के माध्यम से उपर्युक्त वर्णित कृषि यंत्रों में से जो कृषि यंत्र पूर्व में प्राप्त किया गया होगा, उन यंत्रों को छोड़कर ही अन्य कृषि यंत्रों के लिए पात्रता होगी।
6. समूहों का पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन पत्र एवं सभी अनुलग्नक सहित जिला प्रोग्राम मैनेजर, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, गढ़वा के माध्यम से कार्यालय को उपलब्ध कराया जा सकता है। जिला चयन समिति द्वारा सुयोग्य समूह/कृषकों का भौतिक लक्ष्य के विरूद्ध चयन किया जायेगा।
7. देय अनुदान की राशि का हस्तांतरण RTGS/NEFT के माध्यम से नियमानुसार समूह/कृषक के बैंक खाते में किया जायेगा। कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 5.00 लाख रूपये अनुदान एवं व्यक्तिगत कृषक को कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 1.60 लाख रूपये अनुदान देय है। अनुदान उपरांत अवशेष राशि समूह/कृषक अंशदान के रूप में देय होगा।
8. आवेदन पत्र भूमि संरक्षण कार्यालय गढ़वा के माध्यम से निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

1. पम्प सेट एवं पाईप वितरण हेतु लाभुक की पात्रताः–

(1) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु/सीमान्त कृषक/महिला समूह का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।
(2) आवेदन पत्र पर त्रिस्तरीय पंचायती राज के प्रतिनिधि का अनुशंसा अनिवार्य होगा।
(3) अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार्य नही होगा।
(4) पूर्णरूपेण भरे हुए आवेदन पत्र संवंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12.08.2025 को संध्या 5.00 बजे तक स्वीकार किये जायेंगें एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के कार्यालय से जॉच के फलस्वरूप दिनांक 14.08.2025 तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा किया जायेगा।
(5) आवेदन पत्र इस कार्यालय एवं संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकेंगे। आवेदन पत्र भूमि संरक्षण निदेशालय के वेवसाईट-www.jharkjandsoil.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

विशेष जानकारी के लिए अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पताः– भूमि संरक्षण कार्यालय गढ़वा संयुक्त कृषि भवन गढ़वा

ह0/
भूमि संरक्षण पदाधिकारी, गढ़वा।

PR.NO.358664 Agriculture(25-26):d

केंद्रीय टीम ने किया केंद्र प्रायोजित योजनाओं का निरीक्षण

● ढोढी गांव में प्रधानमंत्री आवास और मनरेगा योजनाओं की भौतिक जांच, लाभुकों से की सीधी बातचीत

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। केंद्रीय एनएलएम टीम के टी.एस. कृष्णन जे और आरज़ू खान ने मयूरहंड प्रखंड में चल रही केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा के लिए निरीक्षण किया। तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन गुरुवार को टीम ने करमा पंचायत के ढोढी गांव पहुंचकर योजनाओं की जमीनी हकीकत का आकलन किया। टीम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों से मुलाकात की और आवास की स्वीकृति से लेकर निर्माण पूर्ण होने तक की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी ली। लाभुकों से किस्त की समयबद्धता, गुणवत्ता और सहयोग को लेकर सवाल किए गए। इसके अलावा टीम ने मनरेगा के तहत चल रही योजनाओं का भी गहन निरीक्षण किया और हितग्राहियों से प्रतिक्रिया और समस्याएं जानीं। निरीक्षण के दौरान टीम ने 5 पीएम आवास और 5 मनरेगा योजनाओं का भौतिक सत्यापन भी किया। मौके पर बीडीओ मनीष कुमार, बीपीओ अजय कुमार सिन्हा, बीडीएम प्रमोद कुमार, मुखिया रामनाथ यादव और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर लातेहार में तैयारियां तेज

मुख्य समारोह जिला खेल स्टेडियम में डीसी ने अधिकारियों को सौंपे जिम्मे

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन के लिए गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में अहम बैठक आयोजित की गई। डीसी ने स्पष्ट किया कि मुख्य समारोह जिला खेल स्टेडियम में होगा, जहां सुबह 9:05 बजे ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सलामी परेड, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में साफ-सफाई, रंग-रोगन, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, लाउडस्पीकर, अग्निशमन, सुरक्षा, और स्वतंत्रता सेनानियों के आमंत्रण की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई।

नगर पंचायत को शहर के चौक-चौराहों और मूर्तियों की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, डीडीसी सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण गगराई, अनुमंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रखंड विकास पदाधिकारी, और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

लेयर व ब्रायलर कुक्कट चूजों का किया गया वितरण

बारियातू (लातेहार)। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत गुरुवार को पशु चिकित्सालय परिसर में तीन लाभुकों के बीच चार सौ लेयर और पांच-पांच सौ ब्रायलर कुक्कट चूजा वितरित किए गए। जिप सदस्य रमेश राम और प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुशीला बागे ने लाभुकों को चूजे और दवाएं, चारा, सुरक्षा जाली भी उपलब्ध कराए। डॉ. बागे ने बताया कि योजना के तहत 75 से 90 प्रतिशत अनुदान पर यह वितरण किया गया है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

चंदवा में चोरी के एक टन लोहा के साथ तीन गिरफ्तार

चंदवा (लातेहार)। एस्सार पावर प्लांट से चोरी किए गए लगभग एक टन लोहा स्क्रैप के साथ पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हैं – मंदीप उरांव, फूलचंद उरांव (अर्धे) और आशीष उरांव (तुपी)। इनकी निशानदेही पर चोरी का माल बरामद किया गया। थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर यह छापामारी अभियान चलाया गया। चंदवा थाना कांड संख्या 176/25 के तहत मामला दर्ज कर तीनों को मंडल कारा भेजा गया है। प्लांट में चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा और सख्ती बढ़ाई जा रही है। बिलकुल, नीचे शेष समाचारों को हेडिंग, सब हेडिंग, फोटो नंबर और विस्तार से पुनर्लेखन के साथ प्रस्तुत किया गया है।

बालूमाथ में विजय यादव को विधायक का प्रखंड प्रतिनिधि मनोनीत किया गया

बालूमाथ (लातेहार)। विधायक प्रकाश राम ने बालूमाथ प्रखंड के केरी, मुरपा गांव निवासी विजय यादव को ग्रामीण विकास विभाग के लिए अपना प्रखंड प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में विधायक ने लातेहार उपायुक्त को पत्र भेजकर जानकारी दी है। पत्र के अनुसार, विधायक की अनुपस्थिति में विजय यादव प्रखंड स्तर की बैठकों में भाग लेंगे और सूचनाओं के आदान-प्रदान का काम करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए विश्वास जताया है कि विजय यादव प्रभारी विधायक की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

4 अगस्त को रांची में विधानसभा घेराव को तैयार लातेहार के 1000 सहायक अध्यापक

● सरकार से वादा पूरा करवाने की चेतावनी, जिला अध्यक्ष अतुल सिंह बोले - आर-पार की लड़ाई होगी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापकों) को वेतनमान देने की मांग को लेकर लातेहार जिले के लगभग 1000 सहायक अध्यापक आगामी 4 अगस्त को रांची विधानसभा घेराव के लिए तैयार हैं। इस संबंध में जिलाध्यक्ष अतुल सिंह और महासचिव अनूप कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि सभी प्रखंडों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। जूम मीटिंग और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सभी शिक्षकों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे कर लिए, लेकिन अभी तक पारा शिक्षकों को वेतनमान देने का वादा पूरा नहीं किया गया है। पूर्व शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम के साथ लिखित समझौते की भी अब तक अवहेलना की गई है। बैठक में आए अन्य प्रमुख शिक्षकों में नंदकिशोर यादव, विनोद राम, प्रमोद प्रसाद, शिशुपाल सिंह, प्रार्थना सोनी, सुनैना देवी, मानो कुजूर, और अन्य शिक्षकों ने भी एक स्वर में कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार को अपने वादे निभाने पर मजबूर किया जाए।

कुटमू से कांवरियों का जत्था बाबाधाम के लिए हुआ रवाना

कुटमू (लातेहार)। बुधवार को शिवमंदिर कुटमू से 24 श्रद्धालुओं का कांवरिया जत्था बाबाधाम, देवघर के लिए रवाना हुआ। संजय सिंह, जयगोविंद विश्वकर्मा, योगेंद्र मिस्त्री, टुनू मिस्त्री, तेजू मिस्त्री सहित अन्य श्रद्धालु रवाना होने से पूर्व मंदिर में माथा टेककर भोलेनाथ से सुखद यात्रा और मंगलकामनाओं की प्रार्थना की। पुजारी बिट्टू पाठक ने सभी श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर विदाई दी। जत्थे के सभी शिवभक्तों ने कहा कि वे बाबाधाम में जलार्पण कर क्षेत्र की सुख-शांति और खुशहाली के लिए भगवान शिव से कामना करेंगे।

"शिक्षा ही जीवन का मूल मंत्र है": विधायक प्रतिनिधि इरशाद की बच्चों को सीख

चंदवा (लातेहार)। विधायक प्रतिनिधि इरशाद मुन्ना गुरुवार को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय परसाही पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों से सीधे संवाद किया और उन्हें शिक्षा का महत्व बताया।उन्होंने कहा, ‶शिक्षा एक ऐसा धन है, जो जितना बांटोगे, उतना ही बढ़ेगा। बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत और समर्पण से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इरशाद मुन्ना ने बच्चों से सवाल-जवाब भी किए और उन्हें कठिनाइयों से न डरने और लगातार प्रयास करते रहने की सलाह दी। मौके पर विद्यालय के शिक्षकगण और सभी छात्र मौजूद थे।

दो गुटों में मतभेद, चुनाव की पारदर्शिता पर उठे सवाल

कुंदा (चतरा)। प्रसिद्ध महादेव मठ के कमिटी गठन को लेकर शुक्रवार को आयोजित बैठक में असहमति की स्थिति बन गई। दो गुटों के बीच मतभेद के कारण विवाद गहराता नजर आया। एक गुट ने मनोज साहू को कमिटी का अध्यक्ष घोषित किया, जबकि दूसरे गुट ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए इसका विरोध किया। अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा ने कहा कि चुनाव ग्रामीणों की आपसी सहमति से हुआ है। लेकिन दूसरे गुट ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवेदन देकर नए सिरे से नियम संगत चुनाव कराने की मांग की है।

चपल हाथ में, पैंट उठाकर चलने को विवश ग्रामीण

● 50 वर्षों से पक्की सड़क का इंतजार, बरसात में हालात बदतर

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। पंदनी पंचायत अंतर्गत मायापुर और अंबातरी के ग्रामीण आज भी कच्ची सड़कों की वजह से भारी परेशानी झेल रहे हैं। बरसात के दिनों में हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि ग्रामीणों को चप्पल हाथ में और पैंट ऊपर उठाकर करीब 1.1 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। गूंजराशि भुईया, उमेश भुईया, मालेश्वर सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि 50 वर्षों से कई बार अर्जी देने के बावजूद अब तक इस सड़क का पक्कीकरण नहीं हुआ है। मुखिया अजय कुमार भुईया ने भी कहा कि विभाग को कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। हालात यह हैं कि प्रसूता और बुजुर्ग मरीजों को खटोलि में अस्पताल ले जाना पड़ता है।

डीएवी लातेहार के खिलाड़ियों ने जीते 10 पदक, रचा इतिहास

● खेलगांव रांची और गढ़वा में हुआ आयोजन, कबड्डी, एथलेटिक्स और एरोबिक्स में शानदार प्रदर्शन

लातेहार। डीएवी पब्लिक स्कूल, लातेहार के छात्रों ने डीएवी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025 में 10 पदक जीतकर जिले और विद्यालय का नाम रोशन किया।

खेलगांव, रांची में आयोजित कबड्डी, एथलेटिक्स और एरोबिक्स प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अनुशासन और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

श्रेयांश (U-14): जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक

विवेक (U-17): शॉटपुट में कांस्य, जेवलिन में रजत

वीर प्रताप (U-14): लंबी कूद में कांस्य

आयुष यादव (U-17): डिस्कस थ्रो और 1500 मी. दौड़ में रजत

चंचल (U-14): 1500 मी. दौड़ में रजत

कृतिका (U-14): लंबी कूद में कांस्य

टीम ने कबड्डी में बालक U-14 और बालिका U-17 में उपविजेता स्थान हासिल किया, जबकि एरोबिक्स (U-14 लड़कियां) में तृतीय स्थान पाया। प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए आगे भी उत्कृष्टता की उम्मीद जताई।

बरवाडीह बनेगा पर्यटन हब, पर्यटन मंत्री ने दी योजनाओं को गति देने की बात

● पलामू टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की बैठक में विधायक ने उठाया युवाओं के रोजगार का मुद्दा

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। पलामू टाइगर रिजर्व फाउंडेशन ट्रस्ट शासी निकाय की महत्वपूर्ण बैठक बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत बेतला में पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मनिका विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह और जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी भी शामिल रहीं।जी

बैठक में पर्यटन स्थलों के विकास, वन्यजीव संरक्षण और क्षेत्र में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। विधायक रामचंद्र सिंह ने पर्यटन विकास के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को वन विभाग के माध्यम से रोजगार देने की पुरजोर मांग की। उन्होंने मंडल डैम, प्राचीन पहाड़ी मंदिर, गर्म झरना और लाभर शिव मंदिर जैसे स्थानों को पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए विशेष योजना बनाए जाने का सुझाव रखा।

विधायक ने कहा कि झारखंड के कई ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थल आज भी उपेक्षित हैं। यदि इन्हें पर्यटन से जोड़ा जाए, तो रोजगार और क्षेत्रीय पहचान दोनों को बल मिलेगा। पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने आश्वासन देते हुए कहा कि बरवाडीह को पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पलामू टाइगर रिजर्व और आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक पर्यटन स्थल बनाया जाएगा, जहां पर्यटकों को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इस बैठक से पर्यटन विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

हरिहरपुर की टीम ने जीती बीएफसी फुटबॉल प्रतियोगिता, समापन समारोह में झूमे दर्शक

● नागपुरी गायकों के गीतों पर झूमे लोग, खेल और संस्कृति का बना यादगार संगम

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा (लातेहार)। बीएफसी बोदा के तत्वावधान में बोदा पंचायत सचिवालय के समीप खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का रंगारंग समापन गुरुवार को हुआ। टूर्नामेंट का शुभारंभ राष्ट्रगान से किया गया, जिसके बाद मुख्य अतिथियों ने फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का उद्घाटन किया। फाइनल मुकाबला जूनियर स्टार हरिहरपुर और बीएनटी बाघा के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में हरिहरपुर की टीम ने बीएनटी बाघा को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समापन अवसर को यादगार बनाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। नागपुरी कलाकारों—बसीर अंसारी, विमला देवी, पूजा मुंडा, सरस्वती बुनकर और मास्टर धनेश—ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम का जमकर आनंद उठाया।

इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, बोदा मुखिया ललिता देवी, पंसस शुशीला टोपनो, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेश गंझू, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव, जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नौशाद अंसारी, समाजसेवी सौरभ श्रीवास्तव, हिमांशु सिंह, प्रशांत सिंह, इरशाद मुन्ना, मो. इज़हार, राजेंद्र भगत, सुरेश उरांव, सनोज उरांव, धन्नू खान, शेराज अंसारी, महबूब अंसारी, मो. सरफराज, आयोजन समिति के बबलू राही, समीर अंसारी, शाहिद अंसारी समेत सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0:-14/2025-26

ई-प्रोक्योरमेन्ट नोटिस, पुनःनिविदा (2nd Call)

ई-टेन्डर रेफरेन्स नं0-14/2025-26/EE/BCD/GARHWA   दिनांक-31.07.2025

1. कार्य का विस्तृत विवरणी

क्र0सं0	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राशि
1	*Proposed Construction of MPC (Multi Purpose Centre) Building at Village-Mirchaya Block Dhurki Under Garhwa Distt. for the Year 2025-26.*	₹ 59,97,200.00

2. कार्य पूर्ण की अवधि :- 06 (छः) माह
3. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :- 06.08.2025 11:00 बजे
4. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय :- 13.08.2025 11:00 बजे
5. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
6. निविदा खोलने की तिथि / समय एवं स्थान :- 14.08.2025 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन अचंल सं0-02,राँची।
7. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :- 9955921643
8. ई-प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :- 8210456132
9. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक- 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा

PR 358669 Building(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
न्यायालय :- समाहर्त्ता-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल।

-: न्यायालय सूचना :-

गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल प्रशासनिक क्षेत्राधीन गढ़वा, नगर एवं भवनाथपुर वन प्रक्षेत्र अंतर्गत वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले निम्नलिखित व्यक्तियों (अतिक्रमणकारियों) को सूचित किया जाता है कि वन भूमि अतिक्रमण करने के आरोप में आपलोगों के विरूद्ध बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 के तहत् अतिक्रमण वाद की कार्रवाई अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में चल रही है, जिसके सुनवाई के दौरान आपलोगों को अपना पक्ष रखने हेतु पर्याप्त अवसर दिया जा चुका है। सुनवाई की अंतिम तिथि-29.08.2025 को निर्धारित किया जाता है। इस अंतिम मौके पर अगर आपलोगों द्वारा उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखा जाता है तो आपलोगों के विरूद्ध समाहर्त्ता-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल द्वारा एकतरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा, जिसके लिए आपलोग स्वयं जिम्मेवार होंगे। अतिक्रमणकारियों के नाम एवं वाद से संबंधित विवरणी निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	अतिक्रमण वाद संख्या	अतिक्रमणकारियों का नाम एवं पता	सुरक्षित वन का नाम जहाँ अतिक्रमण किया गया है	थाना	प्लॉट नं0
1	2	3	4	5	6
1.	03/2024	1. खुशिहाल यादव, पिता-स्व0 बिरझन यादव, 2. चरकु यादव, पिता-स्व0 बिरझन यादव, 3. बनारसी यादव, पिता-रामजतन यादव, 4. संतोष यादव, पिता-बनारसी यादव, सभी का ग्राम-परासपानी खुर्द, थाना-धुरकी, जिला-गढ़वा।	परासपानी खुर्द	धुरकी	74
2.	04/2024	1. मंदीप राम, पिता-स्व0 रामदेव राम, 2. सरयु राम, पिता-स्व0 रामदेव राम, दोनों का ग्राम-कुम्बाखुर्द, थाना-नगर उँटारी, जिला-गढ़वा।	कुम्बाखुर्द	नगर उँटारी	305
3.	05/2024	राजेश्वर भुईयाँ, पिता-झरी भुईयाँ, ग्राम-अरसली दक्षिणी, टोला-सिकीया लेवा, थाना-भवनाथपुर, जिला-गढ़वा।	अरसली	भवनाथपुर	2042
4.	06/2024	सुरेन्द्र राम, पिता-हृदय राम, ग्राम-खाला, थाना-धुरकी, जिला-गढ़वा।	खाला	धुरकी	10
5.	10/2024	सुरेन्द्र राम, पिता-त्रिवेणी राम, ग्राम- बाँसडीह कलां, थाना-केतार, जिला-गढ़वा।	बाँसडीह कलां	केतार	509
6.	11/2024	उमेश राम, पिता-परीखा राम, ग्राम-चन्दनी, थाना-खरौंधी, जिला-गढ़वा।	चन्दनी	खरौंधी	984
7.	13/2024	1. टुनटुन सिंह, पिता-कैलाश सिंह, 2. जय राम, पिता-स्व0 बिफन राम, दोनों का ग्राम-मकरी, थाना-भवनाथपुर, जिला-गढ़वा।	मकरी	भवनाथपुर	214 एवं 1416
8.	14/2024	लखन भुईयाँ, पिता-जटु भुईयाँ, ग्राम-सरहिया, थाना-खरौंधी, जिला-गढ़वा।	सरहिया	खरौंधी	721
9.	19/2024	सुनील रजवार, पिता-रामचन्द्र रजवार, ग्राम-बलीगढ़, थाना-मझिआँव, जिला-गढ़वा।	बलीगढ़	मझिआँव	188 एवं 190
10.	20/2024	गुलाबचंद चेरो, पिता-स्व0 समझावन चेरो, ग्राम-चन्दना, थाना-खरौंधी, जिला-गढ़वा।	चन्दना	खरौंधी	381

ग्राम के अन्य लोगों से अपील है कि अतिक्रमणकारियों से वन भूमि को मुक्त कराने में वन विभाग को सहयोग करें, ताकि वन भूमि से आपको मिलने वाले अधिकारों में कटौती न हो सके।

समाहर्त्ता
-सह- वन प्रमण्डल पदाधिकारी
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल।

PR 358671 Forest, Environment and Climate Changes(25-26)D

न्यूज बॉक्स

33 कार्टून में छिपाकर लाई जा रही 779 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब जब्त, एक गिरफ्तार

कुडू। कुडू-चंदवा मुख्य पथ पर ग्राम टीको स्थित रवि साहू के ईंट भट्ठे के समीप अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक ब्लू रंग के पियागो मालवाहक टेम्पो को ईंट भट्ठे के समीप रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान अवैध रूप से ढोई जा रही खेप से कुल 33 कार्टन में भरी 750 मिलीलीटर की '3 कोइंस व्हिस्की' की 779 बोतलें बरामद की गईं। मौके पर ही शराब जब्त कर ली गई साथ ही कुडू के बरहनिया मुहल्ला निवासी प्रदीप महली उर्फ बबलू, पिता रामू महली को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये शराब कहां से लाई जा रही थी और इसका नेटवर्क किन-किन क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

भैसमुंदो टंगरा टोली के ग्रामीण वर्षों से पीने के पानी को तरस रहे, उपायुक्त से लगाई गुहार

भंडरा। प्रखंड अंतर्गत उदरंगी पंचायत के भैसमुंदो टंगरा टोली गांव के ग्रामीण वर्षों से शुद्ध पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्र में बसे इस गांव में आज तक कोई स्थायी जलस्त्रोत उपलब्ध नहीं हो सका है। बोरिंग की कई कोशिशें भी विफल रही हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों ने स्थानीय मुखिया परमेश्वर महली के नेतृत्व में उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और स्थायी समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया कि गांव में आदिवासी, पिछड़ा और सामान्य जाति के लगभग 40 परिवार रहते हैं, जो सालों से कुएं और नदी के दूषित जल से अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब दूषित पानी पीने से ग्रामीणों में संक्रमण और जलजनित बीमारियां फैलती हैं। मुखिया परमेश्वर महली ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक टंगरा टोली में पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई है। कई बार बोरिंग कराए गए लेकिन सभी असफल रहे। उन्होंने नदी में कुआं खोदकर जल-नल योजना के माध्यम से गांव में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्राम प्रधान धरती प्रधान, बालकृष्ण सिंह, दीपक, संगीता, राजेंद्र सहित दर्जनों ग्रामीण उपायुक्त कार्यालय पहुंचे थे। उपायुक्त ने ग्रामीणों को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

ग्राम प्रधान व उप मुखिया की पहल पर श्रमदान कर नाली की सफाई

कुडू। कुडू प्रखंड अंतर्गत उडुमुरु पंचायत के हुरहद गांव में ग्राम प्रधान शिबु भगत और उप मुखिया साजदा खातुन के सहयोग से ग्रामीणों ने श्रमदान कर गांव की पक्की नाली की सफाई की। स्वच्छता अभियान के तहत ग्रामीणों ने एकजुट होकर नाली की गंदगी हटाई और जलनिकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाया। इस पहल की सराहना करते हुए पुर्व उप मुखिया हफीजुल अंसारी ने कहा कि गांव की स्वच्छता के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। आज सभी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और यह संदेश दिया कि यदि सभी साथ आएं तो किसी भी काम को सफल बनाया जा सकता है।

डिजिटल साक्षरता व साइबर सुरक्षा विषय पर कार्यक्रम आयोजित

लोहरदगा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा विषय पर गुरुवार को कस्तूरबा सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, लोहरदगा में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसडीपीओ लोहरदगा श्रद्धा केरकेट्टा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, साइबर सेल लोहरदगा के सब इंस्पेक्टर खुशबू रानी, सीडीपीओ लोहरदगा सदर ज्योति कुमारी प्रसाद, बाल विकास परियोजना लोहरदगा सदर के महिला पर्यवेक्षिका, प्रधानाध्यापिका एवं शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता के मुख्य बिंदुओं जैसे किसी से ओटीपी शेयर ना करना, किसी अनजान व्यक्ति से फेसबुक या अन्य प्लेटफार्म पर दोस्ती ना करना, किसी तरह के भी अनजान गेमिंग एप में पेमेंट या इस तरह के वॉलेट का इस्तेमाल न करना पर चर्चा की गई और छात्राओं को जागरूक किया गया। समाज में हो रहे साइबर अपराधों के प्रति अपने माता-पिता को आस पड़ोस को सभी को जागरूक करने हेतु आह्वान किया गया। सभी को साइबर फ्रॉड होने पर डायल 1930 पर कॉल करने की जानकारी दी गयी।

ओबीसी आरक्षण को लेकर 6 अगस्त को राजभवन के समक्ष होगा विशाल धरना प्रदर्शन : संतोष महतो

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के तत्वावधान में आगामी 6 अगस्त 2025 को राज्यपाल भवन, रांची के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इस संबंध में स्टेट कोऑर्डिनेटर संतोष कुमार महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धरना कार्यक्रम में लोहरदगा जिले से सैकड़ों की संख्या में ओबीसी समाज के लोग भाग लेंगे और राजभवन का घेराव करेंगे। आंदोलन का उद्देश्य ओबीसी समाज के अधिकारों को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है। हमारी प्रमुख मांगो में झारखंड विधानसभा द्वारा पारित 27% ओबीसी आरक्षण प्रस्ताव को राज्यपाल केंद्र को शीघ्र प्रेषित करें। झारखंड में 50% आरक्षण की सीमा (बैरियर) को समाप्त किया जाए। निजी क्षेत्र में भी ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण की व्यवस्था लागू की जाए। कांग्रेस नेता संतोष महतो ने कहा कि इस धरना को सफल बनाने के लिए जिले में होर्डिंग, बैनर व पोस्टर के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस कार्यक्रम में जिले से हजारों लोग शामिल होंगे और ओबीसी समाज के हक के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

एनजीटी की बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

बालू का अवैध खनन और परिवहन को सख्ती से रोकें

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में एनजीटी की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला में बालू का अवैध खनन, उठाव व परिवहन रोके जाने का सख्त निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि एनजीटी के आदेशों का सख्ती से पालन कराएं। बालू के अवैध खनन, उठाव व परिवहन की सूचना पर त्वरित गति से नियमानुसार कार्रवाई करें। बालू उठाव के रास्तों अस्थायी रूप से बंद करें। कहीं पर बालू अवैध रूप से स्टॉक किया गया है तो उन पर भी कार्रवाई करें। उपायुक्त ने कहा कि एनजीटी के आदेश का सख्ती से पालन कराने के लिए प्रशासनिक पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को जिला में प्रदूषण, हवा की गुणवत्ता, आद्रता, घनत्व आदि निर्देशांकों को डिस्प्ले करने हेतु उपकरण स्थापित करने के लिए दिए गए पूर्व निर्देश का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। बैठक वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा जिला में जंगल-झाड़ भूमि, पूर्व से वन भूमि की प्रकृति और पौधरोपण वाले भूमि का सर्वेक्षण करने के लिए भारत सरकार के निर्देशों से सभी अंचल अधिकारियों को अवगत कराया। उपायुक्त द्वारा सभी अंचल पदाधिकारियों को उक्त भूमि का सर्वेक्षण मौजावर करने का निर्देश दिया। साथ ही जिला में आर्द्रभूमि स्थलों को भी चिह्नित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, जिला परिवहन पदाधिकारी सुधीर प्रकाश, सहायक खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, जिला सहकारिता पदाधिकारी विजय तिर्की, जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, जिला मत्स्य पदाधिकारी नीलम सरोज एक्का, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि समेत अन्य उपस्थित थे।

जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थी हुए सम्मानित

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2023 में 120वां रैंक पानेवाली मीनाक्षी को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मीनाक्षी को वित्त सेवा में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। मीनाक्षी के पिता गौरीशंकर शर्मा वर्तमान में सदर प्रखण्ड लोहरदगा में बतौर प्रखंड विकास पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उपायुक्त ने उनके उज्ज्वल भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

राम नाम मणि दीप धरू, जीह देहरी द्वार: बिपिन कुमार दास

- स्वामी तुलसीदास: केवल एक संत नहीं, बल्कि भक्ति साहित्य की अमूल्य धरोहर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। श्रावण मास की सप्तमी तिथि के अवसर पर गोस्वामी तुलसीदास जयंती का आयोजन शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदगा में श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास, मधुमिता शर्मा और मंजू देवी द्वारा संत तुलसीदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने कहा, "अपनी जीभ रूपी देहरी पर राम नाम रूपी मणि दीपक को रखो।" यह भाव जीवन में भक्ति और चरित्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। विद्यालय की दीदी जामवंती मिश्रा ने कहा, "संत तुलसीदास की जयंती किसी संत की केवल स्मृति नहीं, बल्कि यह भारतीय भक्ति साहित्य के उत्सव की तरह है। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया और भक्ति को केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सच्ची विधा के रूप में प्रस्तुत किया।" इस अवसर पर विद्यालय में विविध गतिविधियां आयोजित की गईं जिनमें रचनात्मक पाठ, भजन-कीर्तन, विचार गोष्ठी तथा निबंध प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। निबंध प्रतियोगिता का सफल संचालन अनीता दीदी के दिशा-निर्देशन में हुआ, जिसमें कक्षा षष्ठी से दशम तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता में सभी आचार्यजनों एवं दीदियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। संपूर्ण आयोजन भक्ति, ज्ञान और प्रेरणा का एक जीवंत उदाहरण बना।

51000 महामृत्युंजय मंत्र का सामूहिक जाप

लोहरदगा। श्रावणी महापर्व के पावन अवसर पर आगामी 3 अगस्त 2025 (रविवार) को लक्ष्मी नारायण भवन (गेस्ट हाउस), शास्त्री चौक, लोहरदगा में एक भव्य आध्यात्मिक आयोजन होने जा रहा है। योग परिवार एवं वैदिक विश्व मंगल न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 51000 महामृत्युंजय मंत्रों का सामूहिक जाप, मंत्र साधना तथा सिद्धि क्रिया विधिपूर्वक संपन्न कराई जाएगी। इस अनुष्ठान में वेदों के शिव संकल्प सूक्त के विशिष्ट मंत्रों की अग्नि में आहुति दी जाएगी। आयोजकों के अनुसार, महामृत्युंजय मंत्र शिवजी को प्रसन्न करने वाला अत्यंत प्रभावशाली और कल्याणकारी मंत्र है। इस मंत्र की सिद्ध साधना से चेतना का विकास, रोगों से मुक्ति, दुख-बाधाओं का नाश और अकाल मृत्यु से रक्षा संभव होती है। कार्यक्रम डॉ. अशोक आचार्य के ब्रह्मत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेन्द्र खत्री होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण कुमार गुप्ता सहित कई गणमान्य जन भाग लेंगे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

भंडरा। भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के तत्वावधान में लोहरदगा मुख्य पथ मे स्थित केंद्रीय विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार के निर्देश पर आयोजित शिविर में डॉक्टर ओम कुमार के नेतृत्व मे चिकित्सकों ने विद्यालय के करीब 250 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। स्वास्थ्य जांच के दौरान बच्चों का नेत्र, दंत, स्वाद जांच समेत जन्मजात रोग के पहचान के लिए स्क्रीनिंग किया गया। स्वास्थ्य के दौरान आवश्यकतानुसार बच्चों के बीच दवा का वितरण किया गया। मौके पर डॉक्टर ओम कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य जांच के बाद बच्चों को हाईजीन, हैंडवाश के तरीकों के साथ पोषण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
यॉंत्रिक प्रमण्डल मण्डल (लातेहार) शिविर मेदिनीनगर

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

अल्पकालीन ई–निविदा प्रसंग सं0– WRD/MDMANDAL/02/2025–26
दिनांक 31.07.2025

1.	कार्य का नाम	Restoration Work of C/R AND H/R Gate With Embedded Parts, Hoisting Arrangement, shed and Platform of Head Work of Kawaldag Weir Scheme.
2	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	**98,32,600.00** (अन्ठानवे लाख बत्तीस हजार छः सौ) मात्र।
3	कार्य समाप्ति की अवधि	08 (आठ) माह।
4	अग्रधन की राशि (रूपये में)	रू0 **1,96,700.00**(एक लाख छियानबे हजार सात सौ) मात्र।
5	वेबसाईट पर ई– निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2025 (03:00 बजे अपराह्न)
6	बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 19.08.2025 (05:00 बजे अपराह्न तक)।
7	ई– निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 22.08.2025 (10:30 बजे पूर्वाह्न)।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, यॉंत्रिक प्रमण्डल मण्डल (लातेहार) शिविर मेदिनीनगर।
9	प्रोक्योरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	8986668073
10	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0	0651–2490232

नोट :– 1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
2. विस्तृत जानकरी के लिए बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पटट् पर देखा जा सकता है।
3. निविदा बिना कारण बताऐं कभी भी संशोधित या रदद् की जा सकती है।
4. सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में सभी कागजात के साथ निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि ई– भुगतान जिस खाता से किया जायेगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जबाबदेही संबंधित निविदाकार की होगी।

कार्यपालक अभियंता
यॉंत्रिक प्रमण्डल, मण्डल(लातेहार)
शिविर मेदिनीनगर

PR 358629 District (25-26)_D

समाहरणालय, गढ़वा
(जिला नजारत शाखा)

अति अल्प कालिन निविदा आमंत्रण की आम सुचना

एतत द्वारा सूचित किया जाता है कि सरकारी कार्यक्रम तथा कार्यालय कार्य हेतु जिला स्तरीय सामाग्रियों की खरीदगी एंव सेवाओं की दर प्राप्ति हेतु जिला नजारत शाखा, गढ़वा के द्वारा 03 (तीन) प्रकार के निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी निविदा शर्तों की सम्पूर्ण विवरणी https://garhwa.nic.in पर देखा जा सकता है। विवरण निम्नवत है:–

क्र0	निविदा का प्रकार	निविदाजमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खुलने की तिथि /समय/स्थान
1	2	3	4
1	कार्यालय उपयोगी सामग्री	दिनांक–08.08.2025 समय पूर्वाहन 11:00 बजे तक	दिनांक–08.08.2025 अपराह्न 01:00 बजे समाहरणालय सभागार, गढ़वा
2	नास्ता एंव भोजन तथा अन्य खाद्य एवं पानी आपूर्ति		
3	टेंट/सामियाना, लाईट, बैंनर तथा साउण्ड इत्यादि		

इच्छुक निविदादाता निविदा शर्तों के अनुरूप निविदा जिला नजारत शाखा, गढ़वा में जमा कर सकते हैं।

उपायुक्त,
गढ़वा

PR 358667 District(25-26).D

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद्, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 12 वर्ष 2025–26
अनाबद्ध निधि मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता,जिला परिषद, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 07.08.2025 (अपराहन् 01:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 08.08.2025 को 01:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष,(पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : 08.08.2025 को 03:00 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिषद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	प्रखण्ड महुआडांड अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर परसाटोला पहुच पथ का निर्माण एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण।	1,40,800	3,000	500	01 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो **जिला अभियंता, लातेहार** के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय/03 वर्षीय/डाकघर सावधि जमा पत्र/03 वर्षीय/05 वर्षीय/बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय/03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो **जिला अभियंता, लातेहार** के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. उक्त निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संबंधित प्रखण्ड के संवेदक ही भाग ले सकेंगे।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, लातेहार

PR 358661 Rural Development(25-26).D

छात्र-छात्राओं ने खेलों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर लिया भाग

कैरो / लोहरदगा। तीन दिवसीय खेलो झारखंड कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य परियोजना निदेशक झारखंड एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर डॉ0 अनुग्रह नारायण+2 उच्च विद्यालय खेल मैदान में प्रखंड के विभिन्न विद्यालय के छात्र छात्राओ ने भाग लिया। तीन दिवसीय खेलो झारखंड कार्यक्रम का फीता काट कर विधिवत उद्घाटन प्रखंड संसाधन केंद्र के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ओम प्रकाश रंजन, डॉ0 अनुग्रह नारायण +2 उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश शास्त्री, नोडल खेल पदाधिकारी राजेश साहु इत्यादि के द्वारा किया गया। इस अवसर पर 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 600 मीटर दौड़, हाई जंप, लौंग जंप, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, रिले रेस, गोला फेंक में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के 14 एवम 17 आयु वर्ग के छात्र छात्राओ ने खेल के अनेकों आयामो मे हिस्सा लिया। इस खेलो झारखंड कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हो जायेगा।

NETARHAT RESIDENTIAL SCHOOL
NETARHAT
P.O- NETARHAT, DISTRICT- LATEHAR
(An Autonomous Institute under School Education & Literacy Department, Govt. of Jharkhand

Tender Inviting Notice

Enquiry No- 214 Dated- 30.07.2025

Sealed tenders are invited for Netarhat Residential School, Netarhat from reputed parties/firms/Company/contractors having relevant experience in Civil Works, for renovation of New Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) & Old Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) at Netarhat Residential School, Netarhat.

1.	Name of the Tender	Renovation of New Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) & Old Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) at Netarhat Residential School, Netarhat.
2.	Scope of Work	Renovation of New Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) & Old Teachers Residence Two Blocks 04 Units (01 to 04) at Netarhat Residential School, Netarhat.
3.	Technically Sanctioned By	Executive Engineer, Building Division, Latehar
4.	Technical Sanctioned Date	17.10.2024
5.	Name and Address of the Office Inviting Tender	Principal, Netarhat Residential School, Netarhat, P.O- Netarhat, Dist- Latehar.
6.	Date of Publication of Tender on Website	31.07.2025 at 03.00 P. M.
7.	Last Date and Time for submission of Bids	20.08.2025 at 11.30 A. M
8.	Date of Opening of the Tender	21.08.2025 at 01.30 P.M. (Technical Bid) 22.08.2025 at 01.30 P.M. (Financial Bid)

Complete details can be seen on our school's website www. Znetarhatvidyalaya. com

Principal
Netarhat Residential School Netarhat

PR.NO.358648 Human Resource Developement(25-26):D

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय, मंडल कारा, चतरा

ई0–निविदा सूचना

e-TENDER : - HJ AND DM/DJ CHATRA/Q4/2025/1547

1.	कारा का नाम	**मंडल कारा, चतरा**
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलु, फल, मांस, सरसों का तेल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त अति अल्पकालीन ई०–निविदा का आमंत्रण। **(चतुर्थ त्रैमासिक ई0 निविदा – 01.10.2025 से 31.12.2025 तक)**
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	5000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	तिथि– 07.08.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे से 18.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5.	निविदा Online upload करने की तिथि	तिथि– 07.08.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे से 18.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि।	तिथि– 19.08.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे से 20.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (2500/– से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि	तिथि– 19.08.2025 के पूर्वाह्न 11.00 बजे से 20.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक **21.08.2025 को अपराह्न – 03. 00 बजे अपर समाहर्त्ता, चतरा** की अध्यक्षता में अधीक्षक, मंडल कारा, चतरा के कार्यालय कक्ष में।

नोट :–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार के वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, चतरा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक
मंडल कारा, चतरा

PR 358673 Home(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
यॉंत्रिक प्रमण्डल मण्डल(लातेहार) शिविर मेदिनीनगर।

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

अल्पकालीन ई–निविदा प्रसंग सं0– **WRD/MDMANDAL**/01/2025–26
दिनांक 31.07.2025

1.	कार्य का नाम	Restoration Work of New Gates (Emergency and Service Gate) Embedded Parts Hoisting Arrangement platform & shed trash rack of Babhanikhar Reservior Scheme.
2	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	**57,33400.00 (सन्तावन लाख तेंतीस हजार चार सौ) मात्र।**
3	कार्य समाप्ति की अवधि	06 (छः) माह।
4	अग्रधन की राशि (रूपये में)	रू0 **1,14,70000** (एक लाख चौदह हजार सात सौ) मात्र।
5	वेबसाईट पर ई– निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2025 (03:00 बजे अपराह्न)
6	बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 19.08.2025 (05:00 बजे अपराह्न तक)।
7	ई– निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 22.08.2025 (10:30 बजे पूर्वाह्न)।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, यॉंत्रिक प्रमण्डल मण्डल (लातेहार) शिविर मेदिनीनगर।
9	प्रोक्योरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	8986668073
10	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0	0651–2490232

नोट :– 1. केवल ई– निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
2. विस्तृत जानकरी के लिए बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पटट् पर देखा जा सकता है।
3. निविदा बिना कारण बताऐं कभी भी संशोधित या रदद् की जा सकती है।
4. सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में सभी कागजात के साथ निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि ई– भुगतान जिस खाता से किया जायेगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जबाबदेही संबंधित निविदाकार की होगी।

कार्यपालक अभियंता
यॉंत्रिक प्रमण्डल, मण्डल(लातेहार)
शिविर मेदिनीनगर।

PR 358631 District(25-26)D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"छोटे स्वार्थ निश्चय ही मनुष्य को भिन्न-भिन्न दलों में टुकड़े-टुकड़े कर रहे हैं, परंतु यदि मनुष्य चाहे तो ऐसा महासेतु निर्माण कर सकता है, जिससे समस्त विच्छिन्नता का अंतराल भर जाए।" - **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

संपादकीय

भारत विजय और पाक पर वैश्विक मार

विपक्ष के संसद पूछे सवाल कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद कितने देशों ने भारत का साथ दिया। सरकार के जवाब के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सर्वसम्मत रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 समिति की रिपोर्ट में पहली बार टीआरएफ का नाम पहलगाम हमले में शामिल करने पर सभी सदस्य देशों की सहमति आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को पूरी दुनिया की साझा लड़ाई बना दिया है। यह सर्वसम्मति पाकिस्तान के आतंकवाद को शह देने वाले रवैये पर एक वैश्विक मुहर है और यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब पाकिस्तान की दोहरी नीति से अवगत है और इसने भारत की कूटनीतिक ताकत को भी सिद्ध किया है, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया है कि चाहे आतंकवादियों को पालने वाला देश कितना भी छद्म रूप धारण करे, सच्चाई अंततः सामने आती ही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का यह निर्णय भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक और नैतिक जीत है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति की रिपोर्ट सर्वसम्मति से अपनाई जाती है, जिसका अर्थ है कि सभी स्थायी और अस्थायी सदस्य देशों की सहमति से यह दस्तावेज़ पारित हुआ। पाकिस्तान ने पहले इस रिपोर्ट से टीआरएफ का नाम हटवाने की भरपूर कोशिश की थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने संसद में दावा किया था कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर दबाव डालकर टीआरएफ का नाम आधिकारिक बयान से हटवाया। जबकि निगरानी दल की विस्तृत रिपोर्ट में टीआरएफ को शामिल कर संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान के इस दबाव को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया।रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले को टीआरएफ ने अंजाम दिया था और यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था। अमेरिका पहले ही टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि पहलगाम हमले को पांच आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। इसमें कहा गया है, ''टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी उसी दिन ली और साथ ही घटनास्थल की एक तस्वीर भी प्रकाशित की थी।'' रिपोर्ट के मुताबिक, एक सदस्य देश ने कहा है कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ तथा लश्कर के बीच संबंध हैं।'' इसमें कहा गया है, ''एक अन्य सदस्य देश ने कहा कि हमला टीआरएफ ने किया था जो लश्कर का ही दूसरा नाम है। एक सदस्य देश ने इन दावों को खारिज किया और कहा कि लश्कर निष्क्रिय हो चुका है।'' ऐसा प्रतीत होता है कि जिस सदस्य देश ने दावा किया है कि लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है, वह मुख्यतः पाकिस्तान है। हम आपको बता दें कि यह रिपोर्ट 2019 के बाद पहली बार लश्कर और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों का उल्लेख करती है।भारत ने हाल के वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है। इसके तहत भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका सहित विभिन्न देशों में पाकिस्तान को आतंकवाद का पोषक बताने में सफलता पाई। साथ ही फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाले जाने का बड़ा श्रेय भारत की सक्रिय कूटनीति को जाता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का यह निर्णय भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक और नैतिक जीत है।

राम की सर्वव्यापकता

राम शब्द में दो अर्थ व्यंजित हैं। सुखद होना और ठहर जाना। अपने मार्ग से भटका हुआ कोई क्लांत पथिक किसी सुरम्य स्थान को देखकर ठहर जाता है। हमने सुखद ठहराव का अर्थ देने वाले जितने भी शब्द गढ़े, सभी में राम अंतर्निहित है, यथा आराम, विराम, विश्राम, अभिराम, उपराम, ग्राम
जो रमने के लिए विवश कर दे, वह राम
जीवन की आपाधापी में पड़ा अशांत मन जिस आनंददायक गंतव्य की सतत तलाश में है, वह गंतव्य है राम
भारतीय मन हर स्थिति में राम को साक्षी बनाने का आदी है। दुःख में हे राम, पीड़ा में ऐ राम, लज्जा में हाय राम, अशुभ में अरे राम राम, अभिवादन में राम राम, शपथ में रामदुहाई, अज्ञानता में राम जाने, अनिश्चितता में राम भरोसे, अचूकता के लिए रामबाण, मृत्यु के लिए रामनाम सत्य, सुशासन के लिए रामराज्य जैसी अभिव्यक्तियां पग-पग पर राम को साथ खड़ा करतीं हैं। राम भी इतने सरल हैं कि हर जगह खड़े हो जाते हैं। हर भारतीय उन पर अपना अधिकार मानता है। जिसका कोई नहीं उसके लिए राम हैं- निर्बल के बल राम। असंख्य बार देखी सुनी पढ़ी जा चुकी रामकथा का आकर्षण कभी नहीं खोता। राम पुनर्नवा हैं। हमारे भीतर जो कुछ भी अच्छा है, वह राम है। जो शाश्वत है, वह राम हैं।
सब-कुछ लुट जाने के बाद जो बचा रह जाता है, वही तो राम है। घोर निराशा के बीच जो उठ खड़ा होता है, वह भी राम ही है। सीमाओं के बीच छुपे असीम को देखना हो तो राम को देखिए।
कविवर राजेश जैन राही ने लिखा है कि रग रग में हैं राम, पग पग पै हैं राम,
राम का प्रमाण पूछ,देश न लजाइये।
शबरी के भाव में हैं,केवट की नाव में हैं, राम जी दिखेंगे, आप खुद को जगाइये।
राम संस्कार में हैं,आपस के प्यार में हैं,
भरत सरीखे आप भाई बन जाइये।
राम सुप्रभात में हैं,राम मीठी बात में हैं,
राम राम बोल, जग अपना बनाइये।

रीति काल के सुप्रसिद्ध आचार्य एवम् कवि मतिराम ने भी राम की वंदना की है और अपने चित में आराम हेतु राम से निवेदन किया है:
मेरी मति मै राम हैं, कवि मेरे मतिराम।
चित मेरो आराम मै, हित मेरे आराम।

तुलसी के राम शील,शक्ति और सौंदर्य के आगार हैं। उनका शील समाज और राष्ट्र के लिए,शक्ति परित्राणाय साधुनाम,विनाशाय च दुष्कृताम और सौंदर्य भक्तों और प्रेमियों के लिए आकर्षण का अनुपम केन्द्र है।

तुलसी के सर्वेसर्वा राम हैं। तभी तो वे विनयपत्रिका में कहते हैं:

गाइए गणपति जगवंदन।
शंकर सुवन भवानी के नंदन।
सिद्धि सदन गजबदन विनायक।
कृपा सिंधु सुंदर सब लायक।
मोदक प्रिय मुद मंगल दाता।
विद्या वारिधि बुद्धि विधाता।
मांगत तुलसी दास कर जोरे।
बसहुँ राम सिय मानस मोरे।

अपने को दीन और राम को दयालु कहकर नाना रूपों में वे प्रभु श्रीराम से अपने नाते रिश्ते की घोषणा करते हैं:

तू दयालु, दीन हौं,तू दानी हौं भिखारी।
हौं प्रसिद्ध पातकी,तू पाप पुंज हारी।
हौं अनाथ,नाथ कौ,अनाथ कौन मौसों।
तोही मोही नाते अनेक,मानिए जो भावे।
दास तुलसी शरण आयो,चाहो अपनावे।

आज की बात

डा जंग बहादुर पाण्डेय' तारेश'
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग

तुलसी तो स्वयं राम भक्त हैं ही वे संपूर्ण संसार को राम भक्त बनाना चाहते हैं।जिनके मुखारविंद से राम नाम नहीं निकलता, उनकी जिह्वा रसना नहीं, चाम है और मुख में चाम को रखने की आवश्यकता नहीं, उसे तो खींच कर निकाल देना ही बेहतर है:
तुलसी रसना वह भली,निशिदिन निकसे राम।
नाहीं तै खैंच निकारिए,मुख में भली ना चाम।
तुलसी तो राम नाम लेने वाले के लिए उनकी पगतरी(जूती) हेतु अपने शरीर का चाम देने तक तैयार हो जाते हैं:
तुलसी जिनके मुखन ते,भूलेहु निकसत राम।
उनके पग की पगतरी, मेरे तन को चाम।

तुलसी ने राम के चरित्र पट को अनगिनत विलक्षण तन्तुओं से बुना है। ये तंतु हैं:-हृदय स्वच्छता, कर्तव्य परायणता, मर्यादा रक्षा,कोमलता, परदुखकातरता, अहंकार शून्यता, अतुलनीय नम्रता, मनोवांछित विह्वलता, शरणागत वत्सलता, अनुपम उदारता, संकोचशीलता,उन्मुक्त सद्भावना, निरंतर आशावादिता, शिशुसुलभ सरलता, दानशीलता, अनाडम्बर,धार्मिकता आदि।

राम के व्यक्तित्व में कर्म की कठोरता और भावना की कोमलता दोनों का मणिकांचन संयोग है।वे एक साथ महापुरुष के रूप में वरेण्य, इष्टदेव के रूप में पूज्य, परब्रह्म परमात्मा के प्रतीक के रूप में स्वीकार्य हैं।इतिहास के श्रीराम का व्यक्तित्व भले ही काल की धूलि से धूमिल हुआ हो,किंतु श्रीरामचरितमानस के श्रीराम की भास्वरता कभी कम न हुई न होने की संभावना है।क्षत्रिय ब्राह्मण के संघर्ष काल में श्रीराम ने विश्वामित्र के आश्रम में आकर क्षत्रिय- ब्राह्मण प्रेम की गांठ बांधी,मिथिला जाकर क्षत्रिय के बीच प्रेम प्रदर्शित किया,वनवास की अवधि में उन्होंने अपने मृदुल व्यवहार से निषाद के हृदय को जीता और ब्राह्मणों-अंत्यजों को प्रेम डोर में बांध दिया। फिर आगे बढ़ने पर किष्किंधा में आर्यों अनार्यों का प्रेम सूत्र बांधा तथा लंका पहुंच कर भारतीय एवम् अभारतीयों को एकता के सूत्र में जकड़ डाला।किष्किंधा और लंका को स्वायत शासन प्रदान कर उन्होंने राजनीति को एक नई मोड़ दी तथा अंत में रामराज्य की स्थापना करके अखिल विश्व के लिए सार्वकालिक कल्याणकारी आदर्श समुपस्थित कर दिया।श्री राम के गरिमामय जीवन के ये हैं सात काण्ड,जिनका गोस्वामीजी ने मानस के सात कांडों में बड़ी ही कुशलता एवम् भावप्रवणता के साथ उद्घाटन किया है।राम का स्वभाव है आत्मविकत्था एवम् अहंकार शून्यता।अपने को गौण कर दूसरों को गरिमा प्रदान करने वाले श्रीराम के जैसा दूसरा चरित्र संसार में दुर्लभ है।वे करुणा, मंगल क्षेम और सत्य के प्रतीक हैं।कविवर गोवर्धन प्रसाद सदय ने अपने महाकाव्य रामाख्यान में लिखा है:

राम प्रतीक निरामय उसके,जिसके मन में प्रेम रहे।
प्राणिमात्र के लिए हृदय में,करुणा मंगल क्षेम रहे।
रामकथा तो उसकी निष्ठा की प्रेम कहानी है।
सत्य न्याय के लिए सदा,संघर्ष व्रती जो प्राणी है।
अस्तु राम व्यक्ति नहीं आदर्श की प्रतिमूर्ति हैं:
राम व्यक्ति को नहीं, वृति को प्राप्त हुई संज्ञा है।
राम हमारा चिंतन दर्शन,प्रीति प्रकृति प्रज्ञा है।
राम चिरन्तन जीवनमूल्यों का स्वार्णाभ शिखर हैं।
राम हमारी संस्कृति का सारस्वत हस्ताक्षर हैं।
राम हमारा धर्म,हमारा कर्म,हमारी मति है।
राम हमारी भक्ति, हमारी शक्ति, हमारी गति है।
बिना राम के आदर्शों का चरमोत्कर्ष कहाँ है?
बिना राम के इस भारत में भारत वर्ष कहाँ है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कैसे हमारी तरंगें हमारे मित्रता को आकार देती हैं

लोगों को मित्र या शत्रु कहकर लेबल करना उचित नहीं है। बस एक बात याद रखिए अगर आपका समय अच्छा चल रहा है, तो आपका सबसे बड़ा शत्रु भी आपकी मदद करने आएगा और अगर समय खराब है, तो आपका सबसे अच्छा मित्र भी शत्रु जैसा व्यवहार करेगा। दो प्रकार के लोग नहीं होते, बस समय होता है। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है, 'कालाय तस्मै नमः।' समय जैसा होता है, वैसे ही हमारे अनुभव इस संसार में होते हैं। समय लोगों की समझ और व्यवहार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने चारों ओर देखिए, स्वयं को देखिए। आपके विचार और दृष्टिकोण भी वर्षों में बदले हैं। आप वह व्यक्ति नहीं हैं जो पाँच साल पहले थे। जब हम लोगों के शब्दों और कर्मों को अधिक महत्व देते हैं, तो हम अपनी खुशी दूसरों के हाथ में दे देते हैं। शब्द और व्यवहार कभी भी बदल सकते हैं। इसलिए अपनी खुशी को दूसरों की बातों या बर्ताव से जोड़ना समझदारी नहीं है। कभी-कभी आप स्वयं भी ऐसी बातें कह देते हैं जिनका वास्तव में कोई मतलब नहीं होता। सोचिए, अगर लोग उन्हीं बातों को पकड कर बैठ जाएँ और आपके भीतर छिपे भाव को न समझें - तो कैसा लगेगा? अच्छा तो नहीं लगेगा। आप चाहेंगे कि लोग आपके शब्दों के पार भी आपको समझें लेकिन क्या आप दूसरों के लिए ऐसा करते हैं? बहुत कम। आप दूसरों के कहे शब्दों को वर्षों तक सीने से लगाए रखते हैं। क्या पता उन्होंने जो कहा, वह उनका मतलब ही न रहा हो। माँ अक्सर कहती है, "चले जा यहां से!" पर सोचिए, अगर बच्चा सच में चला जाए तो उस माँ की क्या हालत होगी? लोगों को मित्र या शत्रु की श्रेणी में डालने की बजाय, सकारात्मक तरंगें उत्पन्न करना ज्यादा बुद्धिमानी है। अपने स्वभाव में मैत्रीपूर्ण बनें। क्या आप किसी चिड़चिड़े व्यक्ति के साथ काम करना चाहेंगे? या किसी अहंकारी, कठोर व्यक्ति के साथ रहना चाहेंगे? आप स्वयं से पूछिए - क्या ये गुण आपके अंदर हैं? क्या आप चिड़चिड़े हैं? क्या आपमें अहंकार है? क्या आप दूसरों से कठोरता से पेश आते हैं? दूसरों को देखने से पहले स्वयं को देखना बेहतर है। हम शब्दों से कम, और अपनी तरंगों से कहीं अधिक संप्रेषण करते हैं। मैं यहाँ बैठकर दो घंटे प्रेम पर प्रवचन दे सकता हूं। शांति के बारे में ऊँची आवाज़ में बोल सकता हूं। लेकिन मैं आपको बताता हूँ, इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। असर इस बात का पड़ता है कि हम वास्तव में क्या हैं। प्रेम पर दो घंटे का भाषण उस तीस सेकंड के सामने कुछ नहीं जब आपका पालतू कुत्ता दौड़कर आपके पास आता है। आप तुरंत प्रेम अनुभव करते हैं। आप सिर्फ एक शिशु को देखकर ही प्रेम से भर जाते हैं। ऐसे भावनाओं को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता, इन्हें महसूस किया जाता है। इसलिए हमारा होना, हमारी तरंगें, हमारी बातों से कहीं ज्यादा मायने रखती हैं। सच्चा संवाद तरंगों के माध्यम से होता है।

अलग बात

श्री श्री रवि शंकर

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राक्षस रुपी भ्रष्टाचार कब समाप्त होगा ?

भारतवर्ष, जिसने अपने इतिहास में राम, कृष्ण और विवेकानंद जैसे नैतिक शिखरों को जन्म दिया, आज एक ऐसे राक्षस से जूझ रहा है, जिसका न तो कोई स्पष्ट रूप है और न ही कोई एक चेहरा — यह राक्षस है भ्रष्टाचार। यह न केवल आर्थिक संसाधनों को चूस रहा है, बल्कि नैतिकता, जिम्मेदारी, और जनविश्वास की जड़ों को भी खोखला कर रहा है। यह ठीक उसी प्रकार है जैसे रावण और महिषासुर ने देवताओं और मानवता को आतंकित किया था, उसी तरह आज के भ्रष्टाचारी देश की आत्मा का गला घोंट रहे हैं। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है "चरित्र या नैतिकता का पतन"। जब कोई व्यक्ति या संस्था, अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए सत्ता, पद या अधिकार का दुरुपयोग करती है, तो वह भ्रष्टाचार की परिधि में आता है। यह कोई आधुनिक बीमारी नहीं, बल्कि एक पुरानी सामाजिक व्याधि है, जिसका उल्लेख हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। मनुस्मृति में कहा गया है "राजा का कर्तव्य है कि वह दण्ड से ही समाज में व्याप्त दोषों का शमन करे।" अर्थात्, शासन की निष्क्रियता ही भ्रष्टाचार के विस्तार की मुख्य वजह बनती है। आज कोई भी सरकारी दफ्तर हो या निजी कार्यालय, मंत्रालय हो या पंचायत भवन, शिक्षा संस्थान हो या अस्पताल भ्रष्टाचार ने हर व्यवस्था को अपनी जकड़ में लिया है। किसी भी साधारण कार्य जैसे जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, स्कॉलरशिप, टीसी, मार्कशीट या डिग्री प्राप्त करने के लिए "पेपरवेट" यानी घूस देना आवश्यक हो गया है। यह "पेपरवेट सिंड्रोम" एक नए भारत की त्रासदी बन गई है। आम नागरिक जो पहले सेवा लेने जाता है, वह अंततः मानसिक पीड़ा, आर्थिक शोषण और समय की बर्बादी के साथ लौटता है। जैसे राक्षस मानवों का खून पीते थे, वैसे ही ये भ्रष्ट अधिकारी और बाबू आम जनता के अधिकारों और उम्मीदों का शोषण करते हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि जिन शिक्षण संस्थानों से नैतिकता, ईमानदारी और समाज सेवा की शिक्षा मिलनी चाहिए, वे स्वयं भ्रष्टाचार के अखाड़े बन गए हैं। किसी छात्र को मार्कशीट चाहिए, डिग्री लेनी है, किसी को पीएच.डी. के रजिस्ट्रेशन में सहयोग चाहिए हर जगह फिक्स रेट कार्ड बन चुका है। यह भस्मासुर संस्कृति है। जिसे सत्ता या पद मिलता है, वह उसी को नष्ट कर रहा है जिसका उसे निर्माण करना था। शिक्षकों, प्राध्यापकों, कुलसचिवों, कुलपतियों और प्रशासकों की जवाबदेही अब 'शिक्षा' नहीं रही, बल्कि 'सुविधा शुल्क' बन गई है। यह दृश्य भारत के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस व्यवस्था की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे यह शाश्वत हो गया है। लेकिन इतिहास गवाह है कि जब-जब अन्याय बढ़ा है, तब-तब क्रांति की चिन्गारी भी भड़की है। स्वतंत्रता संग्राम हो, आपातकाल का विरोध हो या अन्ना आंदोलन, भारत की जनता ने हर बार आवाज़ उठाई है। परंतु अब जरूरत भावनात्मक आंदोलनों से ज्यादा संस्थागत सुधारों की है। अमेरिका, स्वीडन, डेनमार्क, जापान जैसे देशों में जवाबदेही का स्पष्ट ढांचा है। किसी भी लोकसेवक के खिलाफ कार्यवाही त्वरित होती है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम, फाइल मूवमेंट मॉनिटरिंग, और फीडबैक आधारित मूल्यांकन प्रणाली लागू हैं। भारत में RTI और लोकपाल जैसी व्यवस्थाएं बनी जरूर हैं, परंतु उन्हें राजनीतिक संरक्षण और जनभागीदारी की दरकार है। आम नागरिक को शिक्षित और सजग बनाना होगा, तभी ये उपकरण प्रभावी सिद्ध होंगे। इस राक्षस को समाप्त करने के लिए समाधान की दिशा में संभावित पहल यह हो सकती है कि शिक्षा में नैतिक शिक्षा अनिवार्य हो। भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए इसकी रोकथाम बचपन से ही करनी होगी। पाठ्यक्रमों में नैतिकता, कर्तव्य बोध, और सेवा भावना पर आधारित विषयों को शामिल किया जाए। सभी विभागों में कार्यों को डिजिटल और ट्रैक योग्य बनाया जाए। घूस के लिए कोई जगह न रहे। भ्रष्टाचारियों को केवल प्रशासनिक दंड ही नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार का सामना भी करना चाहिए। उन्हें 'सम्मान' की जगह 'अपमान' मिलना चाहिए। शिक्षा संस्थानों में एंटी-करप्शन क्लब बनाए जाएं। शिक्षक छात्रों में चेतना जगाएं और छात्रों को प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता के प्रति सजग बनाएं। भारतीय धर्मग्रंथों में कहा गया है "धर्मो रक्षति रक्षितः" जब धर्म का पालन होता है, तब धर्म भी उसकी रक्षा करता है। धर्म की भावना अर्थात सत्य, न्याय, करुणा, सेवा को जीवन में अपनाना। भ्रष्टाचार कोई राक्षस नहीं, यह हमारी चुप्पी, सुविधा और नैतिक कमजोरी का परिणाम है। जब-जब समाज ने उसे पहचानकर चुनौती दी है, तब-तब उसका अंत भी हुआ है। आज फिर जरूरत है उस राम, कृष्ण या गांधी की, जो इस राक्षस का संहार करे पर वह कोई और नहीं, हम स्वयं बन सकते हैं। यदि हम एक शिक्षक, छात्र, अधिकारी, पत्रकार, व्यापारी या आम नागरिक के रूप में अपने दायित्वों को समझें और गलत को सहना बंद कर दें तो यह राक्षस कभी का दम तोड़ देगा। नहीं तो यह हमें, हमारे बच्चों को और हमारी पीढ़ियों को निगलता रहेगा। "जब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक-एक भारतीय नहीं उठेगा, तब तक यह राक्षस हमें रोज़ खाता रहेगा और हम बस 'कब खत्म होगा?' पूछते रह जाएंगे।"

देश की बात

डॉ. दीपक प्रसाद

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

बागी कहलाया वही, जिसने पूछे प्रश्न।
इसी एक अपराध ने, दागे कितने कृष्ण।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

वर्ल्ड वाइड वेब : सीमाओं के पार सूचना की स्वतंत्र उड़ान

वर्ल्ड वाइड वेब दिवस 1 अगस्त पर विशेष

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई? वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'WWW' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी। दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'WWW' की शुरूआत 1991 में हुई। टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं। वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं। दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। यही नहीं, इन पृष्ठों की संख्या में आए दिन वृद्धि होती जाती है। यह वेब आधारित एक ऐसी विशेष साइट है, जिसकी सहायता से आप किसी भी विषय पर एकत्रित की गई सूचनाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

आपकी बात

योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

63 साल पुराना स्कूल, लेकिन अब भी पानी को तरसा

- प्यास बुझाने के लिए मासूम बच्चों को रोज तय करना पड़ता है 1 कि.मी. का सफर

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखंड अंतर्गत विश्रामपुर झटनी टोली स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय बदहाली के दौर से गुजर रहा है। वर्ष 1961 में स्थापित इस विद्यालय में 253 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, लेकिन विद्यालय बुनियादी सुविधाओं के लिए अब भी तरस रहा है। विद्यालय परिसर में न तो चापाकल है, न ही बोरिंग। बच्चे एक किलोमीटर दूर सड़क पार कर कुएं और चापाकल से पानी लाते हैं, जिससे सड़क हादसे का खतरा हर समय बना रहता है। मध्याह्न भोजन बनाने वाली रसोइयों को भी रोज़ाना इसी तरह दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। विद्यालय चट्टानी भूमि पर बना है, जिससे अब तक कोई जलस्त्रोत तैयार नहीं हो पाया।

प्रधानाध्यापक फकीर उरांव ने बताया की कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया। अधिकारी आए, जांच की और आश्वासन देकर चले गए। लेकिन समाधान आज तक नहीं मिला।" शौचालय भी बड़ी समस्या है। छात्रों के लिए केवल एक और छात्राओं के लिए दो यूनिट शौचालय हैं, जो सेप्टिक टैंक नहीं बनने के कारण पूरी तरह जाम हो चुके हैं।

छात्रों को खुले में जाने की मजबूरी है। विद्यालय भवन भी जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। कुल 5 भवन टूटने की कगार पर हैं। जगह की कमी के कारण कक्षाएं आपस में समायोजित कर चलाई जाती हैं। बच्चों को बरामदे या खुले मैदान में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती है। मिड-डे मील भी दुर्दशा का शिकार है। बच्चे परिसर में बने गड्ढों के आसपास बैठकर खाना खाते हैं, और उसी गंदे पानी से बर्तन धोते हैं। रसोई भी जर्जर है — इसलिए बाहर अस्थायी शेड में खाना पकाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि नेता चुनाव में वादे करते हैं, लेकिन जीतने के बाद नजर नहीं आते।

अगर उनके बच्चे ऐसे स्कूल में पढ़ते, तब दर्द समझ में आता।" जनता का साफ ऐलान यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो आगामी चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे।" ये सिर्फ एक स्कूल की कहानी नहीं, पूरे सिस्टम की नाकामी की तस्वीर है। सवाल उठता है - क्या 21वीं सदी के भारत में बच्चों को पढ़ने के लिए पानी जैसी मूलभूत सुविधा भी नसीब नहीं होगी?

चैनपुर में युवाओं को बांटे गए हाइजीन व एजुकेशन किट

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। परिवार विकास चाइल्ड फंड के सहयोग से गुरुवार को चैनपुर प्रखंड सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चैनपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए हुए युवा-युवतियों को मेन्स ट्रबल हाइजीन किट और एजुकेशन किट वितरित किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथियों में चैनपुर की जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, बीडीओ यादव बैठा, और अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता मौजूद रहे। उनके साथ चाइल्ड फंड की स्टेट मैनेजर पायलौमी राम चौधरी, फील्ड कोऑर्डिनेटर कपिल देव यादव, और सामुदायिक उत्प्रेरक सीताराम मुंडा भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने युवाओं को दिया मार्गदर्शन। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने कहा कि ये किट युवाओं के लिए बहुत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा, "आप सभी इन हाइजीन और एजुकेशन किट का सही उपयोग करें और अपने जीवन को स्वस्थ रखें।" उन्होंने परिवार विकास चाइल्ड फंड के इस प्रयास की सराहना भी की। जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने लड़कियों को समाज में आगे आने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लड़कियों को हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रमों के लिए परिवार विकास चाइल्ड फंड को धन्यवाद दिया।

अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता ने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "आज के युवा नशे में अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। आप सभी नशे से दूर रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इससे बचाएं। आप ही हमारे देश का भविष्य हैं।"

चाइल्ड फंड की स्टेट मैनेजर पायलौमी राम चौधरी ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने युवा-युवतियों को दिए गए किट का सही और नियमित उपयोग करने की सलाह दी।यह कार्यक्रम युवाओं को स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, ताकि वे एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकें।

प्रमंडलीय कृषि यंत्र वितरण समारोह सम्पन्न, कृषि मंत्री ने कहा

किसान तकनीक से लैस एक स्वावलंबी कृषक उद्यमी बनें

- 3.30 करोड़ की परिसंपत्तियां वितरित
- महिला किसानों को ट्रैक्टर चलाकर मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने दिया सशक्तिकरण का संदेश
- किसानों को तकनीक से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को गुमला के कार्तिक उरांव महाविद्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय भव्य कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की रहीं।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मंच पर जेएएमटीसी के कार्यपालक निदेशक आर.पी. सिंह, भूमि संरक्षण निदेशक अशोक सम्राट, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची और लोहरदगा जिलों से आए 1800 से अधिक किसानों की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने अपने संबोधन में कहा, "सरकार का उद्देश्य है कि किसान केवल उत्पादक न रहकर संसाधनों और तकनीक से लैस एक स्वावलंबी कृषक उद्यमी बनें।" उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर और यंत्र चयन में किसानों को पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है और भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल है।

उन्होंने किसानों को ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील की और बताया कि एक सोलर पंप, जिसकी सामान्य लागत 1.5 लाख होती है, वह किसान को सिर्फ 18,000 में उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पंप ईंधन रहित होने के साथ महिला किसानों के लिए भी सरल संचालन योग्य है।

मंत्री शिल्पा ने स्वयं मंच से उतरकर ट्रैक्टर चलाकर महिला किसानों को सशक्तिकरण का संदेश दिया और कहा, "अब महिलाएं खेती से लेकर मशीन संचालन तक हर क्षेत्र में दक्षता से आगे बढ़ रही हैं।"

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बताया कि आज के आयोजन में गुमला जिले की 30 महिला कृषक समूहों को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना 2024-25 के तहत ट्रैक्टर और सहायक यंत्र वितरित किए गए, जिससे 450 से अधिक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा 2 मिनी ट्रैक्टर समूहों को रोटावेटर सहित उपकरण दिए गए। किसानों को 100 पंपसेट एवं 4 सोलर पंपसेट 90% अनुदान पर दिए गए। कुल 3.30 करोड़ मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण सम्पन्न हुआ।

उपायुक्त ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक गुमला में : 120 ट्रैक्टर, 80 सहायक यंत्र, 26 मिनी ट्रैक्टर, 867 पंपसेट के वितरण का लक्ष्य है, जिससे 4,467 किसान परिवारों को लाभ होगा और जिले की 4,335 एकड़ भूमि की सिंचाई क्षमता में वृद्धि सुनिश्चित होगी।

कार्यक्रम के अंत में भूमि संरक्षण निदेशक अशोक सम्राट ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि किसानों को अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक और नवाचार आधारित कृषि अपनानी चाहिए, जिससे वे प्रगतिशील कृषक बन सकें।

तबस्सुम सफल हुईं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी

नियुक्ति के पहले ही चल बसीं शिक्षिका बेटियां अनाथ, सिस्टम पर गंभीर सवाल

रवि रंजन सिंह

गुमला। "परिणाम आया... लेकिन तब तक तबस्सुम नहीं रहीं।" 28 जुलाई 2025 को झारखंड में शिक्षक नियुक्ति परीक्षा का बहुप्रतीक्षित परिणाम आया। गुमला की सहायक अध्यापक(पारा शिक्षिका) तबस्सुम आरा का नाम भी सफल अभ्यर्थियों में था। मगर उनकी कक्षा में यह सूचना नहीं पहुंच सकी — क्योंकि 12 जून को, परिणाम के डेढ़ महीने पहले ही, उन्होंने कैंसर से जूझते हुए दम तोड़ दिया। राजकीयकृत मध्य विद्यालय, गुमला में 2007 से 2025 तक, लगभग 18 वर्षों तक अल्प मानदेय पर शिक्षण कार्य करने वाली तबस्सुम आरा ने 2017 में झारखंड टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट(जेटेट) सफलतापूर्वक पास किया था। इसके बावजूद सात वर्षों तक नियमितीकरण का इंतजार करती रहीं। वर्ष 2024 में जून माह में परीक्षा दी और जुलाई 2025 में रिजल्ट आया, लेकिन तबतक ज़िंदगी का इंतजार ख़त्म हो चुका था। तबस्सुम आरा का निधन केवल एक शिक्षिका की मृत्यु नहीं है- यह उस धीमी, सुस्त और अमानवीय सरकारी प्रणाली का आईना है, जो योग्य, समर्पित और जरूरतमंद कर्मियों को समय पर न्याय नहीं दे पाती। वह वर्षों तक शिक्षा देती रहीं, लेकिन नियमित वेतन, स्वास्थ्य बीमा और सरकारी उपचार तक से वंचित रहीं। जब बीमारी ने जकड़ा, तो आधुनिक इलाज उनके लिए मृगतृष्णा बनकर रह गया। एक शिक्षिका जो अपने बच्चों को खुद पढ़ाती थीं, उन्हें अच्छे स्कूल में दाखिला दिलाकर उनके सुनहले भविष्य का ख्वाब संजोए थीं — वही शिक्षिका अब पीछे दो असहाय बच्चियाँ छोड़ गईं, जिनके सामने भविष्य अधर में है। तबस्सुम आरा के दस्तावेज़ सत्यापन की तिथि 2 अगस्त 2025 तय की गई है। लेकिन वे अब इस तिथि तक पहुंचने के लिए जीवित नहीं हैं। इस कारण, उनकी नियुक्ति तकनीकी रूप से अधूरी मानी जा रही है, जिससे न तो परिवार पेंशन का हकदार है और न ही अनुकंपा नियुक्ति का। उनकी दो बेटियाँ हैं। एक 8 वर्ष की और दूसरी 13 वर्ष की। वे अब पूरी तरह असहाय हैं। उनका पालन-पोषण, शिक्षा और सुरक्षा — सब कुछ सवालों के घेरे में है। 2017 में परीक्षा पास करने के बावजूद 7 साल तक नियुक्ति नहीं। वर्ष 2024 के जून माह में परीक्षा हुई लेकिन परिणाम आने में 13 महीने लगे। परिणाम आया... लेकिन उम्मीदवार नहीं रही। क्या इसे न्याय कहा जा सकता है? क्या योग्य, सेवाभावी शिक्षकों की बलि ही सिस्टम की पहचान बन चुकी है? क्या एक सफल घोषित अभ्यर्थी की मृत्यु के बाद उसकी पात्रता रद्द मान लेना मानवीय है?

स्थानीय नागरिक समाज और शिक्षक संगठनों ने इस घटना को व्यवस्था की "अक्षम्य देरी और संवेदनहीनता" करार दिया है। वहीं इस मामले में सम्बंधित शिक्षिका ने 18 वर्षों तक पारा शिक्षिका के तौर पर नौकरी की। पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आठ वर्षों तक नियमित होने के इंतजार किया। नियुक्ति परीक्षा में सम्मिलित भी हुईं। लेकिन हर स्तर पर प्रशासनिक विलम्ब के सिलसिला बीच उनकी जान चली जाने के बाद आए परीक्षा परिणाम में आखिरकार वे उत्तीर्ण घोषित हुईं। ऐसे में यह जरूरी है कि तबस्सुम आरा जैसी मृत चयनित शिक्षिकाओं को मरणोपरांत नियमित नियुक्ति दी जाए। परिजनों को नियमित नियुक्त शिक्षकों के समरूप सेवांत लाभ, पेंशन व अनुकंपा के समकक्ष सहायता मिले।

दो आंगनबाड़ी सेविका व तीन सहायिका को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में गुरुवार को दो आंगनबाड़ी सेविकाओं और तीन सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख पारस नाथ उरांव और सीडीपीओ नीलम करकेट्टा ने संयुक्त रूप से सभी चयनित महिलाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा।

आंगनबाड़ी सेविका के रूप में: जूही कुमारी (अम्बोआ रवनाटोली केंद्र), सरस्वती कुमारी (बंगरू केंद्र), का चयन किया गया, वहीं सहायिका के रूप में, असरिता कुमारी (बंगरू केंद्र), मनिका कुमारी (मलगो जंगलीटोली केंद्र), पुनिया कुमारी (मकरा केंद्र), को नियुक्त किया गया।

नियुक्ति पत्र सौंपते हुए प्रखंड प्रमुख पारस नाथ उरांव ने कहा कि सभी चयनित सेविका-सहायिका आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में पूरी निष्ठा से कार्य करें और बच्चों व माताओं के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य की दिशा में सार्थक भूमिका निभाएं। इस अवसर पर महिला प्रवेक्षिका उर्मिला जयसवाल और सुमन देवी, साथ ही पूनम कुमारी, अरुण बारला, पहलाद उरांव सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

अनुष्ठान — शिव मंदिर में मां पार्वती व नंदी महाराज की नवीन मूर्तियों की स्थापना

वैदिक विधि से प्राण प्रतिष्ठा, कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

शंभू नाथ सिंह चौहान

सिसई (गुमला)। सिसई थाना रोड स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर में मंगलवार को नागपंचमी के पावन अवसर पर मां पार्वती एवं नन्दी महाराज की नवीन प्रतिमाओं की स्थापना तथा प्राण प्रतिष्ठा पूजन विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। यह पावन अनुष्ठान शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समिति, सिसई के सौजन्य से अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ प्रातः 9 बजे आचार्य सूर्य नारायण पाठक जी के सान्निध्य में वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ किया गया। यजमान के रूप में संदीप गुप्ता, सुनील लाल, नितेश साहु, सुधीर साहु एवं मन्नु गुप्ता सपत्नीक सम्मिलित हुए। हवन, विशेष पूजा-अर्चना और प्राण प्रतिष्ठा विधि के साथ मंदिर में दिव्य ऊर्जा का संचार हुआ, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक और भक्ति रस में डूब गया।

मूर्ति खंडन के बाद लिया गया था निर्णय : ज्ञात हो कि 17 जुलाई को एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला द्वारा मंदिर के गर्भगृह में स्थापित माँ पार्वती, शिवलिंग एवं नंदी महाराज की मूर्तियों को खंडित कर दिया गया था। इस घटना से समूचे क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच गहरा आक्रोश एवं आहत भाव उत्पन्न हुआ। इसके उपरांत शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समिति एवं स्थानीय सनातन धर्मावलंबियों द्वारा एक आपात बैठक कर निर्णय लिया गया कि नवीन प्रतिमाओं की पुनः स्थापना कर विधिपूर्वक प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। इसी निर्णय को मूर्त रूप देते हुए मंगलवार को भव्य आयोजन किया गया।

पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समिति के अध्यक्ष तेजमोहन साहु, सचिव मुकेश श्रीवास्तव डेविड, कोषाध्यक्ष रोहित शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष संजय वर्मा, उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, मुकेश ताम्रकार, दिलीप गुप्ता, सुधीर साहु सहित अन्य सदस्यों ऋषि राज बिट्टू, पंकज साहु, दीपक गुप्ता, आशीष यादव, विपता गोप, शुभम गुप्ता, रंजन ठाकुर, हिमांशु गुप्ता, विकास लाल, विश्वजीत चटर्जी, अनूप गुप्ता, बलम वर्मा, ललन वर्मा ने दिन-रात मेहनत कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सिसई थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। पुलिस बल तैनात रहा तथा ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित की गई। इससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई और पूरा आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम न होकर सामाजिक एकता, सहयोग और संस्कृति के संरक्षण का जीवंत उदाहरण बन गया। इस पुनीत अवसर पर स्थानीय लोगों में गहरी श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना देखने को मिली।

श्रद्धालुओं के लिए भंडारा

प्राण प्रतिष्ठा पूजन के उपरांत दोपहर 3 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सिसई प्रखंड सहित आसपास के गांवों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा देर रात तक अनवरत चलता रहा और भक्तजनों ने श्रद्धा से भोजन प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

कीर्तन मंडली ने बांधा समां

सांझ होते ही मंदिर प्रांगण में भक्ति संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें रामजड़ी बम्हियारी कोलेबिरा से पधारी महिला-पुरुष कीर्तन मंडली ने संध्या 7 बजे से देर रात तक सुंदर भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। "जय शिव शंकर", "भोलेनाथ के दरबार में", जैसे भजन से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नृत्य करने लगे। पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया।

न्यूज बॉक्स

साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस शिविर का हुआ आयोजन

सिसई (गुमला)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में गुरुवार को साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस शिविर प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शिविर के माध्यम से वृद्धा पेंशन 12, विविध संबंधित 2, एवं मईया सम्मान योजना के 4 ,कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 16 आवेदनों का तत्काल निष्पादन किया गया वहीं 2 आवेदन को संबंधित विभाग को निष्पादन हेतु अग्रसारित किया गया। मौके पर बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रोशन खलखो, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, कम्प्यूटर ऑपरेटर बजरंग साहु, अंचल निरीक्षक चंदरू उरांव, कर्मचारी दीपक उरांव, सावित्री देवी, मुनेश्वर सिंह सहित प्रखंड सह अंचल कर्मी उपस्थित थे।

भरनो में जिला आयुष समिति में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

भरनो। भरनो प्रखंड परिसर में जिला आयुष समिति के सौजन्य से गुरुवार को प्रखंड स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुष होम्योपैथिक विभाग के चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। डॉ. नाजिया परवीन और डॉ. संदीप कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में मुख्य रूप से जोड़ों का दर्द, घुटनों की समस्या और मांसपेशियों में दर्द से पीड़ित मरीजों की जांच कर होम्योपैथिक पद्धति से उपचार किया गया। डॉ. नाजिया परवीन ने बताया कि आयुष चिकित्सा पद्धति खासकर होम्योपैथिक दवाओं के माध्यम से बिना साइड इफेक्ट के मरीजों का उपचार संभव है। इस शिविर में दर्जनों मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराकर दवा प्राप्त की। शिविर की विशेषता यह रही कि जोड़ों के दर्द से पीड़ित मरीजों को योगाभ्यास भी कराया गया, जिससे उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की मांग की। यह शिविर प्राकृतिक चिकित्सा, आयुष पद्धति और योग के समन्वय से स्वास्थ्य सेवा को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ।

जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन

चैनपुर। गुरुवार को चैनपुर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा और अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता की उपस्थिति में जनशिकायत निवारण दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 21 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश मामले पेंशन, राशन कार्ड और विभिन्न प्रमाण पत्रों से संबंधित थे। पेंशन संबंधीः 7,राशन कार्ड संबंधीः 1,आय प्रमाण पत्रः 5,आवासीय प्रमाण पत्रः 4,जाति प्रमाण पत्रः 4,जन्म प्रमाण पत्रः 1,पंजी-2 सुधारः 3,मकान क्षति मुआवजा 2 इस आयोजन में प्रखंड और अंचल कार्यालय के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने शिकायतों के त्वरित निवारण पर जोर दिया, जिससे आम जनता को काफी राहत मिली।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी शुरू, परंपरा व सांस्कृतिक विरासत के रंग में रंगेगा समारोह

बिशुनपुर। गुरुवार को बिशुनपुर प्रखंड के झखरा कुंबा में विश्व आदिवासी दिवस समारोह की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शिशुपाल उरांव ने की। इसमें कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई और आयोजन की रूपरेखा तय की गई। इस वर्ष के कार्यक्रम में आदिवासी परिधान प्रतियोगिता (फैशन शो), पेंटिंग प्रतियोगिता और सांस्कृतिक शोभायात्रा को मुख्य आकर्षण के रूप में शामिल किया गया है। आयोजन को यादगार बनाने के लिए तैयारी जोरों पर है। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगली समीक्षा बैठक 3 अगस्त को होगी, जिसमें अब तक की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी और अंतिम रूपरेखा पर मुहर लगेगी। इस बैठक में करमचंद उरांव, नीरज उरांव, बिदेश्वर उरांव, पवित्रा टाना भगत, रामकेश्वर टाना भगत, महाबीर उरांव, संजय उरांव, महात्मा उरांव, बुद्धिमान उरांव, सुरेश भगत, सलिनंदर उरांव, अनिल असुर, विजय कुमार उरांव, सुनील मिंज, सुशील उरांव, संतोष महतो, सुधा भगत, कमला उरांव, जनार्दन भगत सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में मौजूद लोगों ने इस वर्ष के आयोजन को जनजातीय संस्कृति और पहचान के उत्सव के रूप में मनाने का संकल्प लिया और सभी से आयोजन में सहभागिता की अपील की।

विधायक के पहल पर लगा 200 केबी का नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में खुशी की लहर

सिसई (गुमला)। बसिया रोड सिसई में विधायक जीग्गा सुसारन होरो जी के पहल पर 200 के बी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। जिसका उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव ने फीता काट कर किया। प्रकाश उरांव ने बताया कि बसिया रोड सिसई में पिछले 10 दिनों से लोग अंधेरे में रहने पर विवश थे। बरसात के मौसम में पूरे रहमत नगर अंधेरे में था।बच्चो की पढ़ाई लिखाई में काफी दिक्कतें आ रही थीं दुकान दार लोग भी बहुत ज्यादा परेशान हाल में थे। बसिया रोड और रहमत नगर के ग्रामीणों ने मुझे दूरभाष पर संपर्क कर बताया उन्होंने जैसे मुझे बताया मैं माननीय विधायक जिग्गा सुसारन होरो जी से संपर्क किया और उन्हें जानकारी दी। विधायक ने लोगों की समस्या से अवगत होते हुए तत्काल ट्रांसफार्मर का व्यवस्था कराएं। नए ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्रामीणों में खुशी की लहर छा गई। मौके पर मो० उमर फारूक अंसारी, जावेद अंसारी ऊर्फ पप्पू, दिलीप साहू, बासुदेव, तौकीर, दानिस, सनाउल, प्रताप,पप्पू, रकीब, खुर्शीद, सफीक सहित सैकड़ों कार्यकर्त्ता शामिल थे।

एआई का बढ़ता खतरा

इस वर्ष टेक कंपनियों में अब तक 80 हजार से ज्यादा छंटनी

2030 तक जा सकती हैं 1 करोड़ 80 लाख से ज्यादा नौकरियां

ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्व भर में नौकरी से छंटनी का डाटा संग्रह करने वाली कंपनी लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के जुटाए व विश्लेषण किये गये आंकड़ों के मुताबिक, इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट व मेटा सहित 171 कंपनियां वैश्विक स्तर इस वर्ष अब तक कुल 80,250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुकी हैं। इंटेल तीन महीने में 27,000 छंटनी के साथ नंबर वन है।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की 12,000 से ज़्यादा कर्मचारियों को निकाले जाने की घोषणा की है। यह सब इस बात की चेतावनी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में आईटी क्षेत्र में नौकरियां पहले की तरह न तो सुरक्षित हैं ,नहीं पहले की तरह शुरू में ही ज़्यादा सेलरी वाली हैं। दुनियाभर की टेक कंपनियों में छंटनी की रफ्तार यह बताती है कि यह संकट आगे और भी बढ़ना है। वैसे तो छंटनी के इस माहौल में इन्फोसिस ने इस वर्ष 20,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा की है।

लेकिन यह देखना है कि वह कितने रूपये वाली नौकरी दे रही है, और कितने दिन बनाये रखती है। माइक्रोसॉफ्ट 15,000 छंटनी के साथ इस मामले में दूसरे स्थान पर है। कंपनी ने इस वर्ष मई में पहली बार 6,000 और फिर जुलाई में 9,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी। मेटा भी 2025 में अब तक लगभग 3,600 लोगों को बाहर कर चुकी है।इस मामले के जानने वालों का कहना है कि आईटी क्षेत्र में नौकरियों पर मंडरा रहे संकट के लिए मात्र एआई ही नहीं, बल्कि कंपनियों के अपनी-अपनी नीतियों, लागत में कटौती व पुनर्गठन का आधार भी जिम्मेदार है। 27,000 कर्मचारियों को निकालने वाली इंटेल ने कहा, आसान परिचालन और लागत घटाने के लिए पुनर्गठन के प्रयासों के तहत यह कदम उठाया है। माइक्रोसॉफ्ट ने कर्मचारियों और शीर्ष अधिकारियों के बीच कुछ लेयर कम करने के लिए प्रबंधक स्तर पर छंटनी की है। मेटा ने कर्मचारियों को निकालने के लिए तथाकथित खराब प्रदर्शन को आधार बनाया है। पहले वे अच्छा कर रहे थे ,अब उनके काम खराब कह कर निकाला जा रहा है। इससे साफ दिखता है कि नौकरी देने वाला कुछ भी तर्क देकर कर्मचारी को बाहर का रास्ता दिखा सकता है। इधर टीसीएस में छंटनी पर जानकारों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच आईटी सेवाओं की मांग घटने के कारण कंपनी यह कदम उठा रही है। इसके अलावा, कंपनी में ऐसे कर्मचारियों की संख्या भी ज्यादा है, जो बेंच पर हैं यानी जिनके पास कोई प्रोजेक्ट या काम नहीं है। कहा जाता है कि ऐसे कर्मचारियों को निकालने के लिए कंपनी ने नई नीति बनाई है। इसके तहत, उन्हीं कर्मचारियों को रखा जाएगा, जिनकी बिलिंग साल में कम-से-कम 225 दिन हो और वे 35 दिन से अधिक समय तक बेंच पर न हों।वैसे तो एजेंटिक एआई का चलन बढ़ने से 2030 तक यानी अगले पांच वर्षों में विनिर्माण, खुदरा व शिक्षा क्षेत्रों में करीब 1.8 करोड़ नौकरियां जाने की बात कही जा रही है।

सर्विसनाउ की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक एआई के कारण व्यापक व्यवधान का सर्वाधिक प्रभाव विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा, जहां 80 लाख नौकरियां प्रभावित होंगी। खुदरा क्षेत्र में 76 लाख व शिक्षा क्षेत्र में 25 लाख से ज्यादा नौकरियों पर असर पड़ेगा। सर्विस नाउ इंडिया टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर के प्रबंध निदेशक सुमित माथुर ने कहा, एजेंटिक एआई 2030 तक नई तकनीक वाली 30 लाख से ज्यादा नौकरियों का भी सृजन करेगा।

इनमें भी छंटनी

कंपनी का नाम	संख्या
नॉर्थ वोल्ट	2,800
हेवलेट पैकर्ड	2,500
एचपी	2,000
वर्कडे	1,750
ओपन टेक्स्ट	1,600
ऑटो डेस्क	1,350
इनडीड	1,300

(आंकड़े : 6 जनवरी से 28 जुलाई तक के)

इधर चर्चा है कि इन्फोसिस इस वर्ष 20,000 ग्रेजुएट की भर्ती की योजना बना रही है। कंपनी पहली तिमाही में भी 17,000 से अधिक भर्तियां कर चुकी है। इन्फोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने कहा, कंपनी एआई व कौशल में रणनीतिक निवेश कर आगे रहने में सक्षम रही है। अब तक 2.75 लाख कर्मचारियों को एआई व डिजिटल कौशल की ट्रेनिंग दी गई है।

कैलिफोर्निया में अमेरिकी नौसेना का एफ-35 विमान क्रैश

● पायलट ने इजेक्ट कर जान बचाई

न्यूयॉर्क । अमेरिकी नौसेना का एक एफ-35सी फाइटर जेट बुधवार शाम को कैलिफोर्निया के नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने समय रहते इजेक्शन कर जान बचाई। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। घटना स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे के करीब हुई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दुर्घटनास्थल से काले धुएं और आग की लपटें उठती दिखीं। यह इलाका फ्रेस्नो शहर से करीब 64 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है और पूरी तरह खुला फार्मलैंड है। फ्रेस्नो काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि स्थानीय ईएमएस क्रू और कैल फायर की टीम मौके पर पहुंची और पायलट को प्राथमिक चिकित्सा दी गई। विमान भीएफ-125 रफ राइडर्स स्क्वाड्रन का हिस्सा था। यह पायलटों की ट्रेनिंग के लिए जाना जाता है। यह यूनिट एफ-35सी वर्जन को ऑपरेट करती है, जो यूएस नेवी के एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए डिजाइन किया गया है। इस हाई-टेक जेट की कीमत लगभग 800 करोड़ रुपये है। ये इस साल का दूसरा एफ-35 क्रैश है। इससे पहले जनवरी में अलास्का के एक एयरबेस पर भी ऐसा ही हादसा हुआ था जिसमें पायलट सुरक्षित बच निकला था। एफ-35 अमेरिकी सैन्य बेड़े का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट है। इसे लॉकहीड मार्टिन ने तैयार किया है।

वैज्ञानिकों ने आंत में खोजा 'न्यूरो बायोटिक इंद्रिय' जो भूख को नियंत्रित कर सकती है

इस खोज से मोटापे व मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान के नए द्वार खुल रहे हैं

ब्यूरो

नई दिल्ली। यदि आपकी आंत केवल खाना पचाने से ज़्यादा कुछ कर रही हो तब क्या होगा? यदि वह आपके मस्तिष्क से वास्तविक समय में यह बता रही हो कि कब खाना बंद करना है, तब क्या होगा ? ड्यूक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक नए अध्ययन में यही बात उजागर किया है, जो शायद "इंद्रिय" की परिभाषा को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है।

इस खोज के केंद्र में फ्लैगेलिन है, जो बैक्टीरिया की चाबुक जैसी पूंछ में पाया जाने वाला एक प्राचीन प्रोटीन है जिसे फ्लैगेला कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हमारी आंत में न्यूरोपोड्स नामक विशेष तंत्रिका जैसी कोशिकाएं फ्लैगेलिन का पता लगा सकती हैं। ये न्यूरोपोड्स शरीर की सबसे लंबी स्वायत्त तंत्रिका, वेगस तंत्रिका के माध्यम से सीधे मस्तिष्क को संकेत भेजते हैं। नेचर पत्रिका में प्रकाशित यह खोज बताती है कि हमारी आंत केवल एक पाचन अंग नहीं है, बल्कि इसमें एक "न्यूरो बायोटिक इंद्रिय" भी हो सकती है जो खाने के व्यवहार को नियंत्रित करने में मदद करती है। कुछ वैज्ञानिक इसे हमारी छठी इंद्रिय भी कह रहे हैं। आंत में न्यूरोपोड्स में टीएलआर 5 (टोल-लाइक रिसेप्टर 5 का संक्षिप्त रूप) नामक एक रिसेप्टर होता है। जब शोधकर्ताओं ने चूहों को फ्लैगेलिन की एक खुराक दी, तो उनके टीएलआर रिसेप्टर्स ने भूख कम करने वाली प्रतिक्रिया शुरू कर दी, चूहों ने सामान्य से कम खाना खाया। लेकिन जिन चूहों में यह रिसेप्टर नहीं था, उन्हें "पेट भरा" होने का संकेत नहीं मिला और उनका वजन तेजी से बढ़ गया। इसका मतलब है कि हमारे अंदर रहने वाले बैक्टीरिया सिर्फ़ मूकदर्शक नहीं हैं। वे वास्तव में हमारे महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं।इस तरह इस नए अध्ययन से पता चलता है कि कैसे हमारी आंत में मौजूद एक प्राचीन जीवाणु प्रोटीन, पेट भर जाने पर मस्तिष्क को सीधे संकेत दे सकता है, जिससे मोटापे व मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान के नए द्वार खुल रहे हैं।

बांग्लादेश में बीएनपी और एनसीपी समर्थकों के बीच झड़प, 35 घायल

ढाका (आईएएनएस)

बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले के मुरादनगर में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसमें कम से कम 35 लोग घायल हो गए, जिनमें पांच पत्रकार भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह झड़प बुधवार शाम उस समय हुई जब एनसीपी समर्थकों ने अंतरिम सरकार के स्थानीय सरकारी सलाहकार आसिफ महमूद शोजीब भुइयां के खिलाफ कथित साजिश और दुष्प्रचार के विरोध में 'मुरादनगर उपजिला के सभी तबकों के लोग' नामक बैनर तले एक विरोध रैली निकाली। रैली के दौरान जब आसिफ के समर्थकों ने "उगाही करने वालों के खिलाफ सीधी कार्रवाई", "उगाही करने वालों को पकड़ो, जेल में डालो", और "मुरादनगर की मिट्टी, आसिफ का गढ़" जैसे नारे लगाए, तभी दूसरी ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे-जैसे झड़प बढ़ती गई, व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस हिंसा में पांच पत्रकारों के घायल होने की भी पुष्टि हुई है। 'नागरिक समाज' के संयोजक मिनाजुल हक ने आरोप लगाया कि यह हमला बीएनपी नेता और पूर्व सांसद काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद के समर्थकों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से किया गया था। उन्होंने कहा, "जैसे ही हमने रैली निकाली, बीएनपी के लोगों ने हम पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए और हमें दौड़ा-दौड़ाकर मारा। हमारे लगभग 50 समर्थक घायल हो गए।

सिडनी में लीजनियर्स रोग का प्रकोप, एक की मौत, छह भर्ती

सिडनी। साउथ ईस्टर्न सिडनी लोकल हेल्थ डिस्ट्रिक्ट (एसईएसएलएचडी) ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि सिडनी के इनर-सिटी इलाके में लीजनियर्स बीमारी के प्रकोप के बीच एक व्यक्ति की मौत हो गई है और छह अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मई से अब तक पॉट्स पॉइंट नामक समृद्ध क्षेत्र के सात लोगों में इस बीमारी की पुष्टि हुई है। यह इलाका सिडनी हार्बर ब्रिज और सिडनी ओपेरा हाउस से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मामलों में एक 80 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति शामिल है, जो जून के अंत में बीमार हुआ और उसकी मृत्यु हो चुकी है। बाकी छह मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जिनमें से पांच को छुट्टी दे दी गई है और एक मरीज अभी अस्पताल में भर्ती है।

'बलूचिस्तान बिकाऊ नहीं', मीर यार बलूच ने ट्रंप को चेताया

क्वेटा (आईएएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार बनाने में मदद करने की घोषणा की, जिसके बाद बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने ट्रंप को पत्र लिखकर चेताया है। मीर यार बलूच ने कहा कि इस्लामाबाद के सैन्य नेतृत्व ने अमेरिका को पाकिस्तान के संसाधनों के "वास्तविक भूगोल और स्वामित्व" को लेकर गुमराह किया है।

पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 80 हजार बच्चों को हैजा का खतरा, संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम और मध्य अफ्रीका में हैजा के बढ़ते मामलों को लेकर फिक्र जाहिर की है। यूएन ने चेताया है कि बरसात के मौसम में लगभग 80,000 बच्चे हैजा की चपेट में आ सकते हैं। सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और नाइजीरिया में हैजा का प्रकोप ज्यादा है और इस वजह से पड़ोसी देशों में संक्रमण का जोखिम बढ़ गया है।

इस स्थिति ने क्षेत्र में स्वास्थ्य संकट को और गहरा दिया है। हक ने कहा कि चाड, कांगो गणराज्य, घाना, कोट डी आइवर और टोगो जैसे देश वर्तमान में हैजा की महामारी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, नाइजर, लाइबेरिया, बेनिन, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और कैमरून अपनी भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण इस बीमारी के प्रति अति संवेदनशील हैं और इन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बारिश का मौसम इस स्थिति को और जटिल बना रहा है, क्योंकि दूषित पानी और अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं हैजा के प्रसार में मदद करती हैं।

यूनिसेफ ने प्रकोप की शुरुआत से ही प्रभावित क्षेत्रों में सक्रियता से काम शुरू कर दिया है। संगठन उपचार केंद्रों और समुदायों को स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और सफाई से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहा है।

इमरान की पार्टी के 166 सदस्यों को 10 साल जेल, 2 साल पहले आईएसआई बिल्डिंग पर हमले का मामला

करांची । पाकिस्तान की एक अदालत ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के 166 नेताओं और कार्यकर्ताओं को 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई। यह सजा 9 मई, 2023 को पंजाब प्रांत में ISI बिल्डिंग और अन्य सैन्य ठिकानों पर हमले के मामले में दी गई है। सजा पाने वालों में नेशनल असेंबली और सीनेट में विपक्ष के नेता और कई सांसद शामिल हैं। यह फैसला उस समय आया है जब पीटीआई 5 अगस्त से पूरे देश में "इमरान खान को रिहा करो" आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर रही थी। पीटीआई ने फैसलाबाद की आतंकवाद निरोधी अदालत के इस फैसले की कड़ी निंदा की है। पार्टी का कहना है कि यह फैसला उनके सांसदों को संसद से अयोग्य घोषित करने और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकने की साजिश का हिस्सा है।

सिंगापुर में भारतीय ने दुकान में किया नाबालिग किशोरी का यौन शोषण अदालत ने दी 14 साल की सजा

सिंगापुर । सिंगापुर ने एक भारतीय नागरिक ने शर्मनाक करतूतें की हैं। 58 साल की उम्र का एक भारतीय नाबालिग किशोरी से यौन शोषण करने का दोषी पाया गया है। बच्ची की उम्र महज 11 साल थी। वह उसकी दुकान में शाम के वक्त कुछ खरीदने आई थी, तभी दरिंदे ने मौका पाकर उसका जबरन यौन शोषण किया। अब अदालत ने दोषी को 14 साल की सख्त सजा सुनाई है। वहीं, अदालत के फैसले के अनुसार दोषी व्यक्ति ने 11 साल की बच्ची का दो बार यौन उत्पीड़न किया था। उसे अब इस जुर्म में बृहस्पतिवार को 14 साल से अधिक की सजा सुनाई गई। सिंगापुर उच्च न्यायालय ने कहा कि रामलिंगम सेल्वासेकरन (58) की उम्र अधिक होने के कारण उसे कोड़े तो नहीं मारे जाएंगे, लेकिन उसे कोड़ों के बदले 14 वर्ष, तीन महीने और दो सप्ताह की सजा दी जाएगी।

डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट में टर्बुलेंस से 25 यात्री घायल

हवा में हिचकोले खाने से करनी पड़ी आपात लैंडिंग

एजेंसी । न्यूयॉर्क

सॉल्ट लेक सिटी से एम्स्टर्डम जा रही डेल्टा एयरलाइंस की एक फ्लाइट को बुधवार रात गंभीर तूफानी झटकों का सामना करना पड़ा, जिससे कई यात्री घायल हो गए। इस कारण फ्लाइट को आपात स्थिति में मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। इसके बाद राहत और बचाव दलों ने मोर्चा संभाल लिया।

25 यात्री घायल : एयरलाइन के अनुसार चिकित्सकीय टीमों ने तुरंत फ्लाइट के यात्रियों को रिसीव किया और 25 लोगों को इलाज और जांच के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। डॉक्हाटरों ने कहा कि उड़ान के दौरान गंभीर चोटें दुर्लभ होती हैं। वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जेट स्ट्रीम में हो रहे बदलाव की वजह से अब इस तरह की घटनाएं अधिक सामान्य होती जा रही हैं।1 साल पहले एक व्यक्ति की हो गई थी मौत गौरतलब है कि मई 2024 में सिंगापुर एयरलाइंस की एक फ्लाइट में भी गंभीर टर्बुलेंस के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ ने मचाई तबाही

44 की मौत, लापता हैं 9 लोग

एजेंसी । बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग में बीते एक सप्ताह के दौरान मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 9 लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इस बारे में जानकारी दी है। बीजिंग में पिछले चार दिन से अधिकारी आपदा राहत और बचाव अभियान संचालित कर रहे हैं, जबकि फिर से भारी बारिश होने से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है। बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

राष्ट्रपति शी ने दिए हैं राहत और बचाव के आदेश : सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि बारिश से संबंधित घटनाओं में 44 लोग मारे गए हैं और 9 अन्य लापता हैं।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, बीजिंग के उत्तरी पर्वतीय जिलों मियुन और यानकिंग से तूफानी बारिश और बाढ़ की चपेट में आने से लोगों की मौत की खबरें आई हैं। शनिवार को भारी बारिश शुरू हुई थी। इससे पहले, सोमवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बाढ़ और भूगर्भीय आपदाओं से निपटने तथा लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आदेश दिया था।

बारिश ने चीन को किया बेहाल

भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूगर्भीय आपदा से वर्तमान में चीन के कुछ हिस्से प्रभावित हैं। कई आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अकेले बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है, जबकि तूफानी बारिश से 31 सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और 136 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीन के वित्त मंत्रालय और आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने मंगलवार को बाढ़ से प्रभावित बीजिंग सहित प्रांतीय स्तर के 9 क्षेत्रों के लिए केंद्रीय सरकार के आपदा राहत कोष में 35 करोड़ युआन (4.89 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को चीन के राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग ने कहा कि उसने बीजिंग में आपदा राहत प्रयासों के लिए 20 करोड़ युआन (2.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए हैं।

वॉर 2 के पहला गाना रिलीज

किआरा आडवाणी और ऋतिक रोशन की जबरदस्त केमिस्ट्री

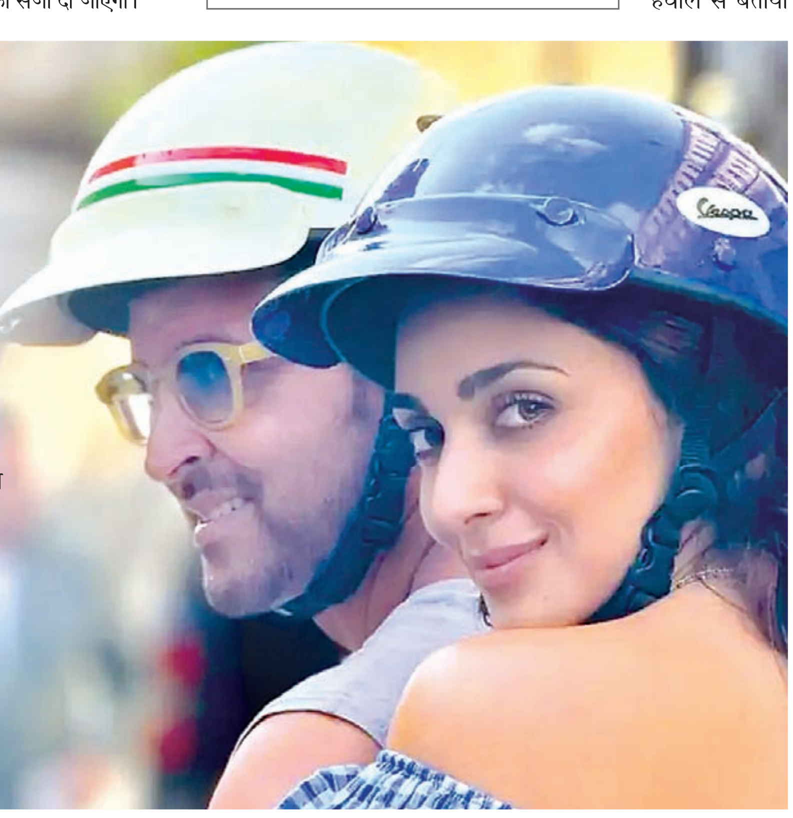

कहानी फिल्म जगत की

एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म 'वॉर 2' के निर्माताओं ने गुरुवार, 31 जुलाई 2025 को फिल्म का पहला गाना रिलीज़ कर दिया है और कुछ ही घंटों में इसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। यह गाना कियारा आडवाणी के लिए खास है क्योंकि यह उनके 34वें जन्मदिन पर रिलीज़ हुआ है। एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म 'वॉर 2' के निर्माताओं ने गुरुवार, 31 जुलाई 2025 को फिल्म का पहला गाना रिलीज़ कर दिया है और कुछ ही घंटों में इसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। यह गाना कियारा आडवाणी के लिए खास है क्योंकि यह उनके 34वें जन्मदिन पर रिलीज़ हुआ है और यशराज बैनर की फिल्म 'वॉर 2' उनके पति और शेरशाह अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ बेटी के स्वागत के बाद उनकी पहली फिल्म है। कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आवां जावां' गाना शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "प्यार को महसूस करें, संगीत को महसूस करें... #आवां जावां की धुनों पर थिरकें। गाना अभी रिलीज़ हुआ है लिंक बायो में #वॉर2 हिंदी, तेलुगु और तमिल में 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है!

म्यांमार में नई संघीय सरकार और सुरक्षा आयोग का गठन

समाप्त कर चुनाव की तैयारी

यांगून। म्यांमार की राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद (एनडीएससी) ने गुरुवार को एक नई संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग के गठन की घोषणा की है। यह जानकारी सरकारी मीडिया म्यांमार रेडियो एंड टेलीविजन (एमआरटीवी) ने दी। नई संघीय सरकार की बागडोर यू न्यो सॉ को प्रधानमंत्री बनाकर सौंपी गई है, जबकि सीनियर जनरल मिन आंग हलाइंग को राज्य सुरक्षा और शांति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। म्यांमार की स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल (एसएसी) के प्रवक्ता जॉ मिन तुन ने कहा कि आपातकाल की समाप्ति का निर्णय आम चुनावों की तैयारी के उद्देश्य से लिया गया है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड अगले सप्ताह आएंगे भारत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर 4 अगस्त से 8 अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत और फिलीपींस के बीच सहयोग को और मजबूत करना है। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रपति मार्कोस के साथ उनकी पत्नी, प्रथम महिला लुईस अरनेटा मार्कोस भी होंगी। उनके साथ फिलीपींस सरकार के कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, खास मेहमान और व्यापार प्रतिनिधियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। राष्ट्रपति मार्कोस नई दिल्ली में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे और अपनी यात्रा के अंतिम चरण में बेंगलुरु भी जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर 5 अगस्त को द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों नेता आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति मार्कोस, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी उनसे भेंट करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और फिलीपींस के बीच राजनयिक संबंध नवंबर 1949 में स्थापित हुए थे।

देवघर एम्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा

चिकित्सा मात्र करियर नहीं सेवा और नैतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित देवघर एम्स के प्रथम दीक्षांत समारोह में कहा कि श्रावणी मास की इस पुण्य बेला में बाबानगरी देवघर में उनका आगमन सम्पूर्ण राज्यवासियों के लिए हर्ष एवं उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि देवघर केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष की आस्था का प्रमुख केंद्र है। राष्ट्रपति का आगमन इस अवसर को और भी ऐतिहासिक तथा स्मरणीय बना देता है।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति के झारखंड के राज्यपाल के रूप में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, मृदु स्वभाव एवं जनसरोकारों के प्रति समर्पण ने उन्हें झारखंडवासियों के हृदय में विशिष्ट स्थान दिलाया है। उन्होंने राष्ट्रपति को देश की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में राज्यपाल ने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक नई सामाजिक जिम्मेदारी के आरंभ का क्षण है। उन्होंने नवस्नातकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि चिकित्सा का मार्ग मात्र एक करियर का चयन नहीं है, बल्कि संवेदना, सेवा और नैतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने एम्स, देवघर की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष आभार प्रकट किया और कहा कि यह संस्थान न केवल झारखंड, बल्कि बिहार और बंगाल जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए भी स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन चुका है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना से जुड़ा हुआ कदम बताया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने श्वेत कोट को केवल वर्दी न समझें, बल्कि उसे विश्वास, करुणा और सेवा का प्रतीक मानें। हर रोगी केवल बीमारी ही नहीं, बल्कि अपनी उम्मीदें और बीमारियों के प्रति भय भी लेकर चिकित्सक के पास आता है, इसलिए उनके साथ संवेदनशीलता और सम्मान का व्यवहार ही चिकित्सा व्यवस्था की आत्मा है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अधिक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य भ्रमण के दौरान लोगों से संवाद एवं योजनाओं के प्रचार-प्रसार का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका प्रयास यही है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति तभी सार्थक है जब उसका उपयोग जनकल्याण के लिए हो। उन्होंने उपाधिधारकों से 'विकसित भारत 2047' के निर्माण में भागीदारी का आह्वान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति का राज्यपाल ने किया स्वागत

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथधाम एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर उनका स्वागत किया। राज्यपाल ने कहा कि श्रावणी माह की इस पुण्य बेला में राष्ट्रपति का देवघर आगमन सम्पूर्ण राज्यवासियों के लिए हर्ष का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि देवघर केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष की आस्था का प्रमुख केंद्र है। श्रावण मास के दौरान विशेष रूप से देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए आते हैं।

राष्ट्रपति के राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल ने किया स्वागत

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के राजभवन आगमन पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उनका स्वागत किया। राज्यपाल ने कहा कि आपके आगमन से संपूर्ण राज भवन परिवार हर्ष एवं उत्साह से अभिभूत है। इसके पश्चात राज्यपाल ने राष्ट्रपति से भेंट के क्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल ने मौके पर राष्ट्रपति को राज भवन द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' (फरवरी, 2025-जुलाई,2025) की प्रथम प्रति भेंट की। इस पत्रिका के प्रधान संपादक राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी हैं। उल्लेखनीय है कि आज ही के दिन राज्यपाल का झारखंड के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ। पत्रिका का यह अंक राज भवन की गतिविधियों, पहलों एवं प्रयासों का संकलन है। राज भवन पत्रिका राज्यपाल महोदय की जनता के प्रति संवेदनशीलता, उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रतिबद्धता और जन-कल्याण की दिशा में निरंतर प्रयासों की झलक प्रस्तुत करती है। उन्होंने राज भवन को 'आमजन के हितों के रक्षक' के रूप में प्रतिष्ठित किया है तथा राज भवन जन संवाद, समाधान और सेवा का केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय रहते हैं। राज्यपाल ने इस अवसर पर राष्ट्रपति को एक स्मृति-चिह्न भी भेंट किया।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

नवीन मेल संवाददाता

● अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति करने की मांग

रांची। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किशुन कुमार दास ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात की। वहीं राज्य में अनुसूचित जाति समाज पर हो रहे लगातार अत्याचारों के निवारण के लिए मांग-पत्र सौंपा। इस दौरान उन्होंने समाज की समस्याओं को गंभीरता से रखते हुए कई अहम सुझाव और मांगें प्रस्तुत कीं। ज्ञापन में झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की शीघ्र नियुक्ति की जाए। अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम का गठन किया जाए। अनुसूचित जाति समाज के लिए परामर्शदात्री परिषद का गठन किया जाए। रांची नगर निगम में महापौर पद को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया जाए। राज्य के प्रत्येक जिले में अनुसूचित जाति छात्रावास का निर्माण कराया जाए। 6. अनुसूचित जाति वर्ग के मेधावी छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहयोग एवं अवसर दिया जाए। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा झारखंड विधानसभा परिसर और रांची हाईकोर्ट में स्थापित की जाए। इस महत्वपूर्ण मुलाकात में भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें चतरा जिला मुखिया संघ अध्यक्ष सह भाजपा नेता अरविंद सिंह, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज दास, प्रदेश मंत्री राजीव राजलाल एवं विनोद कुमार, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार, प्रदेश प्रवक्ता संदीप कुमार, प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी एवं अभिषेक राज आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

बालाश्रय बालगृह के आठ बच्चों का आधार पंजीकरण

रांची। नालसा द्वारा संचालित 'साथी अभियान के अंतर्गत रांची स्थित बालाश्रय बालगृह के 8 बच्चों का आधार पंजीकरण किया गया। यह कार्य गुरुवार को झालसा के निर्देश और डालसा रांची के अध्यक्ष-सह-न्यायायुक्त के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में संपन्न हुआ। इस कार्य में समीर की टीम और पीएलवी बरखा कुजूर ने सहयोग किया। डालसा सचिव ने बताया कि 'साथी अभियान का उद्देश्य बेसहारा, निराश्रित और आश्रयविहीन 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक विधिक एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आधार पंजीकरण के माध्यम से बच्चों को पहचान दिलाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा।

नए प्रभारी कुलपति का छात्र संगठनों ने किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विवि के नए प्रभारी कुलपति प्रो. डीके सिंह ने पदभार ग्रहण किया। मौके पर अबुआ अधिकार मंच के सदस्यों ने स्वागत किया। इस अवसर पर अबुआ अधिकार मंच के रांची विवि संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कुलपति का अभिनंदन करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, छात्र सुविधाओं के विस्तार और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपनी अपेक्षाएं व्यक्त कीं। श्री शुक्ला ने कहा कि नए कुलपति के नेतृत्व में विवि में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। विवि में विकास, स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण तथा छात्र हितों के संरक्षण के लिए मंच पूरी तरह से सहयोग करेगा। प्रभारी कुलपति प्रो. डीके सिंह ने अबुआ अधिकार मंच के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, "छात्र विवि की सबसे महत्वपूर्ण धुरी हैं। उनका सर्वांगीण विकास और उनकी समस्याओं का समाधान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से बिपिन कुमार यादव, विक्रम कुमार यादव, विशाल कुमार यादव, राहुल, सुदीप, ऋषभ, दिवाकर, अर्जुन, समेत, रोशन साहू, राजा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मॉनसून सत्र

रांची। डॉ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सत्ता पक्ष के विधायक गणों की हुई बैठक में 1 अगस्त से 7 अगस्त , 2025 तक आहूत षष्टम झारखंड विधानसभा के तृतीय सत्र (मॉनसून सत्र) के मद्देनज़र हुआ विचार- विमर्श।

जल जीवन मिशन की रफ्तार थमी गिरिडीह के हजारों गांव आज भी प्यासे : चंद्र प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह के सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने गुरुवार को लोकसभा मे पूछे गए तारांकित प्रश्न के जवाब में प्राप्त उत्तर में झारखंड की राज्य सरकार की नल से जल योजना में पूरे देश भर में सबसे पीछे होने पर चिंता जाहिर की और झारखंड सरकार पर जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आवंटित हजारों करोड़ की राशि का लगभग आधा हिस्सा आज भी खर्च नहीं हुआ, जिससे झारखंड के करोड़ों ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019-25 के दौरान झारखंड को 12,982 करोड़ का आवंटन किया। झारखंड सरकार ने अब तक केवल 6,010 करोड़ (46.30 प्रतिशत) राशि का ही आहरण किया। यानि लगभग 7,000 करोड़ की राशि आज भी अव्यवहत है। वर्ष 2019 में केवल 3.45 लाख (5.52 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों को नल जल की सुविधा थी। वर्ष 2025 तक यह संख्या 34.42 लाख (55.0 प्रतिशत) तक ही पहुंच पाई है। यानि 45 प्रतिशत ग्रामीण अब भी वंचित हैं। पूरे देश में झारखंड नल से जल पहुंचाने में सबसे पीछे है । उन्होंने कहा कि गिरिडीह, गुमला, लातेहार जैसे वामपंथ प्रभावित जिलों में भी सिर्फ 70 प्रतिशत परिवारों को ही कनेक्शन मिल पाया है।उन्होंने कहा कि "केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता और भारी बजट आवंटन के बावजूद झारखंड सरकार की लापरवाही से गिरिडीह और राज्य के अन्य जिलों में मिशन की प्रगति बेहद धीमी है। जिन इलाकों में आदिवासी और अनुसूचित जाति बहुल आबादी है, वहां आज भी लोग गंदे तालाबों और हैंडपंपों पर निर्भर हैं। यह न केवल प्रशासनिक विफलता है बल्कि सामाजिक अन्याय भी है।" "जल जीवन मिशन सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की गरिमा से जुड़ा संकल्प है। उन्होंने झारखंड सरकार से लंबित फंड का तुरंत उपयोग करने और सभी गांवों में नल जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और गांव स्तर पर जल जीवन मिशन की प्रगति रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और पंचायतों को निगरानी में शामिल करने की मांग की।

पांच अगस्त तक राज्य के कई जिलों में होगी बारिश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में मॉनसून पूरी तरह से सक्रिय है। मौसम विभाग ने झारखंड के उत्तरी-मध्य और उत्तर-पूर्वी भागों के कुछ जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। शुक्रवार को हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर और दुमका जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। तेज हवाओं के साथ साथ वर्षा और वज्रपात होने की भी संभावना है। मॉनसून ट्रफ अभी राजधानी रांची से गुजर रहा है, जिसकी वजह से राज्य में बारिश जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश में चक्रवात बना हुआ है, जिससे आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रहेगी।

सामन्य से 50 फीसदी अधिक हो चुकी झारखंड में बारिश : वहीं, गुरुवार यानी 31 जुलाई 2025 तक का मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार झारखंड में मॉनसून के इस सीजन में अब तक 508.2 मिलीमीटर की बजाय 760.7 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से 50 फीसदी अधिक है।

रांची रेलवे स्टेशन से गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशानुसार पोस्ट कमांडर रांची के नेतृत्व में रांची रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। शाम में प्लेटफॉर्म संख्या 1ए पर एक संदिग्ध व्यक्ति भारी पिट्ठू बैग के साथ बैठा मिला। पूछताछ करने पर वह भागने लगा और अपना बैग वहीं छोड़ दिया। तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ टीम ने उसे ट्रैक पर पकड़ लिया और पुनः घटना स्थल पर लाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम भूपेश कुमार, उम्र 37 वर्ष पता बिहार बताया। उसने स्वीकार किया कि उसके बैग में गांजा है, जिसे भूरे रंग के प्लास्टिक में लपेटकर रखा गया है। तत्काल सूचना एएसस/ आरपीएफ रांची को दी गई। निर्देशानुसार भूपेश कुमार की व्यक्तिगत तलाशी ली गई और बैग की जांच की गई। बैग से कुल 06 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिन्हें ए1 से ए6 तक चिन्हित किया गया। डीडी किट से परीक्षण में गांजा की पुष्टि हुई। आरोपी किसी भी वैध दस्तावेज को प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने बताया कि यह गांजा उसने संभलपुर से खरीदा था और मौर्य एक्सप्रेस (15027) से रांची आया था और पटना जाने की योजना थी। सभी कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर बरामद गांजा व आरोपी को जीआरपीएस रांची को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सौंपा गया।

भैरव सिंह को झूठे मामले में फंसाया, सीबीआई जांच हो : परिजन

● भैरव सिंह की मां ने पुलिस पर लगाया आरोप, पुलिस से है भैरव सिंह को खतरा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रेस क्लब में गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ता भैरव सिंह को झूठे केस में जिला प्रशासन द्वारा फंसाने के संबंध में भैरव सिंह के समर्थक और परिवारजनों के द्वारा प्रेस वार्ता किया गया। जिसमें स्वामी दिव्यानंद महाराज, भैरव सिंह की माता रानी देवी और भैरव सिंह के अधिवक्ता कीर्ति नारायण सिंह ने कहा की भैरव सिंह को प्रशासन द्वारा बेवजह परेशान किया जा रहा है और झूठे आरोपों में जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा इससे भी शासन का मन नहीं भरा तो प्रशासन पर दबाव डालकर झूठे केस भैरव सिंह पर डाल दिया जा रहा है। भैरव सिंह की मां रानी देवी ने कहा रांची पुलिस भैरव सिंह के ऊपर सरकार के इशारे पर एक तरफा कार्रवाई कर रही है। टेंडर विवाद मामले में भैरव सिंह को जेल भेजा गया है। मामले में भैरव सिंह ने 30 मई को आईजी के यहां आवेदन दिया था कि सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जाए जिसमें स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि किन लोगों ने शिकायतकर्ता अमन चंद्र के साथ मारपीट की है। परंतु इसकी कोई जांच नहीं हुई। इसके दो महीने बाद जब भैरव सिंह लव जिहाद के 13 साल की बच्ची के मामले में पंडरा थाना पहुंचे तो उन्हें उसी वक्त अचानक गिरफ्तार कर लिया गया। 19 जुलाई को उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, उनका कहना है 25 जुलाई को रांची के ग्रामीण क्षेत्र टेंडर गांव में एक युवती के ऊपर पेट्रोल फेंका गया। उसके पश्चात कल अचानक उसे युवती के प्रेमी गणेश सिंह को पुलिस पड़कर जेल भेज देती है और रांची के एसपी बयान देते हैं कि भैरव सिंह ने युवती के ऊपर पेट्रोल फेकवाया है जबकि प्रशासन ने 19 तारीख को भैरव सिंह को जेल भेज दिया था एक झूठे मुकदमे में। इस पूरी घटना की सीबीआई जांच होनी चाहिए।

हिंदूवादी नेताओं को झूठे मुकदमे में जेल भेजा जा रहा है : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार अपने विरोधियों, विशेषकर हिंदू समाज से जुड़े लोगों को साजिश के तहत फर्जी मुकदमों में फंसा कर जेल भेजने का प्रयास करती रही है। कहा कि पिछले साढ़े पांच वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां निर्दोष लोगों को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर षड्यंत्र का शिकार बनाया गया है। कहा कि राज्य सरकार इसी कड़ी में एक बार फिर रांची के युवा भैरव सिंह को एक नए फर्ज़ी मुकदमे में फंसाने की तैयारी की जा रही है। भैरव सिंह से जुड़े जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे प्रथम दृष्टया संदेहास्पद प्रतीत हो रहे हैं। कहा कि सरकार के इशारे पर षड्यंत्र करने वाले पुलिस अधिकारी कान खोलकर सुन लें कि आम जनता को झूठे मामले में फंसा कर जेल भेजना जितना आसान है, उसे न्यायालय में साबित करना उतना ही मुश्किल है। कहा कि बेहतर होगा कि कानूनी दुष्परिणाम भुगतने से पहले ही लोगों को फंसाने से परहेज किया जाए। कहा कि झारखंड की जनता कानून का सम्मान करती है और न्यायप्रिय है। जनता मुख्यमंत्री की तरह ग़लत काम करने और मुकदमेबाजी में न निपुण है, और न ही मंहगे वकीलों के दम पर जांच एजेंसियों की जांच को लटकाने-भटकाने का प्रयास करती हैं। कहा कि मुख्यमंत्री से आग्रह है कि पूर्वाग्रह छोड़कर इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें और राज्य के युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से बचाएं।

सरना झंडा को लेकर दो आदिवासी समुदाय आपस में उलझे

● पुलिस ने मामले को शांत कराया

नवीन मेल संवाददाता

दो आदिवासी समुदाय आमने सामने

कोकर समाधि स्थल के सामने केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की के गुट के सैकड़ों लोग जमीन बचाने के लिए सरना झंडा स्थापित करने पहुंचे। वहीं इसके विरोध में जेएलकेएम नेता निशा भगत, सोमा उरांव, मेघा उरांव समेत दर्जनों आदिवासी संगठनों के लोग सरना झंडा स्थापना का विरोध कर रहे हैं। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। निशा भगत ने कहा कि सरना झंडा पूजा स्थलों पर ही लगाया जाना चाहिए।

रांची। सरना झंडा की स्थापना को लेकर रांची में आदिवासी समाज के बीच गुरुवार को आरोप प्रत्यारोपण का सिलसिला जारी रहा। बिरसा मुंडा समाधि स्थल के सामने दो पक्ष आमने-सामने हो गए। एक पक्ष इसे पारंपरिक आस्था और जमीन की रक्षा से जोड़ रहा है, जबकि दुसरे पक्ष का कहना है कि यह झूठी आस्था के नाम पर जमीन कब्जा करने की साजिश है।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की पर झंडा गाड़ने और समाज में फूट डालने के आरोप लगे हैं। निशा भगत ने सीधे तौर पर तिर्की को दलाली करने वाला बताते हुए कहा कि झंडा का अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झंडा पारंपरिक पुजारी के हाथों ही स्थापित होना चाहिए, न कि किसी दलाल के माध्यम से सोमा उरांव ने झंडा के गलत इस्तेमाल की बात उठाते हुए कहा कि पूजा स्थलों पर श्रद्धा (सरना) के लिए झंडा लगाया जाता है, लेकिन अब कुछ लोग इसे जमीन कब्जाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं उन्होंने दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जबकि अजय तिर्की का कहना है कि ईसाई और सरना परिवार वर्षों से मिल जुलकर रह रहे हैं। झंडा इसलिए लगाया जा रहा है, ताकि बिल्डर माफिया जमीन पर कब्जा न कर सकें इसकी शिकायत थाना में भी दी गई है अरगोड़ा मौजा के पाहन शिबू पाहन ने दावा किया कि बिना शुद्धिकरण के झंडा उखाड़ा गया है, जो परंपरा के खिलाफ है स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका परिवार पीढ़ियों से उसी जमीन पर रह रहा है और अब जमीन बचाने के लिए ही झंडा स्थापित किया गया है।

पृष्ठ एक के शेष

डॉक्टर चिकित्सकीय दक्षता हासिल...
उन्होंने विद्यार्थियों, उनके परिजनों और शिक्षकों को दीक्षांत समारोह के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के लिए स्वर्णिम भविष्य की पहली सीढ़ी है। विशेष रूप से उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि पदक प्राप्त करने वालों में बेटियों की संख्या अधिक रही और छात्राओं की उपस्थिति छात्रों के बराबर है। राष्ट्रपति ने आशा जताई कि इस दीक्षांत समारोह के साथ एम्स देवघर में "कल्चर ऑफ एक्सीलेंस" की शुरुआत हो रही है। उन्होंने एम्स प्रबंधन की सराहना की और संस्थान की प्रगति के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा, एम्स देवघर के चेयरमैन डॉ. एनए अरोड़ा और सीईओ प्रो. सौरभ वार्ष्णेय सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

रांची पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सीएम हेमंत...
आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा। 12.40 बजे संस्थान के 10 वर्ष के स्वर्णिम दौर पर आधारित पोस्टल स्टांप राष्ट्रपति द्वारा जारी किया जाएगा। उसके बाद वे 12.45 बजे प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा को डी. एससी डिग्री से सम्मानित करेंगी। उसके बाद 12.50 बजे, 20 गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को सम्मानित करेंगी।

दुर्गापुर एयरपोर्ट से दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के लिए भरेंगी उड़ान : कार्यक्रम के पश्चात 3.10 बजे धनबाद एयरपोर्ट पहुंचकर राष्ट्रपति 3.20 बजे पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर एयरपोर्ट के लिए राष्ट्रपति उड़ान भरेंगी और वही से दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जाएंगी।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र...
की अध्यक्षता स्पीकर रबीन्द्र नाथ महतो ने की। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत सभी प्रमुख दलों के नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सत्र के दौरान जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंच है, जहां जनता की उम्मीदों की आवाज बुलंद होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने सभी दलों से सदन की गरिमा बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी काम और नीतिगत चर्चाएं होनी हैं, इसलिए सभी दलों की भागीदारी जरूरी है। स्पीकर ने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य जनता और सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारियां समझेंगे और सत्र को उपयोगी बनाने में सहयोग करेंगे। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सत्र की अवधि को छोटा बताते हुए कहा कि झारखंड में कई अहम मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि बीजेपी विधायक दल की बैठक शुक्रवार को होगी, जिसमें सत्र को ज्यादा प्रभावी बनाने की रणनीति पर बात होगी। बैठक के बाद मरांडी ने मीडिया से बात करते हुए राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जनभावनाओं के प्रतिकूल काम करने का आरोप लगाया। बता दें कि मानसून सत्र 1 से 7 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान सरकार कई अहम विधेयक पेश कर सकती है, वहीं विपक्ष कानून-व्यवस्था, विकास योजनाओं और नीतिगत फैसलों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

डांगोपोसी-जारोली रेल लाइन की मंजूरी से...
पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान के तहत बनी यह योजना मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगी, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और स्थानीय उद्योगों को लाभ होगा। इस परियोजना के साथ ही देशभर की जिन चार परियोजनाओं को आज मंजूरी दी गई है, वे कुल मिलाकर लगभग 11,169 करोड़ रुपये की हैं और ये 574 किलोमीटर अतिरिक्त रेल लाइन जोड़ेंगी। इसमें झारखंड, ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के कुल 13 जिलों को लाभ होगा। झारखंड के अलावा, यह परियोजना ओडिशा के केओनझार जिले को भी कवर करती है, जिससे अंतरराज्यीय माल आवाजाही को मजबूती मिलेगी। पूरे सेक्शन से करीब 12.5 मिलियन टन प्रति वर्ष माल ढुलाई की संभावना है।

हॉर्न बजाया तो हुई बेरहमी से पिटाई!

दिल्ली में रोडरेज ने 3 को किया लहूलुहान

- द्वारका सेक्टर-10 में हॉर्न बजाने को लेकर सात-आठ लोगों ने हमला किया।

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में रोडरेज की अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहले मामले में, द्वारका सेक्टर-10 में एक स्वल्पाहार गृह में हॉर्न बजाने से नाराज एसयूवी सवार सात से आठ लोगों ने कथित तौर पर दो लोगों पर बीयर की बोतलों और पत्थरों से हमला कर दिया। यह घटना 27 जुलाई को देर रात करीब 2.30 बजे हुई, जब छावला गांव के रहने वाले और रोहिणी अदालत में कार्यरत मनोज अपने दोस्तों कुणाल और नागेंद्र के साथ भोजन लेने के लिए इलाके में स्थित एक स्वल्पाहार गृह में गए थे। कार चला रहे मनोज ने वेटर को बुलाने के लिए हॉर्न बजाया, जिससे वहां पहले से खड़ी एक थार और बीएमडब्ल्यू कार के पास खड़े कुछ लोग नाराज हो गए।प्राथमिकी में कहा गया है, ''थार गाड़ी के पास खड़े एक आदमी को हॉर्न बजाना बुरा लगा और उसने हमें गालियां देनी शुरू कर दीं। इससे पहले कि हम कुछ कर पाते, बीएमडब्ल्यू और थार से सात-आठ आदमी उतर आए और मुझे पीटने लगे।'' जब कुणाल ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसे भी घसीटा गया और पीटा गया। हमलावरों ने कथित तौर पर पत्थरों और बीयर की बोतलों से हमला किया, जिससे कार के शीशे टूट गए और दोनों घायल हो गए। पुलिस के एक सूत्र ने बुधवार को बताया कि वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद आरोपी अपनी गाड़ियों के साथ घटनास्थल से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच जारी है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के मुनिरका क्षेत्र में 25 जुलाई को दोपहर के समय एक अन्य घटना में एक व्यक्ति को कथित तौर पर कुछ लोगों के समूह द्वारा तब तक पीटा गया, जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया।

सड़क पर हॉर्न बजाने वाले विवाद ने लिया हिंसक रूप

पुलिस के अनुसार, मुनिरका गांव निवासी अवधेश राय अपने बेटे को स्कूल छोड़ने के बाद घर लौट रहे थे तभी दुपहिया वाहन पर सवार एक व्यक्ति ने बाबू लाल चौक के समीप उसके पीछे से हॉर्न बजाना शुरू कर दिया। राय ने उससे कहा कि वह भी आगे बढ़ रहा है लेकिन इसके बावजूद आरोपी व्यक्ति हॉर्न बजाता रहा और उससे गाली गलौज करने लगा।उसके पीछे एक महिला भी बैठी हुई थी। जब राय ने इसका विरोध किया तो आरोपी अपने वाहन से उतरा और उससे मारपीट करने लगा। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपने साथियों को बुला लिया, जो लाठी-डंडे के साथ पहुंचे। उन्होंने सड़क पर राय को बुरी तरह पीटा। प्रारंभिक जांच के बाद किशनगढ़ पुलिस थाने में 28 जुलाई को एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

अंडमान-निकोबार में पहली बार ईडी की कार्रवाई

200 करोड़ रुपए के बैंक लोन घोटाले में की छापेमारी

एजेंसी। अंडमान निकोबार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अपना पहला तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) से जुड़े बड़े पैमाने पर हुए धोखाधड़ी का पता चला। एजेंसी ने पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर तलाशी ली और वित्तीय अनियमितताओं के महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए। ईडी अधिकारियों के अनुसार, पोर्ट ब्लेयर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज़ बरामद किए गए, जो सहकारी बैंक द्वारा ऋण और ओवरड्राफ्ट सुविधाओं की मंजूरी में व्यापक उल्लंघनों का संकेत देते हैं।

फर्जी फर्मों को ऋण स्वीकृत

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए, कई फर्जी फर्मों को धोखाधड़ी से ऋण लाभ प्रदान किए गए। ईडी ने पाया कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पूर्व सांसद श्री कुलदीप राय शर्मा, जो एएनएससीबी के उपाध्यक्ष भी थे, के लाभ के लिए धन का लेन-देन करने हेतु कथित तौर पर लगभग 15 फर्जी कंपनियां स्थापित की गईं।

200 करोड़ रुपये नकद निकाले गए : एजेंसी ने दावा किया कि इन संस्थाओं ने धोखाधड़ी से 200 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सुविधाएं प्राप्त कीं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा नकद में निकाला गया और कथित तौर पर लाभार्थियों को सौंप दिया गया, जिनमें स्वयं शर्मा भी शामिल थे। यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि ईडी ने अंडमान निकोबार पुलिस की अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कई निजी व्यक्तियों और एएनएससीबी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद जाँच शुरू की थी।

"ऑपरेशन सिंदूर पर नड्डा का हमला

'वो गोलियों से भूनते रहे, हम बिरयानी खिलाने चले'

'तब आतंक, व्यापार और पर्यटन साथ-साथ चलता रहा'

जे.पी. नड्डा ने अपने संबोधन में कहा, "मुद्दा यह है कि तब भारत और पाकिस्तान के बीच आतंक, व्यापार और पर्यटन साथ-साथ चलता रहा।" उन्होंने 2008 के जयपुर बम धमाकों का जिक्र करते हुए कांग्रेस सरकार की तुष्टिकरण की सीमाओं पर भी सवाल उठाए। नड्डा ने कहा कि इंडियन मुजाहिदीन द्वारा किए गए इन धमाकों के बाद भी भारत और पाकिस्तान विशिष्ट विश्वास-बहाली उपायों पर सहमत हुए। नड्डा ने यह भी आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने नियंत्रण रेखा (LoC) पार करने के लिए "ट्रिपल-एंट्री परमिट" की अनुमति दी थी।

'एक पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा था- कश्मीर जाने में डर लगता है'

राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा, "...एक पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा था कि भारत की नीति है कि सीमाओं का विकास न करना ही सबसे अच्छा बचाव है। अविकसित सीमाएं विकसित सीमाओं से ज्यादा सुरक्षित होती हैं।" उन्होंने कहा, "एक पूर्व गृह मंत्री ने कहा था कि मुझे कश्मीर जाने में डर लगता है।" जेपी नड्डा ने कहा कि हम इस देश में अंधकार में जी रहे थे। 2014-2025 तक, जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश में आतंकवादी हमले बंद हो गए।"जे. पी. नड्डा ने कहा, "...उरी सर्जिकल स्ट्राइक की बात करें तो...1947 के बाद यह पहली बार था कि भारतीय प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा कि (उरी) हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा-

हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता

- कांग्रेस पर कश्मीर का हिस्सा पाकिस्तान को देने का आरोप लगाया।
- **शाह ने कहा –** अब निर्णायक नेतृत्व है, दस्तावेज़ों पर नहीं, एक्शन पर भरोसा।
- ब्रह्मोस मिसाइल की तैनाती का जिक्र कर सरकार की नीति को निर्णायक बताया।
- **चिदंबरम के बयान पर हमला –** ऑपरेशन सिंदूर को निर्णायक मानने से इनकार किया।
- **शाह ने पूछा –** अगर 1965 और 1971 निर्णायक थे तो आतंकवाद क्यों फैला?

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में आतंकवाद के 'पतन' के कगार पर होने की बात दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने संबोधन में कहा कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इसे वापस लेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की उदार नीतियों और तुष्टिकरण के रवैये ने देश में आतंकवाद को पनपने और फलने-फूलने का मौका दिया। सौभाग्य से, अब हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो केवल दस्तावेज़ों पर निर्भर रहने के बजाय निर्णायक कार्रवाई करता है, ब्रह्मोस मिसाइल तैनात करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के इस आकलन की आलोचना करते हुए कि 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों से पाकिस्तान का कोई ठोस संबंध नहीं है।

एनआईए कोर्ट ने मालेगांव केस में सभी को बरी किया

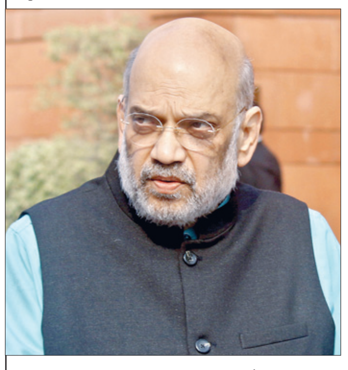

गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के 2008 के उस बयान का भी ज़िक्र किया जिसमें उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में आरएसएस के शामिल होने की संभावना जताई थी। शाह ने पूछा कि हमारी एजेंसियों को इस बात के सबूत मिले हैं कि आतंकवादी पाकिस्तान से थे। लेकिन उनके (चिदंबरम के) गृह मंत्री रहते हुए अफ़ज़ल गुरु को फांसी नहीं दी गई... मुंबई आतंकी हमले के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा था कि आरएसएस ने इसे अंजाम दिया है। वे किसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं? वे क्या कहना चाह रहे हैं? मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कल केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्यसभा में क्या कहा? एक हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता। इस देश में सभी आतंकवादियों का एक ही धर्म है। यह साबित हो चुका है। कांग्रेस ने 'भगवा आतंकवाद' शब्द फैलाने का गंदा काम किया।

पाक की जनता के मन में क्या चल रहा है?

मोदी-शाह-राजनाथ ने संसद में पीओके पर बयान देकर क्या संदेश दिया है?

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में हुई चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सरकार पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) के मुद्दे को केवल ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नहीं देख रही, बल्कि इसे अपनी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह विपक्ष पर पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि "पीओके पर कब्जा होने का अवसर किस सरकार ने दिया?", उसने कांग्रेस को सीधा ऐतिहासिक जिम्मेदारी के घेरे में ला खड़ा किया। यह बयान न केवल अतीत की राजनीतिक गलतियों की याद दिलाता है, बल्कि भाजपा को राष्ट्रवाद की ठोस जमीन पर खड़ा करता है। गृह मंत्री अमित शाह ने इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए साफ कह दिया कि भाजपा सरकार पीओके को वापस लाएगी। यह बयान चुनावी दृष्टि से भाजपा के लिए बड़ा हथियार बन सकता है, क्योंकि यह जनता में यह संदेश देता है कि मौजूदा सरकार केवल कड़ी भाषा नहीं बोल रही, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का भी इरादा रखती है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पीओके के लोगों की 'घर वापसी' की उम्मीद जताकर एक भावनात्मक और रणनीतिक संदेश दिया। यह बयान बताता है कि सरकार इस मुद्दे को केवल सैन्य ऑपरेशन या सीमित राजनीतिक बहस तक नहीं रख रही, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय उद्देश्य के रूप में स्थापित कर रही है। तीनों बयानों को मिलाकर देखें तो भाजपा ने पीओके को लेकर विपक्ष को घेरने के साथ-साथ जनता के बीच एक बार फिर राष्ट्रवाद की लहर पैदा करने की कोशिश की है।

76वां राज्यव्यापी वन महोत्सव 2025

वनों की जब रखवाली होगी
तभी पृथ्वी पर हरियाली होगी

अध्यक्ष
श्री रबीन्द्र नाथ महतो
माननीय अध्यक्ष, झारखण्ड विधानसभा

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय मंत्री संसदीय कार्य विभाग

तथा झारखण्ड विधान सभा के सभी माननीय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा।

दिनांक : 1 अगस्त, 2025
स्थल : नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर, जगन्नाथपुर, रांची

संदेश

समस्त झारखण्डवासियों को 76 वां वन महोत्सव, 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामानाएँ।

वृक्ष प्रकृति के उपहार की तरह हैं, जो पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पूरे विश्व में तापमान को नियंत्रित करने और बारिश के लिए मौसम की स्थिति बनाने में वृक्षों की बड़ी भूमिका है। वृक्ष कार्बन डाईऑक्साईड लेकर और ऑक्सीजन छोड़ कर हवा को भी साफ करते हैं, जो सभी जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त वृक्ष हमें लकड़ी, भोजन, ईंधन, कागज और बहुत कुछ प्रदान करते हैं, जिससे वे हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं।

हमारी सरकार राज्य के जल, जंगल और जमीन को समृद्ध करने के लिए कृत संकल्पित है और अपने पूर्वजों के धरोहर को संरक्षित कर उसमें और बढ़ोतरी करने के लिए हमेशा प्रयासरत रही है।

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का संकट मंडरा रहा है। इस वर्ष मानसून में बारिश को देख लें कि कितना परिवर्तन हो चुका है। यह मानव समाज के लिए ठीक नहीं है और हम सबको मिलकर इसे सही करने का प्रयास करना होगा। इस कड़ी में हम सब वन महोत्सव में पौधा लगाने का संकल्प लें, ताकि जलवायु का तापमान नियंत्रित रह सके, जल संकट से उबर सकें, हवा में प्रदूषण को कम किया जा सके, मिट्टी का संरक्षण हो सके, हमारे राज्य के नदी-नाले सालों भर बहते रहें और पूरा वातावरण सुन्दर और रमणीक बना रहे।

झारखण्ड राज्य देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जिनके भौगोलिक क्षेत्रफल का 34.38 प्रतिशत भू-भाग, राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के अनुरूप वन एवं वृक्षावरण से आच्छादित है।

अब, हमारे लिए अपने राज्य की प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करने की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है। हमें पृथ्वी की उसी तरह देखभाल करनी चाहिए जैसे वह हमारी देखभाल करती रही है। वन महोत्सव के जरिये सभी झारखण्डवासियों से अपील है कि आप पौधे लगाएं, उनको बचाएं और उसे वृक्ष बनाएं।

जोहार !
(हेमन्त सोरेन)

PR No. 358668 (Forest, Environment and Climate Changes) 2025-26

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार